राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

लखनऊ, बुधवार, 03 जून 2026
वर्ष 07, अंक 237, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पिपरा काजी में मनरेगा का बड़ा खेल! कागजों में काम पूरा, फर्जी भुगतान की तैयारी...02

ओलावृष्टि पीड़ित किसानों को अब तक नहीं मिला मुआवजा, एसडीएम से लगाई गुहार...10

शादीशुदा बेटी भी रोजगार की पात्र... अनुकंपा नियुक्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

● सुप्रीम कोर्ट ने माता-पिता पर आश्रित विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति के पात्र माना है. इससे पहले ने इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि अनुकंपा नियुक्ति के उद्देश्य से परिवार की परिभाषा में विवाहित पुत्री को शामिल नहीं किया जाता है. सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को रद्द किया है.

सुप्रीम कोर्ट ने माता-पिता पर आश्रित विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति के पात्र माना है. एससी ने फैसले में कहा है कि माता-पिता के ना रहने पर उनपर आश्रित विवाहित पुत्री अनुकंपा रोजगार की पात्र है. अगर विवाहिता बेटी रोजगार संबंधी सभी शर्तों को पूरा करती हैं तो उन्हें नियुक्ति के पात्र माना जाएगा. इससे पहले ने इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि अनुकंपा नियुक्ति के उद्देश्य से परिवार की परिभाषा में विवाहित पुत्री को शामिल नहीं किया जाता है. सुप्रीम कोर्ट ने इसी फैसले को रद्द किया है।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने कहा कि वह बॉम्बे हाई कोर्ट और कर्नाटक हाईकोर्ट के उन सभी निर्णयों से सहमत है, जिनमें कहा गया है कि वैवाहिक स्थिति किसी पात्र पुत्री को कल्याणकारी योजना से वंचित करने का वैध आधार नहीं हो सकती. यह मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट की एक सिंगल बेंच द्वारा सर्वोच्च अदालत को भेजे गए एक संदर्भ से संबंधित है, जिसमें यह पूछा गया था कि क्या विवाहित पुत्रों के मामले में ऐसी कोई अक्षमता न होने पर भी विवाहित पुत्रियों के अनुकंपा नियुक्ति के दावों को अस्वीकार किया जा सकता है.

दुकान चलाने के लाइसेंस के लिए याचिका की थी दायर

इस मामले में याचिकाकर्ता, जो एक विवाहित पुत्री है. उसने अनुकंपा के आधार पर उचित दुकान चलाने के लाइसेंस के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की. इसमें 2019 के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें विवाहित पुत्रियों को 'परिवार' की परिभाषा से बाहर रखा गया था. दरअसल विवाहित होने के बावजूद वह अपने परिवार के साथ रहती थी. एक विकलांग बहन की देखभाल करती थी और अपनी मां के साथ दुकान चलाती थी. अपनी मां के निधन के बाद याचिकाकर्ता ने लाइसेंस के लिए आवेदन किया, जिसे अस्वीकार कर दिया गया।

पहले के कुछ निर्णयों पर किया गया विचार

हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने अदालत के समक्ष मौजूद पूर्व निर्णयों पर विचार किया. उन्होंने विमल श्रीवास्तव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य (2015) मामले में खंडपीठ के फैसले पर गौर किया, जिसमें सेवा संबंधी मामले में अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के लिए 'परिवार' की परिभाषा से संबंधित उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों की भर्ती नियम, 1974 के एक समान प्रावधान की व्याख्या करते हुए यह माना गया था कि विवाहित बेटियों को परिवार की परिभाषा से बाहर रखना असंवैधानिक है क्योंकि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है और इस प्रकार परिवार की परिभाषा में प्रयुक्त 'अविवाहित' शब्द को निरस्त कर दिया गया था।

इसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के समक्ष कुसुमलता बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य (2021) मामले में विवाहित पुत्री द्वारा चुनौती दिए गए दावे पर 2019 के सरकारी आदेश पर भी विचार किया गया. इसमें यह माना गया कि विमल फैसले का तर्क लागू नहीं किया जा सकता. इसमें यह भी कहा गया कि 2019 के सरकारी आदेश में परिवार की परिभाषा में 'अविवाहित पुत्री' शब्द का प्रयोग भेदभावपूर्ण नहीं है. इसमें यह भी माना गया कि 2019 के सरकारी आदेश की व्याख्या उस तरह से नहीं की जा सकती जिस तरह से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हार्नेस नियमों के प्रावधानों की व्याख्या की थी।

इसी तरह का मत सैदा बेगम बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य (2023) मामले में खंडपीठ द्वारा भी व्यक्त किया गया था. न्यायाधीश ने इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया था. हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने रंजना मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और इलाहाबाद हाईकोर्ट के विपरीत निर्णयों को रद्द कर दिया।

चार सप्ताह के भीतर वैध लाइसेंस देने का आदेश

आज सुनाए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सैदा बेगम का मामला सही कानूनी आधार नहीं है. इस मामले में रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों से यह सिद्ध होता है कि अपीलकर्ता विवाह के बाद भी उसी गांव में रहती रही और उचित मूल्य की दुकान चलाने में अपनी मां की सक्रिय रूप से सहायता करती रही. अपनी मां के निधन के बाद अपीलकर्ता ने अपनी बहन, जो शारीरिक रूप से अक्षम थीं, उनकी जिम्मेदारी संभाली।

विवाहित पुत्री होने के आधार पर उसका आवेदन खारिज करना संवैधानिक रूप से अमान्य है. सुप्रीम कोर्ट ने उसे लाइसेंस देने से इनकार करने वाले आदेशों को रद्द कर दिया और सक्षम अधिकारियों को चार सप्ताह के भीतर वैध लाइसेंस आदेश जारी करने का निर्देश दिया।

फ्रीज संपत्ति की कीमतों की रक्षा भी जरूरी...हरि शंकर तिबरेवाल केस में छत्तीसगढ़ HC का बड़ा फैसला

● कानूनी क्षेत्र में इस फैसले को एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जा रहा है.

● माना जा रहा है कि यह आदेश भविष्य में धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत फ्रीज़ की गई प्रतिभूतियों और बड़े निवेश पोर्टफोलियो से जुड़े मामलों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बाजार आधारित संपत्तियों के मूल्य संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी फैसला सुनाया है. हाईकोर्ट ने साफ किया है किसी भी फ्रीज की गई निवेशित संपत्ति को केवल सुरक्षित रखना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसके आर्थिक मूल्य की रक्षा करना भी जरूरी है।

यह मामला करीब 423 करोड़ मूल्य की प्रतिभूतियों और निवेशों से जुड़ा है जो ड्रीम अचीवर कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रा.लि., डिस्कवरी बिल्डकॉन प्रा.लि., फॉरेस्ट विनकॉम प्रा.लि., ब्रिलियंट इन्वेस्टमेंट्स कंसल्टेंट प्रा.लि., एबिलिटी वेंचर्स प्रा.लि., एबिलिटी स्मार्टेक प्रा.लि., एबिलिटी गेम्स लिमिटेड और सवर्ण भूमि वाणिज्य प्रा.लि. के पास हैं।

बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम पर ध्यान

हाईकोर्ट ने बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को ध्यान में रखते हुए संबंधित कंपनियों को यह अनुमति दी है कि वे प्रवर्तन निदेशालय (ED) के समक्ष एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकें. कोर्ट ने माना कि सूचीबद्ध शेयरों और बाजार आधारित निवेशों को अनिश्चितकाल तक फ्रीज़ रखे जाने की स्थिति में उनके मूल्य पर बाजार की अस्थिरता का प्रभाव पड़ सकता है. इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए अदालत ने लंबित कार्यवाही के दौरान भी संपत्तियों के आर्थिक हितों की सुरक्षा को महत्व दिया है।

हरि शंकर तिबरेवाल से जुड़ा मामला क्या है?

यह मामला उद्योगपति हरि शंकर तिबरेवाल से जुड़े होने के कारण भी विशेष चर्चा में है. हालांकि मामले के गुण-दोष पर अंतिम निर्णय संबंधित सक्षम प्राधिकरणों द्वारा लिया जाना अभी शेष है, लेकिन हाईकोर्ट की यह टिप्पणी निवेशित संपत्तियों के संरक्षण के प्रति एक संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाती है।

423 करोड़ के निवेश पोर्टफोलियो से जुड़े इस मामले में हाईकोर्ट का दृष्टिकोण एसेट वैल्यू प्रोटेक्शन की अवधारणा को नई मजबूती प्रदान करता है. आदेश यह संकेत देता है कि लंबी कानूनी प्रक्रियाओं के दौरान संपत्तियों के वास्तविक आर्थिक मूल्य को सुरक्षित रखने के उपायों पर भी विचार किया जाना चाहिए।

आर्थिक मोर्चे पर कोर्ट का न्यायिक संतुलन

कोर्ट का यह दृष्टिकोण न्यायिक संतुलन, आर्थिक व्यावहारिकता और संपत्तियों के मूल्य संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. इससे यह संदेश भी जाता है कि कानूनी प्रक्रिया के दौरान संपत्तियों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उनके आर्थिक मूल्य की रक्षा भी समान रूप से आवश्यक है।

न्यायिक संतुलन और आर्थिक व्यावहारिकता का उदाहरण

कानूनी जानकारों के अनुसार हाईकोर्ट का यह फैसला न्यायिक संतुलन, आर्थिक व्यावहारिकता और संपत्तियों के संरक्षण के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम है. यह आदेश इस बात पर जोर देता है कि जांच और कानूनी प्रक्रिया के दौरान संपत्तियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनके आर्थिक मूल्य की रक्षा भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त ख़बरें

सुरक्षा का फीड बैक लेने सड़क पर उतरे अलीगढ़ SSP नीरज जादौन, पैदल गश्त कर लोगों से किया संवाद

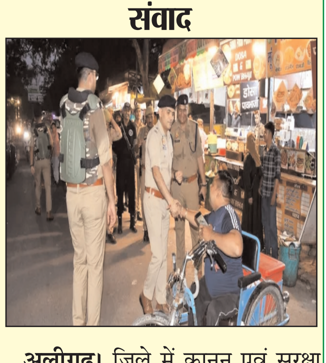

अलीगढ़। जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने मंगलवार को पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ नगर क्षेत्र में पैदल गश्त किया। इस दौरान मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों, प्रमुख चौराहों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

कानून व्यवस्था के मद्देनजर एसएसपी ने शहर में किया पैदल गश्त

पैदल गश्त क्वार्सी चौराहे से किशनपुर तिराहा, गांधीआइ तिराहा, सेंटर प्वाइंट, रेलवे स्टेशन, एसबीआई तिराहा, दीवानी न्यायालय होते हुए पुलिस लाइन तक किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया तथा उन्हें सतर्क और जागरूक रहने की अपील की।

लोगों को सुरक्षा के प्रति किया आश्वत

एसएसपी ने लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करते हुए कहा कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि वे मुख्य मार्गों, चौराहों, बाजारों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार भ्रमणशील रहें तथा संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर आदित्य बंसल, पुलिस अधीक्षक यातायात प्रवीण कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय धनंजय सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय सर्वम सिंह भी थे।

नदी की धारा को रोककर लगातार किया जा रहा है अवैध खनन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन /सोनभद्र- सोन नदी के नाम पर पड़ा जिला सोनभद्र की जीवन धारा सोन नदी को ही माना जाता है । बतादें कि सोनभद्र में ही रेणुका, बिजूल,घाघरा ,कनहर आदि अनेक नदियां हैं इन नदियों में अवैध खनन जोर जोर से जारी है। अवैध खनन करने के लिए खनन पट्टाधारक नदी के बीचों बीच मशीनों के द्वारा बालू का उत्खनन किया जा रहा है जहाँ खनन खननकर्ताओं द्वारा नदी की धारा को पूरी तरह से रोक दिया गया है ।मिली जानकारी के अनुसार खनन धारक का पट्टा अगोरी किले के पश्चिम साइड में स्वीकृत हुआ था पर वहां पर खनन तो जारी है लेकिन वहां से हट करके खनन धारक द्वारा नदी के बीचो-बीच प्राचीन शिव मंदिर गोठानी के पास तक खनन करते हुए आगे बढ़ते चले जा रहे हैं । जबकि कुछ दूरी पर रूद्रमाइनिंग है जो की लगातार अवैध खनन के कारण सुर्खियों में छाया रहता है। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या जिले के जिम्मेदार अधिकारी खनन अधिकारी एनजीटी के अधिकारियों को यह सब दिखाई नहीं दे रहा है। पर्यायवरणविदों/ जानकारों का कहना है कि नदी की धारा रुकने के कारण जलीय जीव जंतुओं के जीवन पर गहरा असर पड़ रहा है और वे लगभग विलुप्त होते चले जा रहे हैं। प्रदेश से सटे मध्य प्रदेश में जलीय जीव जंतुओं के अभ्यारण के लिए जगह को चिन्हित करके उनके रहने और प्रजनन की व्यवस्था कराई जा रही है वहीं उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिलों में इन सब नियमों को दरकिनार कर लगातार अवैध खनन जारी है। प्रतिदिन हजारों गाड़ियां ओवर लोड होकर के नदी से निकलती है और उन गाड़ियों में से पानी का रिसाव लगातार जारी रहता है जिससे काला पानी कहे जाने वाले क्षेत्र को जोड़ने वाली सड़क को भारी नुकसान हो रहा है । सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होते जा रहे हैं ओवरलोड गाड़ियां चलने की वजह से नदियों पर जो पुल बनाए गए हैं उनकी स्थिति जर्जर होती जा रही है। सड़कों के किनारे पुलों पर बालू के गिर जाने के कारण अगर कोई बाइक सवार उसमें फंस जाता है तो उसकी जान दुर्घटना के कारण जा सकती है। लेकिन इन सब के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी तमाशबीन बने हुए हैं। अधिकारी के कान तक इसकी आवाज तब जाती है जब कोई दुर्घटना हो जाती है। कुछ दिनों बाद पुनः इस कुंभकर्णी नींद में सो जाते हैं।क्षेत्र में ओवरलोड गाड़ियों से सड़क तो खराब हो रही है और पुलों पर गाड़ियों से गिरने वाले बालू इकट्ठा हो जा रहे हैं जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और वहीं बाइक सवार गिरकर चोटिल हो जाते हैं । स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन को ओवरलोड गाड़ियां क्यों नहीं दिखाई देती हैं । जिसके क्रम में स्थानीय लोगों व पर्यायवरणविदों ने स्थानीय प्रशासन व जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल रोक लगाने की मांग किया है।

पद बदलते रहे, जिम्मेदारियां बदलती रही लेकिन वैसा ही रहा सुजीत कुमार पाण्डेय का काम करने का अंदाज

» अपनी सादगी और मानवीय व्यवहार के साथ अपराध और अपराधियों के प्रति सत रुख के लिए अलग पहचान रखते हैं डीजी अग्निशमन सुजीत कुमार पाण्डेय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अपनी सादगी और मानवीय व्यवहार के साथ ही अपराध और अपराधियों के सख्त रुख के लिए पहचाने जाने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सुजीत कुमार पाण्डेय के पास पद कोई भी भी हो पर वे अपनी कार्यकुशलता से हमेशा चर्चा में रहते हैं। ऐसा ही कुछ नजारा उनके कार्यालय में उस वक्त देखने को मिला जब दूरदराज से आये फरियादियों को उन्होंने प्राथमिकता से सुना और उनकी समस्या का निराकरण भी किया। वर्तमान में पुलिस महानिदेशक अग्निशमन का दायित्व संभाल रहे आईपीएस सुजीत कुमार पाण्डेय के स्वभाव से हर कोई वाकिफ हैं जिन्होंने हमेशा अपनी बेहद ईमानदारी और कर्मठता के साथ विभाग की सेवा की है।

दिन मंगलवार समय अपराह्न 2 बजे..... साहब ने अपने स्टाफ से पूछा कोई मिलना तो नहीं चाहता, उन्हें लाना। एक बेटी अपने पिता जसपाल सिंह को व्हील चेयर से लेकर डीजी साहब के कमरे में प्रवेश किया।

सुजीत पांडे: क्या हुआ बेटा:

बेटी: सर मेरे पिताजी व्हील चेयर पर है और रामपुर से समय खत्म हो गया है उनका स्थानांतरण लखनऊ हुआ है ये अकेले इतनी दूर इनकी देख रेख करने वाला कोई नहीं है कृपया इनका स्थान्तरण निरस्त कर दीजिए।

डीजी साहब: हो जायेगा बेटा। समस्या भी जटिल थी लेकिन ऐसे अफसर जिनकी वाकई में जितनी तारीफ की जाये कम है। इसके बाद ओम प्रकाश सिंह जो आगरा में तैनात है जो पूरी तरह से पैरालिसिस से पीड़ित है जो अपने परिवार के साथ आए थे, उन्होंने अपना स्थानांतरण फिरोजाबाद करवाने का आग्रह किया। हमेशा परेशानी में क्यों न उनका स्टाफ हो छोटा हो या बड़ा लेकिन उनका नजरिया हमेशा सबके लिए एक सा ही रहता है। आईपीएस सुजीत कुमार पाण्डेय ने अपने सरल स्वभाव मृदभाषी सौम्यता से अपनी अलग पहचान बनाई है। डीजी अग्निशमन सुजीत पांडे का यह कोई आज का ही नहीं बल्कि रोज की दिनचर्या है। जनता हो या उनका स्वयं का स्टाफ सभी की परेशानी सुनकर समस्या का निस्तारण उनकी प्राथमिकता में रहता है। एक एसएफओ ने बताया मैंने ट्रांसफर की ऐसी लिस्ट जो बिल्कुल साफ थी जिसमें न कोई भेदभाव था न जातिवाद पहली बार देखा शायद। उस ट्रांसफर लिस्ट में ऐसे कर्मचारी थे जो अपने जिलों के फायर स्टेशन में 7 साल से 18 साल से तैनात थे जिनको हटाना मुश्किल था उनको भी हटाने का काम किया गया ऐसी निष्पक्षता शायद ही किसी अधिकारी में देखने को मिलती है।

विद्युत कटौती व लो वोल्टेज से उपभोक्ता परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार नगर पंचायत के आद्या नगर, सुभाष नगर और आजाद नगर मोहल्ले में अनियमित विद्युत कटौती और लो वोल्टेज से आजिज उपभोक्ताओं का सब्र जवाब दे रहा है। लो वोल्टेज से जूझ रहे उपभोक्ताओं ने विभाग के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। रात में ही लोग उपकेंद्र पर जा धमके और विद्युत आपूर्ति दुरुस्त कराने के लिए कनिष्ठ अभियंता कायम सिंह से बात की। समस्या दूर करने का आश्वासन मिला तब जाकर लोग शांत हुए। इन क्षेत्रों में कई दिनों से बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। परेशान उपभोक्ताओं ने कई बार बिजली अधिकारियों से इस समस्या को दूर करने की गुहार लगाई लेकिन, अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। नगर निवासी आलोक, राजू जायसवाल, सतीश, अजीत मोदनवाल, सुधीर ने बताया कि उसका नगर के मुख्य बाजार में उपकेंद्र से इन वार्डो में लगातार कई दिनों से आमजनता बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रही है। शिकायतों के बावजूद अधिकारियों की ओर से समस्या को दूर करने के लिए प्रयास नहीं किया गया, इसका खामियाजा यहां की जनता भुगत रही है। भीषण गर्मी में लो वोल्टेज के कारण बिजली उपकरण एसी, कूलर, फ्रिज, मोटर पंप काम करना बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से रात्रि में बड़ी परेशानी उठानी पड़ती हैं। इन लोगों ने इसके स्थाई समाधान के लिए मांग की है।

लालगंज में खाकी की बड़ी लापरवाही: सिपाही से लेकर दरोगा तक सब नदारद, बंद शटर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

● लालगंज पुलिस चौकी का शटर बंद देख भड़की जनता, अब देखना है तेज-तर्रार स्वकबस्ती क्या करेंगे कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने और जनता को 24 घंटे सुरक्षा देने के दावों को धत्ता बताती हुई एक बेहद हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। लालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली लालगंज पुलिस चौकी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने पुलिसिया मुस्तैदी की पोल खोलकर रख दी है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जिस चौकी को जनता की सुरक्षा का ठिकाना होना चाहिए था, वहां सन्नाटा पसरा हुआ है और मुख्य शटर पूरी तरह बंद है।

सिपाही से लेकर होमगार्ड तक गायब, फरियादी बेहाल

स्थानीय लोगों के अनुसार, लालगंज पुलिस चौकी पर कागजों में सिपाही, दरोगा और होमगार्ड्स की बकायदा तैनाती है। क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा इन्हीं कंधों पर है। लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट नजर आई। ड्यूटी के मुख्य समय पर भी चौकी परिसर में एक भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। दूर-दराज से अपनी शिकायतें और फरियाद लेकर आए पीड़ित लोग चौकी का बंद शटर देखकर हैरान रह गए। काफी देर इंतजार करने के बाद भी जब कोई जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी वहां नहीं पहुंचा, तो स्थानीय नागरिकों ने इस पूरे नजारे का वीडियो बना लिया और उसे इंटरनेट पर अपलोड कर दिया।

जन सुरक्षा और सरकारी दावों पर उठे गंभीर सवाल

व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले लालगंज क्षेत्र में इस तरह पूरी पुलिस चौकी का भगवान भरोसे छूट जाना सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

व्यापारियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर दिनदहाड़े पुलिस चौकी ही बंद रहेगी, तो आम जनता अपराधियों के खौफ के बीच अपनी सुरक्षा के लिए किसके पास जाएगी? इस बेफिक्री ने पुलिस की कार्यप्रणाली को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है।

अब देखना है तेज-तर्रार पुलिस अधीक्षक क्या करेंगे कार्रवाई?

वीडियो के सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामला आला अधिकारियों के संज्ञान में पहुंच चुका है। बस्ती जिले के पुलिस अधीक्षक (SP) अपनी तेज-तर्रार कार्यशैली और अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में अब पूरी क्षेत्र की जनता की निगाहें उन्हीं पर टिकी हैं। अब देखना यह होगा कि इस घोर लापरवाही को लेकर तेज-तर्रार पुलिस अधीक्षक बस्ती दोषियों पर क्या और कितनी सख्त कार्रवाई करते हैं, ताकि भविष्य में जनता की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ दोबारा न हो।

संक्षिप्त खबरें

ओडीओपी टूलकिट प्रशिक्षण व वित्त पोषण योजना के लिए आवेदन शुरू

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक www.swatantraprabhat.com
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

रेडीमेड होजरी, जरी सिल्क साड़ी और खाद्य प्रसंस्करण ट्रेड के लाभार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षण व ऋण सुविधा

ललितपुर। जनपद में एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) टूलकिट प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र ने इच्छुक लाभार्थियों से आवेदन करने की अपील की है। उपायुक्त उद्योग अतहर जमाल ने बताया कि ओडीओपी योजना के तहत जनपद में तीन प्रमुख ट्रेडों रेडीमेड होजरी, जरी सिल्क साड़ी तथा खाद्य प्रसंस्करण के लिए प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत लाभार्थी ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को पोर्टल पर लॉगिन कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना होगा। योजना के तहत परियोजना के लिए ऋण की कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है, जिससे उद्यमी अपनी आवश्यकता के अनुसार परियोजना तैयार कर सकते हैं। योजना के लिए आवेदन करने हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, नोटरी शपथ पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक की छायाप्रति, पासपोर्ट साइज फोटो तथा हस्ताक्षर सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। इस योजना में शैक्षिक योग्यता की कोई अनिवार्यता नहीं रखी गई है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि लाभार्थी को परियोजना लागत का 5 से 10 प्रतिशत तक स्वयं का अंशदान करना होगा। बैंक द्वारा स्वीकृत परियोजना लागत पर नियमानुसार अधिकतम 25 प्रतिशत तक अनुदान भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इच्छुक उद्यमियों एवं बेरोजगार युवाओं से योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि विस्तृत जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क किया जा सकता है।

एसडीएम की कार्यप्रणाली के विरोध में लामबंद हुए अधिवक्ता

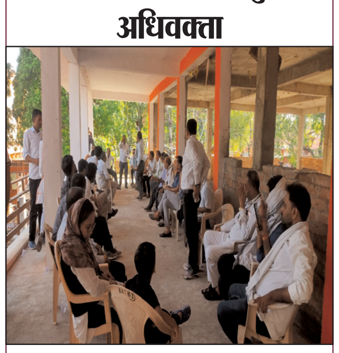

वकीलों ने किया कार्य बहिष्कार

तालबेहट। उपजिलाधिकारी तालबेहट की कार्यप्रणाली के विरोध में बार संघ के अधिवक्ता लामबंद हो गए हैं। बार संघ की बैठक में अधिवक्ताओं ने तहसील में लंबित पड़े मामलों, एवं अधिवक्ता के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई। बैठक में एसडीएम के स्थानांतरण की मांग करते हुए प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान और न्यायिक कार्यों में सहयोगात्मक वातावरण बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि एसडीएम द्वारा एक अधिवक्ता के साथ अनुचित व्यवहार किया गया, जिससे अधिवक्ता समुदाय में रोष व्याप्त है। आपात बैठक में मौजूद अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से इस घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि अधिवक्ताओं के सम्मान और न्यायिक कार्यों में आ रही बाधाओं का समाधान नहीं किया गया तो बार संघ आगे की रणनीति तय करने को बाध्य होगा। बैठक के अंत में निंदा प्रस्ताव पारित कर इसकी प्रति संबंधित अधिकारियों को भेजने का निर्णय लिया गया। इस दौरान बार संघ के पदाधिकारी एवं अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

महीनों नहीं होती वादकारियों की सुनवाई अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसील में बंटवारा, धारा-116, धारा-144, हदबंदी, धारा-24, धारा-32 एवं 38 दुरुस्ती समेत एक हजार से अधिक मामले लंबे समय से लंबित पड़े हैं। कई मामलों में बहस पूरी हो चुकी है, लेकिन निर्णय नहीं सुनाए जा रहे हैं, जिससे वादकारी और अधिवक्ता दोनों परेशान हैं।

पिपरा काजी में मनरेगा का बड़ा खेल! कागजों में काम पूरा, फर्जी भुगतान की तैयारी

● 31 मई को ऑनलाइन मस्टर रोल पूर्ण, बिना काम के हाजिरी दिखाकर सरकारी धन की बंदरबांट के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के विकास खण्ड हरैया अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरा काजी में मनरेगा योजना एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। 31 मई को ऑनलाइन मस्टर रोल पूर्ण होने के बाद अब फर्जी भुगतान कराने की तैयारी तेज होने की चर्चा है। आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग के लिए पूरी मशीनरी को सक्रिय कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक (टीए) और मनरेगा एपीओ की मिलीभगत से बिना कार्य कराए ही मजदूरों की हाजिरी ऑनलाइन दर्ज कर दी गई। फेस हाजिरी जैसी व्यवस्था लागू होने के बावजूद फर्जी उपस्थिति दर्ज होना व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

सूत्रों की मानें तो फर्जी भुगतान कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को मुंह मांगा कमीशन देने की तैयारी की जा रही है, जिससे सरकारी खजाने को चूना लगाने की आशंका और गहरा गई है। पंचायत चुनाव नजदीक आते ही इस तरह की गतिविधियों ने पूरे मामले को और भी संदिग्ध बना दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि धरातल पर कहीं भी कार्य नहीं हो रहा, जबकि कागजों में मजदूरों द्वारा काम पूरा दिखाया जा रहा है। तालाब खुदाई, सफाई और अन्य कार्यों के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर धन निकालने की कोशिश की जा रही है।

गांव में यह भी चर्चा है कि भ्रष्टाचार की इस 'बहती गंगा' में रोजगार सेवक, ग्राम प्रधान, सचिव, जेई और मनरेगा एपीओ सभी

डुबकी लगा रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब विकास कार्य ही कागजों तक सीमित रह जाएंगे तो ग्राम पंचायत का वास्तविक विकास कैसे संभव होगा। मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और उन्होंने उच्चाधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस घोटाले पर रोक नहीं लगी, तो मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएगी।

जामो पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 100 ग्राम स्मैक बरामद

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम 'नशा मुक्त अमेठी अभियान' के तहत क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना जामो पुलिस द्वारा संदिग्धों की चेकिंग व देखभाल क्षेत्र के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त मुकेश पुत्र शिवशंकर निवासी ग्राम रामपुर चौधरी थाना जामो जनपद अमेठी उम्र करीब 25 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 100 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना जामो पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

कलेक्ट्रेट परिसर में 'शक्ति रसोई कैंटीन' का शुभारंभ, जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में महिला स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डूडा विभाग के अंतर्गत संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएनयूएलएम) के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में उजाला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित 'शक्ति रसोई कैंटीन' का शुभारंभ जिलाधिकारी संजय चौहान ने फीता काटकर किया। उद्घाटन अवसर पर जिलाधिकारी ने कैंटीन का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने का प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे प्रयास महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के साथ-साथ उनकी आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिलाधिकारी ने कैंटीन परिसर में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा कूड़ा निस्तारण के लिए पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखे जाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं

व्यवस्थित वातावरण ग्राहकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ स्वास्थ्य की दृष्टि से भी आवश्यक है। इसके अलावा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, शुद्धता एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। महिला समूहों द्वारा संचालित ऐसे उद्यम न केवल रोजगार के अवसर सृजित करते हैं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी को भी बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमृता सिंह, उपजिलाधिकारी गौरीगंज प्रीति तिवारी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी केलकर सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्थानांतरित अधिकारियों को भावभीनी विदाई, उत्कृष्ट कार्यों की सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद में स्थानांतरण नीति के तहत अन्य जनपदों में स्थानांतरित हुए अधिकारियों के सम्मान में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने स्थानांतरित अधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में जिला समन्वयक एनआरएलएम प्रियंवदा यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ला, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी श्वेता सिंह, खंड विकास अधिकारी उतरौला अविंद्र कुमार पांडे एवं जिला विकास अधिकारी कार्यालय की अकाउंटेंट सारिका सिंह को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने कहा कि सभी अधिकारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान जनपद के विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा में स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन अपने उत्कृष्ट कार्यों, व्यवहार और जनसेवा के प्रति समर्पण से बनाई गई पहचान हमेशा याद रखी जाती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि स्थानांतरित अधिकारी अपने नवीन तैनाती स्थल पर भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्थानांतरित अधिकारियों के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके अनुभव साझा किए और नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह का वातावरण भावुक एवं आत्मीय रहा। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भूमाफियाओं द्वारा जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

पीड़ित महिला ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

ललितपुर। तहसील पाली क्षेत्र के ग्राम नाराहट परगना मड़ावरा निवासी एक महिला ने अपनी कृषि भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की मांग की है। पीड़िता कृष्णा देवी पत्नी हरपाल सिंह ने आरोप लगाया है कि ग्राम नाराहट स्थित उनके आराजी नंबर 577 की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त भूमि की कई बार पैमाइश कराई जा चुकी है तथा राजस्व न्यायालय द्वारा भी आदेश पारित किया गया है, इसके बावजूद उन्हें उनकी भूमि पर कब्जा नहीं मिल सका है। महिला का आरोप है कि हाल ही में पैमाइश के दौरान विरोधी पक्ष के लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में कब्जा दिलाने की कार्रवाई रुकवा दी और उन्हें धमकियां भी दी गईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विरोधी पक्ष के कुछ लोग बिना किसी वैध अभिलेख के भूमि पर दावा कर रहे हैं तथा उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। पीड़िता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि भूमि की निष्पक्ष पैमाइश कराकर अवैध कब्जा हटवाया जाए, उन्हें उनकी जमीन का कब्जा दिलाया जाए तथा संबंधित राजस्व कर्मियों एवं आरोपित पक्ष के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। महिला ने कहा कि वह एक गरीब परिवार से हैं और न्याय की उम्मीद में प्रशासन के दरवाजे पर पहुंची हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती द्वारा "खेतबचाओअभियान-2026" के अंतर्गत किसानों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती द्वारा ''खेत बचाओ अभियान-2026'' के अंतर्गत किसानों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिंचाई बंधु, बस्ती के उपाध्यक्ष गजेन्द्र मणि त्रिपाठी तथा ग्राम माझा के प्रधान साहबदीन निषाद उपस्थित रहे। अतिथियों ने जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों से जल संसाधनों के विवेकपूर्ण एवं वैज्ञानिक उपयोग का आह्वान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस. के. तोमर ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए दलहनी फसलों का फसल चक्र में समावेश अत्यंत आवश्यक है। दलहनी फसलें वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर भूमि की उर्वरता बढ़ाती हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है तथा उत्पादन लागत में भी कमी आती है। उन्होंने किसानों को धान एवं गेहूँ आधारित फसल प्रणालियों में मूंग, उड़द, अरहर, चना एवं मसूर जैसी दलहनी फसलों को शामिल करने की सलाह दी।

डॉ. तोमर ने आगे बताया कि फसल अवशेषों को जलाने के बजाय खेत में मिलाने, हरी खाद के उपयोग, जैव उर्वरकों के प्रयोग तथा मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने से भूमि की उत्पादकता एवं मृदा स्वास्थ्य को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है।

उन्होंने किसानों से जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाने, मृदा अपरदन को रोकने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु टिकाऊ एवं समन्वित कृषि पद्धतियों को अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीकों तथा खरीफ मौसम की उन्नत कृषि तकनीकों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। किसानों को अपनी भूमि की नियमित मृदा जांच कराने तथा वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप उर्वरकों एवं अन्य कृषि आदानों का प्रयोग करने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर NICRA (National Innovations in Climate Resilient Agriculture) परियोजना के अंतर्गत जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने हेतु चयनित परियोजना ग्राम चांदो एवं माझा के किसानों को बाढ़ एवं जलभराव सहनशील धान की उन्नत प्रजाति 'सांभा सब-1 का बीज वितरित किया गया। परियोजना के तहत दोनों गांवों के 35-35 कृषकों (कुल 70 कृषकों) को धान बीज उपलब्ध कराया गया, जिससे प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। वैज्ञानिकों ने किसानों को इस प्रजाति की विशेषताओं, बीज उपचार, पौध प्रबंधन तथा जलवायु जोखिमों से बचाव संबंधी तकनीकी जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल बचत, फसल विविधीकरण एवं दलहनी फसलों के विस्तार के माध्यम से सतत एवं लाभकारी कृषि को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषक, ग्रामीण युवा, महिला कृषक एवं प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं उद्योगपति महेंद्र विजय सिंह द्वारा राजपूत राइस मिल में कराया गया विशाल भंडारा

● राजनैतिक हस्तियों सहित हजारों भक्तगणों ने भंडारे में पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया

● ज्येष्ठ मास के बड़े मंगलवार पर क्षेत्र में जगह-जगह हुए विशाल भंडारे, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। ज्येष्ठ मास के पावन बड़े मंगलवार के अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारों एवं धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया।इसी क्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं उद्योगपति महेंद्र विजय सिंह तथा योगेंद्र विजय सिंह के सौजन्य से आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य दयाशंकर यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला, पंडित राम उंजेरे शुक्ला, भाजपा जिला प्रवक्ता चंद्रमौली सिंह, जिला उपाध्यक्ष हिंदेश सिंह, युवा भाजपा नेता रोहित पासी, जिला उपाध्यक्ष उपमा सरोज, विवेक महेश्वरी, डॉ. जगदीश, प्रशांत शुक्ला, पूर्व प्रधान राम प्रताप तिवारी, गिरीश पांडे, वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा अमेठी मीडिया विभाग के जिला सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा, विनय चौरसिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं रानीगंज रोड पर युवा समाजसेवी अक्षय गुप्ता द्वारा स्थापित लाइब्रेरी का शुभारंभ भी किया गया। क्षेत्रीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध होगी।इसके अलावा प्रधान प्रतिनिधि जगदीश पाल द्वारा आयोजित भंडारे में भी बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मवैया चौराहे पर प्रतिष्ठित व्यापारी दिनेश पाल द्वारा आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पत्रकार बृजेश यादव के विद्यालय परिसर में आयोजित विशाल भंडारे में भी क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इक्का ताजपुर में संतोष पांडे द्वारा आयोजित भंडारे तथा पूरे शुक्लन स्थित प्राचीन काली माता मंदिर पर आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ प्रसाद ग्रहण किया। वहीं ग्राम सभा इन्दरिया के तिवारीपुर निवासी लाल शुक्ल द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में भी बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया।ज्येष्ठ मास के बड़े मंगलवार पर आयोजित इन धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों ने क्षेत्र में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। दिनभर चले भंडारों में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धार्मिक आस्था का परिचय दिया।

भाजपा जिला कार्यालय पर हुई जनसुनवाई, जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले से भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बस्ती पर आज जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र से आए तमाम फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। आज की यह जनसुनवाई मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्र और जिला महामंत्री प्रेम प्रकाश चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुई। जनसुनवाई के साथ ही आज एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक भी आयोजित की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की अध्यक्षता में हुई इस वर्चुअल मीटिंग में जिले के प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया और सरकार की नीतियों व विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां हमेशा से विकास और सुशासन पर केंद्रित

रही हैं, जिसे जनता का लगातार भरपूर समर्थन मिल रहा है , ?बैठक के दौरान सरकार द्वारा पिछले वर्षों में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही, संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी अभियानों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से ले जाने की रणनीति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष में प्रत्युष विक्रम सिंह, वीरेन्द्र गौतम, अखण्ड प्रताप सिंह, दिलीप पाण्डेय, ब्रह्मदेव यादव, शालिनी मिश्रा एवं शिवानी सिंह, जिला महामन्त्रीअमृत कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार गौतम, जिला मंत्री में राकेश शर्मा, सुनील सिंह, राकेश शर्मा, राजेन्द्र राजभर, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, सुधाकर पाण्डेय, विनय सिंह भारद्वाज एवं प्रदीप निषाद, कोषाध्यक्ष राधेश्याम कमलापुरी, मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह, नीरज त्रिपाठी, रवि कुमार तिवारी ,ओमकार सिंह, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ला, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरव मणि तिवारी, गिरिजेश यादव, राम जनक गौतम, जमुना पाण्डेय, सुजीत सोनी, सुधाकर विक्रम सिंह, सुरेश भट्ट, कमेन्द्र चौहान, सर्वजीत भारती, अमित चतुर्वेदी, अमरनाथ शर्मा, विशुद्धानंद त्रिपाठी, शिव प्रसाद चौधरी, अंकित पाण्डेय, संजय कुमार चौरसिया, वेद प्रकाश त्रिपाठी, दुर्गेश अग्रहरि, शिव चरन जयसवाल, तारक जयसवाल, मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ता वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

न्यायालय के आदेश के बावजूद नहीं हटाया गया अवैध कब्जा

● पीड़ित ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम कुआं गांव निवासी जंडेल सिंह पुत्र बुद्धलाल विश्वकर्मा ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि ग्राम सभा की बंजर भूमि पर अवैध कब्जा हटाने संबंधी न्यायालय के आदेश के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़ित के अनुसार ग्राम सभा की आराजी संख्या 1438 रकबा 0.115 हेक्टेयर बंजर भूमि को लेकर तहसीलदार न्यायालय महरौनी में धारा 67 के अंतर्गत मुकदमा चलाया गया था। न्यायालय ने अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध क्षतिपूर्ति, जुर्माना तथा निर्माण ध्वस्तीकरण का आदेश भी पारित किया था। बाद में इस मामले में दायर अपील भी निरस्त हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद भूमि से कब्जा नहीं हटाया गया है और न ही क्षतिपूर्ति एवं जुर्माने की वसूली की गई है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान एवं संबंधित राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से ग्राम सभा की बंजर, चारागाह और पत्थर वाली भूमि पर कई लोगों द्वारा अवैध कब्जे किए गए हैं। इस संबंध में कई बार शिकायतें और प्रार्थना पत्र दिए जाने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

जंडेल सिंह ने बताया कि उन्होंने पूर्व में भी जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की थी तथा आमरण अनशन की चेतावनी दी थी। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर जांच और कब्जा हटाने के निर्देश दिए

गए, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से न्यायालय के आदेश का तत्काल पालन कराते हुए अवैध कब्जा हटाने, क्षतिपूर्ति व जुर्माने की वसूली कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वह पुनः आमरण अनशन करने को बाध्य होंगे।

कोतवाली पुलिस ने दबोचे दो शातिर मोबाइल चोर, सोते समय घर से चुरा ले गए मोबाइल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। कोतवाली पुलिस टीम ने मोबाइल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में सीओ आशीष मिश्रा द्वारा चोरी के मामले को लेकर टीमें गठित की गई थी। जिसमें कोतवाल अशोक वर्मा के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान में मोबाइल चोरी के दर्ज मुकदमे में सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शंकर (24) पुत्र धनीराम निवासी मछली मंडी, कस्बा तालबेहट तथा चंदन रैकवार (23) पुत्र लालजी निवासी रेलवे कॉलोनी लक्ष्मीनगर, थाना प्रेम नगर, जनपद झांसी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के दोनों मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक तरुण भदौरिया, आरक्षी लतीफ तथा आरक्षी शिवेंद्र प्रताप सिंह शामिल रहे।

घर में घुसकर दो मोबाइल फोन चोरी

तालबेहट। कस्बे के चौबयाना मोहल्ले में घर के अंदर रखे दो मोबाइल फोन चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चौबयाना वार्ड नंबर-10 निवासी अजय कुमार गोस्वामी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24-25 मई की रात बिजली न होने के कारण वह घर का दरवाजा खोलकर

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

फर्श पर सो रहे थे। सोने से पहले उन्होंने अपना वीवो मोबाइल तथा पत्नी भावना का रेडमी मोबाइल फोन चार्जिंग पर लगाया था। सुबह करीब चार बजे जागने पर दोनों मोबाइल फोन गायब मिले। पीड़ित ने बताया कि पहले उन्होंने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मोबाइल की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्हें विश्वास हो गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर दोनों मोबाइल फोन चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

बालाजी मंदिर पर भंडारे में सम्मिलित हुए ब्लाक प्रमुख

बरेली/विकासखंड भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार समेत मेथी चौराहा स्थित बालाजी मंदिर पर प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी भव्य भंडारी का आयोजन किया गया। यह मंदिर नवाबगंज पीलीभीत के बरखेड़ा मार्ग पर स्थित पुरैनिया जाने वाले चौराहे पर स्थित है यहां पर प्रत्येक वर्ष भव्य भंडारे का आयोजन किया जाता है इस भंडारे में क्षेत्र के लोगों के साथ इस मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों के लिए भी भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था की गई । जिसके लिए सड़क के किनारे भोजन की व्यवस्था की गई साथ ही मंदिर पर भंडारे में पहुंचने वाले व्यक्तियों के लिए भोजन की व्यवस्था के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी जिसके तहत भंडारे में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए किसी भी तरह की सुविधा न हो सके इस भंडारे में भदपुरा विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार पहुंची यहां पहुंचने पर लोगों ने उनका अब स्वागत किया उनके साथ प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार अन्य लोग उपस्थित थे

मिश्रिख में बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

मिश्रिख (सीतापुर)- बड़े मंगल के पावन अवसर पर मिश्रिख तहसील चौराहे पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया तथा बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। भंडारे का आयोजन ग्राम पंचायत आट के प्रधान प्रत्याशी अनुराग मिश्रा पवन पतौजा एवं प्रधान श्रीमती मुन्नी देवी के नेतृत्व में किया गया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई थी।आयोजक ने बताया कि बड़े मंगल के अवसर पर सेवा एवं भक्ति की भावना से यह भंडारा आयोजित किया गया है, जिसमें सभी क्षेत्रवासियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एवं धार्मिक सौहार्द का संदेश भी दिया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं एवं राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती रही और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

चॉकलेट के पैकेट में छिपाकर लाया गया 13 करोड़ रुपये का गांजा, लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने पकड़ा

लखनऊ। बैंकॉक से बड़े पैमाने पर आ रहे हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) गांजा पकड़े जाने के बाद अब तस्करों ने अपना रूट बदल दिया है। बैंकॉक से तस्करों ने 13 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड की खेप को मस्कट भेजा और वहां से एक करियर के माध्यम से लखनऊ पहुंचाया गया। यहां एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने चॉकलेट के पैकेट में लिपटे करीब 13 करोड़ रुपये की कीमत के हाइड्रोपोनिक वीड को बरामद कर लिया।

साथ ही एक करियर को भी गिरफ्तार किया गया है। वायुसीमा शुल्क के अपर आयुक्त जितेंद्र सिंह की टीम सोमवार देर रात एयरपोर्ट पर सतर्क थी। इस बीच ओमान एयर का विमान डब्ल्यूवाइ-265 मस्कट से लखनऊ पहुंचा था। कस्टम की टीम यात्रियों के सामान की जांच कर रही थी। चेक-इन बैगेज की एक्स-रे इमेजिंग से जांच की तो उसमें कुछ संदिग्ध वस्तु नजर आयी । यह लगेज लखनऊ के लिए बुक था। टीम ने यात्री का पता लगाया और फिर उसके सामने तलाशी ली। यात्री ने बैग खोला तो उसमें चाकलेट के पांच बड़े पैकेट मिले। हर चाकलेट पैकेट के भीतर दो-दो पालिथीन बैग वीड को छिपाकर रखा गया था। मंगलवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

यूपी में श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और होगी मजबूत, जल्द जारी होगा सोशल सिक्योरिटी कोड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का बड़ा लाभ देने की तैयारी है। प्रदेश सरकार सोशल सिक्योरिटी कोड की नियमावली इस माह जारी कर सकती है। नियम लागू होने के बाद प्रवासी श्रमिकों को देश में कहीं भी राशन और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों, गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में लाया जाएगा। श्रम विभाग की नियमावली के प्रारूप पर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों के निस्तारण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके बाद इसे अधिसूचित कर लागू किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत श्रमिकों का पंजीकरण डिजिटल प्लेटफार्म पर किया जाएगा। राशन कार्ड और श्रमिक पहचान से जुड़े डाटा को विभिन्न राज्यों की प्रणालियों से जोड़ा जाएगा। इससे प्रवासी श्रमिक दूसरे राज्य में काम करते हुए भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त कर सकेंगे। इसी तरह आयुष्मान भारत और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़े अस्पतालों में उन्हें इलाज की सुविधा मिलेगी। नियमावली के तहत अनुबंध (फिक्स्ड टर्म) पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी नियमित कर्मचारियों की तरह सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे। उन्हें सेवा अवधि के अनुसार आनुपातिक ग्रेच्युटी का अधिकार होगा। महिला कर्मचारियों को 26 सप्ताह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश और मेडिकल बोनस की सुविधा दी जाएगी। वहीं, किसी श्रमिक की छंटनी होने पर उसके पुनर्वास और नए रोजगार के लिए री-स्किलिंग फंड बनाया जाएगा। इसके लिए नियोक्ता को संबंधित कर्मचारी के 15 दिन के वेतन के बराबर राशि फंड में जमा करनी होगी, जिससे उसे नया कौशल प्रशिक्षण मिल सके। नियमावली में पहली बार आनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी पार्टनर, कैब चालक समेत गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने का प्रविधान किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इससे श्रमिकों को रोजगार संबंधी अनिश्चितताओं से राहत मिलेगी और उनकी सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी।

बिजली और नहरों में पानी की मांग को लेकर किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

लालगंज (रायबरेली)। बिजली आपूर्ति और नहरों में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को जय किसान जन कल्याण सेवा समिति ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में पदाधिकारी ने बिजली व्यवस्था बहाल करने और नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग की। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने एसडीएम राजेश श्रीवास्तव को ज्ञापन देते हुए कहा कि क्षेत्र की नहरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। इससे किसानों को सिंचाई में परेशानी हो रही है। वहीं कई गांवों में नलकूप और हैंडपंप भी पानी नहीं दे रहे हैं। तालाब सूख चुके हैं, जिससे ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट गहराता जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश सरकार की ओर से बिजली आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन स्थानीय स्तर पर उनका प्रभाव नहीं दिख रहा है। इसका खामियाजा किसानों और ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। समिति ने क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने और नहरों में शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग की है।

दो दशक पुराना काल्हीगांव संपर्क मार्ग बदहाल, बारिश में आवागमन होता है दुश्वार सड़क पर निकले बड़े-बड़े बोल्डर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज(रायबरेली)। क्षेत्र का काल्हीगांव संपर्क मार्ग वर्षों से बदहाली का दंश झेल रहा है।करीब दो दशक पूर्व विधायक निधि से निर्मित यह सड़क आज पूरी तरह जर्जर हो चुकी है,लेकिन इसकी मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण की ओर किसी भी जनप्रतिनिधि या जिम्मेदार विभाग का ध्यान नहीं है।सड़क की खराब स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने आगामी चुनाव में मतदान बहिष्कार तक की चेतावनी दे डाली है।ग्रामीणों के अनुसार यह संपर्क मार्ग तत्कालीन विधायक अशोक कुमार सिंह के कार्यकाल में बनाया गया था।निर्माण के बाद से अब तक सड़क की कोई सुध नहीं ली गई।समय के साथ सड़क उखड़ चुकी है और जगह-जगह बड़े-बड़े बोल्डर निकल आए हैं,जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय नेता विकास के बड़े-बड़े वादे करते हैं,लेकिन जीत के बाद क्षेत्र की समस्याओं को भूल जाते हैं।वर्तमान विधायक,सांसद तथा अन्य जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से कई बार सड़क निर्माण की मांग की गई,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है।कीचड़ और गड्ढों से भरे मार्ग पर पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि आए दिन लोग गिरकर चोटिल होते हैं,लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि तमाशबीन बने हुए हैं। ग्रामीणों कृष्ण कुमार अग्निहोत्री, रजोले शुक्ला, गोवर्धन अग्निहोत्री, विजय शंकर शुक्ला, सधन अग्निहोत्री, मोनू,भोलू, पुतानी, अशोक मिश्रा, गौरव शुक्ला, कमल, लल्लू शुक्ला, दुर्गेश शुक्ला, पुतानी आदि ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं कराया गया तो आगामी चुनाव में मतदान बहिष्कार सहित लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग की है।

योगी सरकार में गांवों को मिली नई पहचान, यूपी की 57694 पंचायतों में स्थापित हुए ग्राम सचिवालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में ग्रामीण विकास और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। प्रदेश की 57,694 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों की स्थापना कर ग्रामीणों को सरकारी सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पिछले पांच वर्षों में 24,311 पंचायत भवनों का निर्माण कर पंचायतों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। ग्राम सचिवालयों की स्थापना से ग्रामीणों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाओं की जानकारी, मनरेगा संबंधी सेवाएं, जन्म-मृत्यु पंजीकरण समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब बार-बार तहसील और ब्लॉक मुख्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। पिछले 5 वर्षों में 24,311 पंचायत भवनों का निर्माण किया गया है। ग्राम सचिवालयों में फर्नीचर, कम्प्यूटर, इंटरनेट, पेयजल और स्वच्छता सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सहायक और डाटा एंट्री ऑपरेटर की तैनाती की गई है। कुल 1875 रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट और कन्सल्टिंग इंजीनियर(सिविल) का इम्पैनलमेंट किया गया है। विभाग द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायतों को भेजी जाने वाली समस्त धनराशि का भुगतान ग्राम सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर से किये जाने के लिए जिओ फेन्स्ड एंड क्यू आर कोड तकनीक (Geo fenced and QR Code technique) लागू किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से धनराशि के व्यय में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित किया गया है। एआई मॉडल का प्रयोग कर व्यय का अनुश्रवण किया जा रहा है। समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं संचार हेतु राज्य स्तरीय कॉल सेन्टर एवं आनलाइन अटेण्डेन्स सिस्टम लागू किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित पंचायत भवन ग्रामीण प्रशासन के नए केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। इन भवनों में पंचायत बैठकों, जनसुनवाई, डिजिटल सेवाओं और विकास योजनाओं की निगरानी के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पंचायत भवनों के निर्माण से ग्राम पंचायतों को स्थायी कार्यालय मिले हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। ग्राम सचिवालय और पंचायत भवनों का यह व्यापक नेटवर्क ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन को नई गति देने के साथ-साथ गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इससे ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आम लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई है। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में यह उपलब्धि प्रदेश के गांवों को सशक्त, डिजिटल और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

भारत स्काउट और गाइड, उ. प्र. द्वारा पांचवें बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिनांक 2 जून, 2026 को भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश जनपद लखनऊ द्वारा जिला संस्था के संपर्क कार्यालय उदयाचल (क्वींस कॉलेज कैंपस) बाला कदर रोड लालबाग, लखनऊ पर पांचवें बड़े मंगल के अवसर पर विशाल भंडारे तथा जलप्याऊ शिविर का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश के सहायक प्रादेशिक आयुक्त एवं संयुक्त शिक्षा निदेशक, षष्ठ मंडल लखनऊ डा0 प्रदीप कुमार तथा जिला संस्था के संरक्षक डा0 आर. पी. मिश्र द्वारा बजरंगबली की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन व पूजन कर भोग लगाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 प्रदीप कुमार ने कहा कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ज्येष्ठ मास के प्रत्येक बड़े मंगल के अवसर पर भारत स्काउट और गाइड लखनऊ के तत्वावधान में विभिन्न विद्यालयों द्वारा भंडारे व जलप्याऊ शिविर का आयोजन किया जा रहा है जो कि एक सराहनीय कार्य है। जिला संस्था द्वारा लखनऊ की संस्कृति से जोड़े रखने के इस प्रयास की जितनी प्रशंसा की जाये कम है। जिला सचिव अनिल शर्मा ने बताया कि भंडारे में मुख्य अतिथि डॉ0 प्रदीप कुमार, जिला संरक्षक डॉक्टर आर पी मिश्र, माध्यमिक शिक्षक संघ के महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा प्रदेशीय मंत्री डॉ आर के त्रिवेदी, भारत स्काउट और गाइड संस्था के जिला मुख्यायुक्त डॉ0 जेपी मिश्र, जिला उपाध्यक्ष शर्मिला सिंह, जिला सचिव अनिल शर्मा डीओसी (गाइड) मधु हंसपाल आदि द्वारा जनमानस को कढ़ी, चावल, बूंदी व शरबत वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 प्रदीप कुमार, जिला संरक्षक डॉ0 आरपी मिश्र, जिला मुख्य आयुक्त डॉ0 जेपी मिश्र, जिला उपाध्यक्ष शर्मिला सिंह, उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ के महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, प्रदेशीय मंत्री डॉ0 आरके त्रिवेदी, जिला आयुक्त (गाइड) संगीता अग्रवाल, जिला कमिश्नर (स्काउट) डा0 महेंद्र तिवारी, डीओसी गाइड मधु हंसपाल, जिला कोषाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा, संयुक्त सचिव डॉ0 मीता श्रीवास्तव, एएसओसी लखनऊ मंडल गरिमा पाल, प्रधानाचार्यगण डॉ0 के मिश्र, अजीत कुमार, आर.के. सिंह के अलावा जनपद के स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

विवादित ढांचे पर झूठी खबरें चलाने वालों पर भड़के योगेश पासी,'फर्जी रिपोर्टिंग' का आरोप, कार्रवाई की मांग

● SHO ने कहा- नहीं मिली किसी टीम के आने की जानकारी, फिर कैसे छपी खबर?

विवादित ढांचे पर 'फर्जी रिपोर्टिंग' का आरोप, कार्रवाई की मांग

विवादित स्थल पर पुरातत्व टीम के दावे पर सवाल, योगेश पासी ने मांगी जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के कसमंडी कलां स्थित विवादित ढांचे को लेकर कुछ समाचार माध्यमों में प्रकाशित खबरों पर नया विवाद खड़ा हो गया है। कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा यह खबर प्रकाशित की गई कि विवादित स्थल पर पुरातत्व विभाग की दो सदस्यीय टीम पहुंची थी और उसने वहां कब्र एवं मस्जिद होने के प्रमाण मिलने की बात कही है। इस खबर को लेकर सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी ने कड़ा विरोध जताया है और इसे पूरी तरह भ्रामक एवं तथ्यहीन बताया है। योगेश पासी ने कहा कि कुछ तथाकथित पत्रकार और समाचार पत्र बिना किसी आधिकारिक पुष्टि के खबरें प्रकाशित कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो सकता है। उनका कहना है कि यदि वास्तव में कोई सरकारी अथवा पुरातत्व विभाग की टीम विवादित स्थल पर पहुंची थी, तो इसकी आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? टीम के सदस्यों की पहचान क्या थी? उनका कोई फोटो, वीडियो या आधिकारिक बयान अब तक सामने क्यों नहीं आया? उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि इतने संवेदनशील मामले में यदि किसी जांच टीम ने कोई निष्कर्ष निकाला होता तो प्रशासन या संबंधित विभाग द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित कर जनता को जानकारी दी जाती। लेकिन अब तक ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया है, जिससे इन खबरों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं। वहीं इस संबंध में मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक (SHO) सुरेंद्र सिंह भाटी ने भी बताया कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि किसी पुरातत्व विभाग की टीम ने विवादित ढांचे का निरीक्षण किया हो। साह्व के इस बयान के बाद उक्त खबरों को लेकर और भी सवाल उठने लगे हैं। योगेश पासी ने कहा कि कुछ मीडिया संस्थान स्वयं ही फैसला सुनाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि मामला अभी भी विवादित है और किसी सक्षम प्राधिकरण द्वारा कोई आधिकारिक निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार की खबरें समाज में भ्रम फैलाने और लोगों को गुमराह करने का कार्य कर रही हैं।

सुहेलदेव आर्मी प्रमुख ने कहा कि उनकी टीम पूरे मामले से संबंधित तथ्यों और प्रकाशित खबरों का संकलन कर रही है। जल्द ही संबंधित समाचार पत्रों एवं जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रशासन को लिखित शिकायत दी जाएगी और कानूनी कार्रवाई की मांग की जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा बिना प्रमाण और बिना

आधिकारिक पुष्टि के संवेदनशील खबरें प्रकाशित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या संस्था समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास न कर सके। फिलहाल विवादित ढांचे को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है, लेकिन आधिकारिक रूप से किसी भी विभाग द्वारा कब्र या मस्जिद होने संबंधी कोई सार्वजनिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में लोगों से भी अपील की जा रही है कि वे केवल प्रशासनिक और आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें तथा अफवाहों से दूर रहें।

भंडसर बैगुल नदी में कट्टा मिलने से गोकशी की उड़ी अफवाह, डॉक्टरों की जांच में निकली भैंस की खाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। सोमवार देर शाम कस्बे के पास से बहने वाली बैगुल नदी में एक संदिग्ध कट्टा मिलने से सनसनी फैल गई। कट्टे से उठ रही तेज दुर्गंध के कारण इलाके में प्रतिबंधित पशु की गोकशी किए जाने की अफवाह तेजी से फैल गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही हिंदू जागरण मंच एवं स्वाभिमान सुरक्षा समिति के नगर अध्यक्ष तेजपाल सक्सेना , इंद्रपाल सक्सेना, तरूण गुप्ता, अनिल कनौजिया सुरेंद्र गंगवार कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंच गए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत हाफिजगंज थानाध्यक्ष व रिठौरा चौकी प्रभारी को फोन किया गया। भारी पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू की। मंगलवार सुबह पशु चिकित्साधिकारी की अगुवाई में पहुंची तीन सदस्यीय टीम ने राहत की सांस दिलाई। हिजामं कार्यकर्ताओं का कहना है कि गोवंश पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इसके लिए वे जंगलों में भी लगातार निगरानी रख रहे हैं। नदी में संदिग्ध कट्टा मिलने की जानकारी पर पुलिस बल भेजा गया था। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो चुकी है, वह भैंस की खाल थी। अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है।संतोष कुमार थानाध्यक्ष, हाफिजगंज।

मंगलवार सुबह डॉक्टरों की टीम ने मौके पर जाकर नदी से बरामद खाल का तकनीकी परीक्षण किया। जांच में वह पूरी तरह भैंस की खाल पाई गई है। सैंपल कलेक्ट कर आवश्यक विधिक रिपोर्ट स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

ज्येष्ठ माह के पांचवें बड़े मंगल पर क्षेत्र भर में हुए विशाल भंडारों में भक्तों ने चखा प्रसाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली: ज्येष्ठ माह के पांचवें बड़े मंगल पर मंगलवार को महराजगंज कस्बे सहित संपूर्ण तहसील क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर दिखाई दिया। सुबह से देर शाम तक हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। विधि-विधान से पूजा-अर्चना, सुंदरकांड पाठ, हवन-पूजन और विशाल भंडारों के आयोजन के बीच पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' और 'जय बजरंगबली' के जयघोष से गूंजता रहा। कस्बे से लेकर ग्रामीण अंचलों तक धार्मिक अनुष्ठानों और सेवा कार्यों की ऐसी छटा देखने को मिली जिसने आस्था, सेवा और सामाजिक सौहार्द का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। आपको बता दें कि, महराजगंज कस्बे के रायबरेली रोड स्थित प्राचीन हनुमानगढ़ी मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर दानेश्वर धाम, कोतवाली परिसर स्थित हनुमान मंदिर, पुलिस चौकी तिराहा, बछरावां रोड, हैदरगढ़ रोड, चंदापुर रोड तथा इन्हौना रोड समेत अनेक स्थानों पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने बजरंगबली को भोग अर्पित कर पूड़ी, सब्जी, बूंदी, शरबत और ठंडी छाछ का प्रसाद ग्रहण किया। विभिन्न व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आयोजित भंडारों में सभी वर्गों और समुदायों के लोगों की सहभागिता देखने को मिली, जिसने गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। रायबरेली रोड स्थित प्राचीन हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में समाजसेवी सुमित कुमार गुप्ता 'सोथी वाले' के संयोजकत्व में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रातःकाल विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमान जी का पूजन-अर्चन एवं हवन सम्पन्न कराया गया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचवटी परिवार के मुखिया गणेश प्रताप सिंह ने भगवान हनुमान के चरणों में मत्था टेककर प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की तथा स्वयं प्रसाद वितरण कर सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। गणेश प्रताप सिंह, मुखिया - पंचवटी परिवार ने कहा कि, 'बड़ा मंगल केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है। भगवान हनुमान शक्ति, भक्ति और लोककल्याण के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।' इस अवसर पर नगर पंचायत की अध्यक्ष सरला साहू, प्रथम नागरिक प्रभात साहू, पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता विद्यासागर अवस्थी एडवोकेट, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधा अवस्थी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। महराजगंज कोतवाली परिसर स्थित हनुमान मंदिर में कोतवाल जगदीश यादव के नेतृत्व में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह संगीतबद्ध सुंदरकांड पाठ, हवन-पूजन एवं आरती के बाद विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। नगर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। जगदीश यादव, प्रभारी निरीक्षक (कोतवाल), महराजगंज ने कहा कि, 'बड़े मंगल के अवसर पर धार्मिक आयोजन एवं भंडारे सामाजिक सौहार्द को मजबूत करते हैं। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना है। सभी लोगों के सहयोग से कार्यक्रम

शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।' इस मौके पर एसएसआई देवेंद्र भदोरिया, एसआई रोहित कुमार, एसआई रजत वर्मा, एसआई दिनेश गोस्वामी सहित समस्त पुलिस कर्मी एवं महिला आरक्षियां श्रद्धालुओं की सेवा और व्यवस्था में पूरे समर्पण के साथ जुटी रहीं। पुलिस परिवार द्वारा किए गए इस आयोजन की लोगों ने सराहना की। कस्बे के तिराहे पर स्थित पुलिस चौकी परिसर में साईं सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा पांचवें बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना और आरती के उपरांत प्रारंभ हुए भंडारे में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। समिति के सदस्य पूरे दिन सेवा कार्य में लगे रहे और भक्तों को प्रसाद वितरित करते रहे। प्राचीन शिव मंदिर दानेश्वर धाम में वार्ड संख्या-4 शांतिनगर निवासी विनोद वैश्य के संयोजकत्व में सुंदरकांड पाठ, हवन-पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभात साहू ने भगवान शिव एवं हनुमान जी की आराधना कर नगर की शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। प्रभात साहू, प्रथम नागरिक, महराजगंज ने कहा कि, 'नगरवासियों की आस्था और सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि, हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराएं आज भी समाज को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। भगवान हनुमान एवं भगवान शिव से प्रार्थना है कि नगर में शांति, समृद्धि और विकास का मार्ग सदैव प्रशस्त रहे।

राम जानकी मंदिर के बगल में शराब की दुकान पर उठा विवाद, सनातन धर्म के अपमान का आरोप

● ...अखंड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के अध्यक्ष ने जताई नाराजगी, जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार खाला स्थित भव्य राम जानकी मंदिर के समीप संचालित अंग्रेजी शराब एवं बियर मॉडल शॉप को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में अखंड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गोस्वामी ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे सनातन धर्म की आस्था और धार्मिक भावनाओं का अपमान बताया है। स्वतंत्र प्रभात मीडिया से बातचीत करते हुए गौरव गोस्वामी ने कहा कि एक ओर प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों के संरक्षण, सनातन संस्कृति के उत्थान और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर मंदिर के ठीक बगल में शराब की दुकान का संचालन गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति सनातन धर्म को अपमानित करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है, जिसे जिम्मेदार अधिकारी नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। ऐसे में धार्मिक स्थल के समीप शराब की दुकान होने से न केवल श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं, बल्कि क्षेत्र की धार्मिक और सामाजिक गरिमा भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि उच्च पदों पर बैठे अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। गौरव गोस्वामी ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मंदिर के समीप स्थित शराब की दुकान को हटाने की मांग

की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो अखंड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा इस मुद्दे को व्यापक स्तर पर उठाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि जल्द ही जिलाधिकारी लखनऊ को ज्ञापन सौंपकर धार्मिक भावनाओं से जुड़े इस मामले में कार्रवाई की मांग की जाएगी। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच भी इस विषय को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं कि धार्मिक स्थल के समीप संचालित शराब की दुकान के संबंध में क्या निर्णय लिया जाता है।

योगी सरकार सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर सख्त

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार सड़क पर लोगों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर है। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने और नागरिकों में जिम्मेदार ड्राइविंग की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में परिवहन विभाग ने अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया और महज 7 दिन में बड़े स्तर पर कार्रवाई की। परिवहन विभाग के अनुसार, प्रदेश में विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान नियमों का पालन न करने पर 20 से 26 मई तक 57,186 चालान किए गए। वहीं 2,669 वाहनों को सीज किया। सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट और सीट बेल्ट की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसी कारण इन दोनों बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। अभियान के दौरान 23,758 हेलमेट न लगाने वालों के चालान किए गए। इसी तरह 9,083 लोगों के सीट बेल्ट न लगाने पर चालान काटे गए। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग दुर्घटना की संभावना को कई गुना बढ़ा देता है। इसको देखते हुए जागरूकता और चेतावनी देने के लिए ड्राइविंग के दौरान मोबाइल उपयोग करने वाले 3,676 लोगों पर कार्रवाई की गई।

क्या नए राजनीतिक युग की शुरुआत करेंगे अन्नामलाई?

तमिलनाडु की राजनीतिक भूमि हमेशा से भारतीय राजनीति के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और पृथक पहचान बनाए हुए है। देश के अन्य राज्यों के विपरीत यहाँ राष्ट्रीय विचारधारा वाले दलों की तुलना में क्षेत्रीय अस्मिता और क्षेत्रीय संगठनों का प्रभाव कहीं अधिक गहरा रहा है। बीते अनेक दशकों से द्रविड़ आंदोलन की कोख से निकली राजनीति ने ही इस राज्य की सत्ता की दिशा और दशा को पूरी तरह नियंत्रित और संचालित किया है। ऐसे सुदृढ़ और पारंपरिक राजनीतिक परिवेश में जब कोई नया चेहरा अत्यंत तीव्रता के साथ उभरता है, तो उसकी छोटी से छोटी गतिविधि भी राजनीतिक गलियारों में गहरी हलचल और विमर्श का कारण बन जाती है। इस समय तमिलनाडु के राजनीतिक आकाश में जिस एक नाम को लेकर सबसे अधिक चर्चाएं और कयास लगाए जा रहे हैं, वे हैं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई। पिछले कुछ समय से राज्य के समाचारों और राजनीतिक चर्चाओं में इस बात ने अत्यधिक जोर पकड़ लिया है कि वे अपने वर्तमान दल से नाता तोड़कर एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल का गठन कर सकते हैं। यद्यपि उन्होंने अभी तक इस विषय में कोई आधिकारिक या स्पष्ट घोषणा नहीं की है, परंतु उनके हालिया वक्तव्य, उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए विज्ञापन पत्र, महत्वपूर्ण बैठकों से उनकी दूरी और जमीनी स्तर पर चल रही संगठनात्मक गतिविधियों ने राज्य की राजनीति को एक नए विमर्श की ओर मोड़ दिया है। इस नए राजनीतिक घटनाक्रम की सुगबुगाहट तब और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी जब कोयंबटूर शहर में अचानक कई प्रमुख स्थानों पर उनके समर्थकों द्वारा बड़े-बड़े विज्ञापन पत्र लगाए गए। सामान्य राजनीतिक विज्ञापनों से सर्वथा भिन्न इन पत्रों पर अंकित संदेश ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें लिखा था कि निडर सोच की कोई सीमा नहीं होती। इस वाक्य को राजनीतिक विश्लेषकों और जनता द्वारा एक बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा गया। इसके तुरंत बाद जनसंचार के आधुनिक माध्यमों और मुख्यधारा की राजनीति में यह बात तेजी से फैल गई कि वे किसी नए और स्वतंत्र राजनीतिक मंच की आधारशिला रखने की तैयारी कर रहे हैं। उनके इस संभावित कदम को तब और बल मिला जब उनके प्रशंसकों और समर्थकों के संगठन, जिसका नाम अन्नामलाई अन्बू कूट्टम है, उसने अचानक अपनी गतिविधियों को तेज करते हुए नए सदस्यों और पदाधिकारियों को जोड़ना आरंभ कर दिया। इसके साथ ही भीतरखाने से यह समाचार भी आ रहे हैं कि मक्कल शक्ति इयक्कम नाम से एक विशाल जनआंदोलन या सामाजिक संगठन की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जो आने वाले समय में एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप धारण कर सकता है। के. अन्नामलाई की पूर्व पृष्ठभूमि और उनकी अब तक की राजनीतिक यात्रा भी अत्यंत रोचक और असाधारण रही है। वे भारतीय पुलिस सेवा के एक प्रतिष्ठित अधिकारी रहे हैं और प्रशासनिक सेवा में रहते हुए अपनी कर्तव्यनिष्ठ तथा सख्त छवि के कारण वे आम जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय हुए थे। अपनी सेवा से त्यागपत्र देकर राजनीति के मैदान में उतरने के बाद उन्होंने अपने दल को तमिलनाडु में एक नई ऊर्जा और आक्रामकता प्रदान करने का अथक प्रयास किया। उनकी इसी कार्यशैली को देखते हुए वर्ष 2021 में उन्हें तमिलनाडु में दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बहुत ही अल्प समय में वे राज्य की राजनीति का एक अपरिहार्य और चर्चित चेहरा बनकर उभरे। उनकी संवाद शैली अत्यंत सीधी और सीधे प्रहार करने वाली रही है, जिसके कारण उन्होंने वर्तमान द्रमुक सरकार की नीतियों पर लगातार तीखे हमले किए और अपने दल को राज्य में एक स्वतंत्र राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की पुरजोर कोशिश की। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में यद्यपि उनका दल राज्य में कोई भी निर्वाचन क्षेत्र जीतने में सफल नहीं हो सका, परंतु उनके नेतृत्व में

दल का मत प्रतिशत पहली बार दो अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहा, जिसे राज्य की राजनीति में एक बड़ी घटना माना गया। इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से उनकी जनसभाओं और उनके द्वारा आयोजित की गई एन मन्न, एन मक्कल नामक व्यापक यात्रा को दिया गया, जिसने उन्हें युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया।

परंतु इस तीव्र गति से मिलती सफलता के साथ ही उनके राजनीतिक जीवन में विवाद भी गहरे होते चले गए। उनकी कई आक्रामक टिप्पणियों के कारण उनके दल और उसकी पुरानी सहयोगी संगठन अन्नाद्रमुक के बीच के पारंपरिक संबंध पूरी तरह बिखर गए। उन्होंने द्रविड़ राजनीति के स्तंभ माने जाने वाले पूर्व नेताओं जैसे अन्नादुरई और जयललिता पर कुछ ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने अपने नेताओं का घोर अपमान माना। इसके परिणामस्वरूप दोनों दलों के बीच कटुता इस सीमा तक बढ़ गई कि उनका गठबंधन टूट गया। राजनीतिक क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि केंद्रीय नेतृत्व ने भविष्य के गठबंधनों को बचाने और राजनीतिक संतुलन बहाल करने के लिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में वर्ष 2025 में उनके स्थान पर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु में दल की कमान सौंपी गई। पद से हटाए जाने के बाद भी उनके प्रति निष्ठा रखने वाले समर्थकों और युवाओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई, बल्कि उनके समर्थकों ने इसे उनकी राजनीतिक स्वतंत्रता के एक नए अध्याय के रूप में देखा। यही कारण है कि जब हाल के दिनों में उन्होंने दल की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य केंद्रीय समिति की बैठकों से पूरी तरह दूरी बना ली, तो उनके अलग रास्ते पर जाने की अटकलों को अत्यधिक हवा मिली।

हाल ही में जब वे चेन्नई हवाई अड्डे से देश की राजधानी दिल्ली के लिए प्रस्थान कर रहे थे, तब उपस्थित संवाददाताओं ने उनसे एक नए दल के गठन की संभावनाओं पर सीधा प्रश्न पूछा। इस पर उन्होंने इस संभावना को सिरे से खारिज नहीं किया, बल्कि रहस्यमयी ढंग से यह कहा कि वे आगामी 2 दिनों में इस विषय पर बैठकर विस्तार से बात करेंगे। राजनीति की भाषा में किसी भी संभावना से पूरी तरह इनकार न करना इस बात का प्रमाण माना जाता है कि पृष्ठभूमि में कोई बड़ा वैचारिक मंथन चल रहा है। इस वक्तव्य के अतिरिक्त उनके इस नए रास्ते के चयन के पीछे केंद्र सरकार की नई भाषा नीति का विवाद भी एक बहुत बड़ा और तात्कालिक कारण बनकर उभरा है। पिछले ही सप्ताह उन्होंने केंद्र सरकार की उस अधिसूचना का प्रखर विरोध किया जिसमें कक्षा 9 से तीन भाषाओं के अध्ययन को अनिवार्य बनाने का प्रावधान किया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इतनी अल्प अवधि में विद्यार्थियों पर नई भाषा का बोझ डालना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं है। तमिलनाडु की धरती पर भाषा का प्रश्न हमेशा से ही अत्यंत संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा रहा है, जहाँ वर्ष 1960 के दशक में हुए विशाल हिंदी विरोधी आंदोलनों ने राज्य की पूरी राजनीतिक सत्ता को पलट कर रख दिया था। ऐसे संवेदनशील माहौल में अपने ही दल की केंद्र सरकार के निर्णय के विरुद्ध खड़े होना यह साफ दर्शाता है कि वे अब तमिल पहचान और क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वर्तमान समय में तमिलनाडु की राजनीति एक बड़े संक्रमण काल से गुजर रही है जहाँ द्रमुक सत्तासीन है, परंतु विपक्ष बिखराव की स्थिति में है। अन्नाद्रमुक अपने पुराने वैभव और संगठनात्मक शक्ति को खोती हुई दिखाई दे रही है, जबकि दूसरी ओर प्रसिद्ध अभिनेता विजय का नया दल अपने शानदार चुनावी प्रदर्शन के कारण युवाओं के बीच तेजी से मुख्य विकल्प के रूप में उभर रहा है। ऐसे बहुकोणीय और अस्थिर माहौल में यदि के. अन्नामलाई एक नए राजनीतिक दल के रूप में कदम रखते हैं, तो राज्य के सभी चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे। उनके पास आधुनिक सूचना तंत्रों और धरातल पर शिक्षित मध्यमवर्ग तथा युवाओं का एक बहुत बड़ा और निष्ठावान आधार है, जो पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से इतर एक साफ-सुथरी, प्रशासनिक और भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति का विकल्प चाहते हैं। यद्यपि तमिलनाडु जैसे सुदृढ़ संगठनात्मक ढांचे वाले राज्य में बिना किसी मजबूत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के नया दल बनाना और उसे स्थापित करना कोई सुगम कार्य नहीं होगा क्योंकि यहाँ पहले से ही अनेक छोटे-बड़े क्षेत्रीय दल अपनी जमीन तलाश रहे हैं। ऐसी स्थिति में विश्लेषकों का अनुमान है कि वे सीधे दल बनाने के बजाय पहले एक व्यापक जनआंदोलन की शुरुआत कर सकते हैं जो अंततः एक सच्चे धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रीय दल का स्वरूप ले सके। उनके इस कदम का सबसे बड़ा आघात उनके पुराने दल पर लगेगा जिसने उनके चेहरे के बल पर राज्य में अपना विस्तार किया था। आने वाले कुछ दिन निश्चित रूप से इस बात का निर्धारण करेंगे कि तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य किस करवट बैठने वाला है।

महेन्द्र तिवारी

अब यूपी में पूर्णकालिक डीजीपी

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

लंबे इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश को आखिरकार अपना पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक मिल गया है। योगी सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया है। पूर्णकालिक डीजीपी मिलने में उत्तर प्रदेश को चार वर्ष लग गए। इसी के साथ 4 साल बाद कार्यवाहक दौर खत्म हो गया है। मई 2022 में तत्कालीन डीजीपी मुकुल गोयल को पद से हटाए जाने के बाद से यूपी पुलिस लगातार कार्यवाहक डीजीपी के भरोसे चल रही थी। इस दौरान डॉ. डीएस चौहान, आरके विश्वकर्मा, विजय कुमार, प्रशांत कुमार और राजीव कृष्ण ने कार्यवाहक डीजीपी की जिम्मेदारी संभाली। 31 मई 2025 को प्रशांत कुमार के रिटायर होने के बाद राजीव कृष्ण को कार्यवाहक डीजीपी बनाया गया था। अब सरकार ने उन्हें कार्यवाहक के तमगे से मुक्त कर पूर्णकालिक जिम्मेदारी सौंप दी है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर यूपी सरकार ने डीजीपी नियुक्ति के लिए संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी को 30 साल की सेवा पूरी कर चुके वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजा था। 26 मई 2026 को यूपीएससी की महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सचिव एसपी गोयल और अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद भी शामिल हुए। पैनल में 1990 बैच की रेणुका मिश्रा, 1991 बैच के पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण के नाम थे। अंततः राजीव कृष्ण के नाम पर मुहर लगी। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने रविवार को नियुक्ति का शासनादेश जारी किया। राजीव कृष्ण का कार्यकाल जून 2029 तक रहेगा। यूपीएससी की गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत वे कम से कम 2 साल तक डीजीपी पद पर रहेंगे। नियुक्ति के बाद राजीव कृष्ण ने सीएम योगी आदित्यनाथ से 5 कालिदास मार्ग स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की, जहां सीएम ने उन्हें बधाई दी। यूपी पुलिस देश की सबसे बड़ी फोर्स है, जिसमें ढाई लाख से ज्यादा पुलिसकर्मी हैं। डीजीपी का पद सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, खुफिया समन्वय और बड़े आयोजनों की सुरक्षा से जुड़ा रणनीतिक पद है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका है कि बार-बार कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त करना पुलिस सुधारों की भावना के खिलाफ है। अदालत का मानना है कि पुलिस प्रमुख को निश्चित कार्यकाल और संस्थागत स्थिरता मिलनी चाहिए। राजीव कृष्ण 1991 बैच के आईपीएस हैं और 2029 में सेवानिवृत्त होंगे। उनकी नियुक्ति के साथ 2022 से चला आ रहा पूर्णकालिक डीजीपी का इंतजार खत्म हो गया है।

पूर्णकालिक डीजीपी से प्रदेश को काफी फायदे होते हैं। कार्यवाहक डीजीपी का कार्यकाल तय नहीं होता, वो कभी भी हटाए जा सकते हैं। इससे पुलिस सिस्टम में लंबी अवधि की प्लानिंग नहीं हो पाती। पूर्णकालिक डीजीपी को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत कम से कम 2 साल का निश्चित कार्यकाल मिलता है। इससे वो बिना डर के फैसले ले पाता है और काम का सीधा जिम्मेदार भी होता है। कानून-व्यवस्था, पुलिस ट्रेनिंग, टेक्नोलॉजी अपग्रेड, थानों का आधुनिकीकरण जैसे काम 3-6 महीने में नहीं होते। एक फुलटाइम डीजीपी अपनी विजन के हिसाब से 2-3 साल का रोडमैप बना सकता है और उसे लागू कर सकता है। यूपी में 2022 से 2026 तक लगातार कार्यवाहक डीजीपी बदलने से ऐसे प्रोजेक्ट रुकते रहे। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के प्रकाश सिंह केस में कहा था कि बार-बार कार्यवाहक नियुक्ति से पुलिस की स्वायत्तता खत्म होती है और राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ता है। पूर्णकालिक डीजीपी का चयन यूपीएससी के पैनल से होता है, जिससे चयन प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी और मेरिट बेस्ड होती है। ढाई लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों वाली यूपी पुलिस में सबसे ऊपर अगर स्थायी मुखिया बैठे हों तो नीचे तक मैसेज साफ जाता है। कार्यवाहक डीजीपी के दौर में अफसरों में ये असमंजस रहता है कि उनके आदेश कितने लंबे चलेंगे। इससे फील्ड लेवल पर फैसला लेने में हिचक होती है। कुंभ, चुनाव, कांवड़ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों में पुलिस की भूमिका सबसे अहम होती है। एक फुलटाइम डीजीपी के पास समय होता है कि वो पहले से प्लानिंग करे, इंटर-स्टेट कोऑर्डिनेशन करे और खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय बैठाए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि राज्य सरकारें बार-बार कार्यवाहक डीजीपी न लगाएं। ये पुलिस रिफॉर्म्स के खिलाफ है। यूपी को 4 साल बाद पूर्णकालिक डीजीपी मिलना इसी कानूनी बाध्यता को पूरा करना भी है। हालांकि इस तरह की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी कि राजीव कृष्ण को ही पूर्णकालिक डीजीपी बनाया जा सकता है लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा रविवार को हुई।

धरती को जिंदा रखने के लिए ज़रूरी है - खेत बचाओ अभियान

भारत में सरकारी योजनाओं को जमीनी धरातल पर उतारने के लिए उनकी शुरुआत प्रायः अभियानों के माध्यम से की जाती है। निश्चित रूप से जिन अभियानों का उद्देश्य पवित्र और जनहितकारी होता है, वे सफल भी होते हैं। देश को गंभीर बीमारियों से निजात दिलाने के लिए पल्स पोलियो, चेचक उन्मूलन, क्षय रोग नियंत्रण, स्वच्छ भारत अभियान और एड्स निवारण जैसे अनेक राष्ट्रीय अभियान चलाए गए। इन अभियानों को शासकीय अमले ने ईमानदारी से जमीनी स्तर पर लागू किया और मैदानी कर्मचारियों तथा अधिकारियों की अथक मेहनत से देश कई गंभीर चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सका। यह इन अभियानों की सार्थकता का प्रमाण है। खेती की उन्नति और किसानों के हित में देश में अनेक योजनाएं बनाई गईं, लेकिन खेतों को बचाने के लिए किसी व्यापक जन अभियान की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यदि आज भारत सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 'खेत बचाओ अभियान' चलाया जा रहा है, तो यह इस बात का संकेत है कि बेटियों की तरह खेतों का अस्तित्व भी संकट के दौर से गुजर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में कृषि मंत्री का दायित्व संभालने के बाद से शिवराज सिंह चौहान अपनी सहज, आत्मीय और जनसंपर्क आधारित कार्यशैली के कारण सीधे किसानों से जुड़ गए हैं। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के बाद यदि किसी केंद्रीय मंत्री का नाम आम लोगों की जुबान पर सबसे अधिक सुनाई देता है, तो उसके पीछे किसानों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनकी समस्याओं के समाधान की निरंतर

कोशिशें हैं। वे देशभर में किसानों के बीच जाकर उनकी नब्ज टटोलते हैं और उनके हित में नीतिगत उपाय खोजते हैं। वैश्विक परिदृश्य भी खेती के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय तनाव और ऊर्जा संकट के कारण रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता तथा लागत पर दबाव बढ़ रहा है। इसका सीधा असर किसानों की उत्पादन लागत और उपज दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे समय में किसानों को इन चुनौतियों से बचाने तथा खेती को टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से कृषि मंत्रालय द्वारा खेत बचाओ अभियान की शुरुआत की गई है, जिसकी देशभर में सराहना हो रही है।

अधिक उत्पादन की चाह में पिछले कई दशकों से देश के अधिकांश किसान रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग करते रहे हैं। प्रारंभिक वर्षों में इन उर्वरकों ने उत्पादन बढ़ाने में मदद की, लेकिन धीरे धीरे इनके दुष्परिणाम सामने आने लगे। मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता कम होती गई, जैविक तत्व नष्ट होने लगे और खेती की लागत लगातार बढ़ती चली गई। परिणामस्वरूप आज अनेक किसानों के लिए रासायनिक खेती लाभ के बजाय घाटे का सौदा बनती जा रही है। इसी कारण कई किसान पारंपरिक खेती से दूरी बनाकर अपनी कृषि भूमि को उद्योगों, गोदामों अथवा आवासीय कॉलोनियों के लिए बेचने को मजबूर हो रहे हैं। यह केवल किसान का संकट नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। भारत सरकार का यह अभियान धरती को पुनः जीवंत बनाने और मिट्टी में प्राकृतिक पोषक तत्वों की पुनर्स्थापना का प्रयास है। खेत बचाओ अभियान के माध्यम से किसानों को देसी खाद, जैविक संसाधनों और प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित किया जा रहा है, ताकि खेती को पुनः हरा भरा, लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सके। शिवराज सिंह चौहान देशभर के किसानों से आह्वान कर रहे हैं कि वे मिट्टी की सेहत को नष्ट करने वाले रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करें और जैविक विकल्पों को अपनाएँ। यह अभियान केवल भारत सरकार या कृषि मंत्री का नहीं है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का अभियान है। आखिरकार देश की हर थाली में पहुँचने वाला अन्न किसान के खेतों से ही आता है। हम चाहे कितने भी आधुनिक, तकनीकी और स्मार्ट क्यों न हो जाएँ, पेट की भूख आज भी रोटी से ही शांत होती है। निस्संदेह खेती को उन्नत बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक प्रयोगों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन यदि विकास की दौड़ में खेतों की मिट्टी अपनी उपजाऊ शक्ति खो दे और भूमि बंजर होने लगे, तो यह प्रगति नहीं, विनाश का संकेत होगा। इसलिए देश के किसानों और खेतों को इस संकट से बचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आइए, हम सभी धरती को जीवंत रखने के इस पवित्र महाअभियान का हिस्सा बनें और खेत बचाओ अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी हरा भरा, समृद्ध और खुशहाल भारत विरासत में मिल सके।

अरविंद रावल

कविता

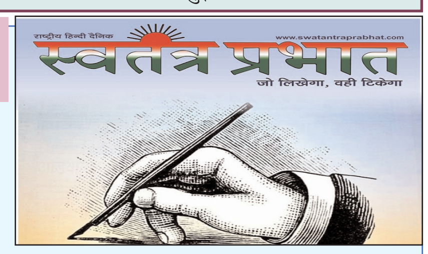

कई चेहरे नक़ाबों में संवरने लगे।

खुले आकाश में परिंदे मंडराने लगे हैं,
दूसरे पंछियों को वो बहकाने लगे हैं।

कल तक नहीं जिन्हें गलियों का ज्ञान
वही अब राह सबको दिखाने लगे हैं।

ज़रा-सी धूप क्या मिली कामयाबी की,
अपनीं परछाइयां से भी कतराने लगे हैं।

जो दर्द में शामिल थे हर इक मोड़ पर,
मस्ती की भीड़ में तेवर दिखाने लगे हैं।

ये बहकी हवाओं का असर आजकल,
फूलों के बीच काँटे भी इतराने लगे हैं।

हुनर कम और शोर का आलम ज्यादा,
ख़ाली बर्तन भी अब टकराने लगे हैं।

फरेबी आँधियों ने सच को ढक दिया,
आईने झूठ की सूरत सँवारने लगे हैं।

मजबूती से पांव रख अपनी ज़मीं पर
जो ऊँचे उड़ उड़े, अब खबराने लगे हैं।

नज़र रखना समय के मिज़ाज संजीव,
कई चेहरे नक़ाबों में संवरने लगे।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। **शुभ रंगः** लाल 7 **शुभ अंकः** 9

वृषभ रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंगः** सफेद 7 **शुभ अंकः** 6

मिथुन आज व्यस्तता अधिक रहेगी। कार्यों में सफलता के लिए धैर्य बनाए रखें। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंगः** हरा 7 **शुभ अंकः** 5

कर्क परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। **शुभ रंगः** चांदी 7 **शुभ अंकः** 2

सिंह नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। नौकरी में पद और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या आज मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। व्यापार में नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। **शुभ रंगः** हरा 7 **शुभ अंकः** 7

तुला भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में संतुलित व्यवहार रखें। निवेश के लिए दिन अच्छा है।
शुभ रंगः गुलाबी 7 **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक कार्यस्थल पर चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सफलतापूर्वक पार कर लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः मैरून 7 **शुभ अंकः** 8

धनु धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं। यात्रा से लाभ मिल सकता है।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

मकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंगः** नीला 7 **शुभ अंकः** 4

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ के नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। **शुभ रंगः** आसमानी 7 **शुभ अंकः** 11

मीन नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 7

पेपर लीक की आड़ में डिजिटल शिक्षा पर अंजना का 'दो कौड़ी' तंज

[दो कौड़ी कहने वाली जुबान और करोड़ों भाग्य बदलने वाले हाथ]

[अंजना की टिप्पणी या शिक्षा पर चोट? यूट्यूब टीचर्स क्यों बने मुद्दा]

भारतीय शिक्षा जगत में यह शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो कि एक टीवी स्टूडियो में कही गई टिप्पणी इतनी तेज़ी से राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाए। लेकिन जब वरिष्ठ एंकर अंजना ओम कश्यप ने नीट पेपर लीक पर चर्चा के दौरान यूट्यूब शिक्षकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'एक्सप्लेनर बनाते हैं, जानते कुछ नहीं' और उन्हें 'दो कौड़ी के यूट्यूब गुरु' तक कह दिया, तो यह सिर्फ एक टीवी बहस नहीं रही। यह बयान देखते ही देखते 'ब्लैकबोर्ड पर ब्रेकिंग न्यूज़' बन गया। वास्तव में, यह डिजिटल शिक्षा की बढ़ती ताकत के सामने मुख्यधारा मीडिया की असहजता को उजागर करता है। अंजना का यह हमला तथ्यों से अधिक पूर्वाग्रह का प्रतीक प्रतीत होता है। जब लाखों छात्रों का भरोसा किसी मंच से जुड़ जाए, तो उस पर उठी उंगली केवल व्यक्तियों पर नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल बन जाती है। अंजना ओम कश्यप की इस टिप्पणी को खान सर, अभिनय शर्मा जैसे लोकप्रिय यूट्यूब शिक्षकों पर भी लागू माना गया। उन्होंने कुछ डिजिटल शिक्षकों को 'बड़ा फ्रॉड' तक कह दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब लाखों छात्र ऑनलाइन शिक्षा के सहारे अपने सपने संवार रहे हैं। इसलिए इसे केवल कुछ शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल शिक्षा जगत की साख पर प्रहार माना गया। सवाल है, क्या यह आलोचना तथ्यों पर आधारित है या महज़ सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश? क्या कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना उचित है? शोर और आरोपों से परे, किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके परिणामों से होता है। पिछले एक दशक में यूट्यूब आधारित शिक्षा ने लाखों छात्रों तक ज्ञान पहुँचाया, जिनकी पहुँच महंगी कोचिंग तक नहीं थी। खान सर और अभिनय शर्मा जैसे शिक्षकों ने दूर-दराज़ क्षेत्रों के युवाओं को अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास दिया। इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्रमाण लाखों सफल छात्र हैं। यदि ये 'कुछ नहीं जानते ', तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालाँकि कुछ अपवाद हो सकते हैं, लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी, यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है।

जब दुनिया थम-सी गई थी और शिक्षा के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए थे, तब डिजिटल मंचों ने सीखने की लौ बुझने नहीं दी। कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक लाखों विद्यार्थियों के लिए सहारा बने। स्कूलों और कक्षाओं के बंद रहने पर मोबाइल और इंटरनेट के जरिए शिक्षा घर-घर पहुँची। जहाँ कई कोचिंग संस्थानों की फीस लाखों रुपये तक है, वहीं अनेक यूट्यूब शिक्षक मुफ्त या कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते रहे। डिजिटल

प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को सीमित दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया है। ऐसे योगदान को अनदेखा कर पूरे समुदाय को फ्रॉड बताना न केवल अनुचित, बल्कि एकतरफा दृष्टिकोण भी है। हालाँकि कुछ चैनलों में क्लिकबेट, भ्रामक थंबनेल और पेड कोर्स की आक्रामक मार्केटिंग जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं।

विवाद के बीच शिक्षकों की प्रतिक्रिया ने अंजना के आरोपों पर नए सवाल खड़े कर दिए। अभिनय सर और खान सर जैसे शिक्षकों ने कहा कि उनका काम छात्रों का भविष्य संवारना है, न कि सनसनी फैलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई उन्हें ज्ञानहीन सिद्ध कर दे, तो वे सीखने को तैयार हैं, लेकिन निराधार आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर छात्रों ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। हजारों प्रतिक्रियाओं में छात्रों ने बताया कि इन शिक्षकों ने शिक्षा को महंगे दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे में 'दो कौड़ी' जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों और परिवारों के विश्वास पर भी चोट करती है, जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं। इस प्रकरण ने मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जब यूट्यूब शिक्षक नीट लीक, सीबीएसई विवादों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फ्रॉड कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या टीवी एंकर हर विषय के अंतिम विशेषज्ञ हैं? यदि डिजिटल मंचों की विश्वसनीयता पर संदेह किया जाता है, तो टीआरपी-केंद्रित बहसों की निष्पक्षता भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। अंजना ओम कश्यप का बयान इसी विरोधाभास को उजागर करता है। एक ओर डिजिटल शिक्षक शिक्षा की पहुंच बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके योगदान पर संदेह जताया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा जगत भी कमियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। कुछ यूट्यूब चैनलों पर क्लिकबेट और भ्रामक जानकारी की समस्या मौजूद है, जिसकी आलोचना और जवाबदेही आवश्यक है। कुछ टीचर्स पर पेपर लीक या गलत मार्गदर्शन के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन कुछ उदाहरणों के आधार पर पूरे समुदाय को 'फ्रॉड' या 'दो कौड़ी का' कहना उचित नहीं। शिक्षा में गुणवत्ता जरूरी है, पर उसके नाम पर पूरे आंदोलन को अपमानित नहीं किया जा सकता। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन तथ्यों और परिणामों से होना चाहिए, न कि अपमानजनक टिप्पणियों से। अंजना का बयान इसी अतिसामान्यीकरण की मिसाल प्रतीत होता है।

वस्तुतः, इस पूरे विवाद का केंद्र कोई एंकर या शिक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा का बदलता परिदृश्य है। आज करोड़ों छात्र सीमित संसाधनों के बीच डिजिटल मंचों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यधारा मीडिया और डिजिटल शिक्षा जगत, दोनों से संतुलन, जवाबदेही और संवाद की अपेक्षा है। किसी शिक्षक का मूल्यांकन आरोपों या उपहास से नहीं, बल्कि उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होना चाहिए। 'दो कौड़ी के गुरु' जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन करोड़ों छात्रों के विश्वास और आकांक्षाओं पर भी आघात है; ऐसे में संबंधित टिप्पणी पर पुनर्विचार और खेद की अपेक्षा स्वाभाविक है। शिक्षा राष्ट्र की नींव है; इसलिए इस पर विमर्श पूर्वाग्रह नहीं, तथ्यों और सम्मान के आधार पर होना चाहिए।

प्रो.आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

गाली-गलौज का विरोध करना बुजुर्ग को पड़ा भारी

तीन भाइयों ने की मारपीट

ललितपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम टौरिया में गाली-गलौज का विरोध करने पर एक 58 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के तीन सगे भाइयों ने एक राय होकर बुजुर्ग को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा और बाद में जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर बार पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम टौरिया निवासी गनेश प्रसाद पुत्र गोपी पुरोहित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 मई 2026 की दोपहर करीब 12 बजे वह अपने घर के पास मौजूद थे। इसी दौरान गांव के ही अरविन्द, नीलेश और रवि पुत्रगण चन्द्रभान पुरोहित वहां पहुंचे और उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगे। जब उन्होंने आरोपियों को ऐसा करने से रोका और विरोध जताया, तो तीनों भाई आक्रोशित हो गए। आरोप है कि उन्होंने बुजुर्ग को पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी और धमकाते हुये भाग गये। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद वह तत्काल शिकायत दर्ज नहीं करा सके, क्योंकि उनकी निकट रिश्तेदारी में एक व्यक्ति का निधन हो गया था और उन्हें शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाहर जाना पड़ा। वापस लौटने के बाद उन्होंने बार थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

खेत की रखवाली को जा रहे वृद्ध किसान पर हमला

पुरानी रंजिश में रास्ते में रोककर लाठी-डंडों से पीटा

जान से मारने की धमकी, बार थाने में मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के ग्राम वस्त्रावन में एक वृद्ध किसान के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही एक व्यक्ति ने खेत की रखवाली करने जा रहे किसान को रास्ते में रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों एवं लात-घूंसों से हमला कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर बार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम वस्त्रावन निवासी 65 वर्षीय हरसिंह पुत्र झग्गे कुशवाहा ने बताया कि 16 मई 2026 की रात करीब 12 बजे वह अपने खेत की रखवाली करने के लिए घर से निकले थे। जब वह गांव के आम रास्ते से होकर खेत की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में गांव का ही मुलू पुत्र काशीराम कुशवाहा मिल गया। आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते उन्हें देखते ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया और गाली देने से मना किया, तो आरोपी आक्रोशित हो गया। आरोप है कि उसने लाठी-डंडों तथा लात-घूंसों से हमला कर वृद्ध किसान की पिटाई कर दी। इस दौरान वृद्ध किसान के शोर मचाने पर आसपास के लोगों के पहुंचने की आशंका देख आरोपी मौके से भाग निकला। जाते समय उसने पीड़ित को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने बार थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

नवागढ़ जी में 48 दिवसीय श्री 1008 अरनाथ महामंडल विधान जारी, भक्ति और साधना में लीन श्रद्धालु

महरौनी। जैन प्रागैतिहासिक अतिशय तीर्थ नवागढ़ जी में 25 मई से 11 जुलाई तक आयोजित 48 दिवसीय श्री 1008 भगवान अरनाथ महामंडल विधान श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ संपन्न हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं विधान एवं धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर भगवान अरनाथ की आराधना कर रहे हैं, जिससे पूरा तीर्थ परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान है। इस भव्य धार्मिक आयोजन के पुण्यार्जक शिखरचंद मैनवार परिवार हैं, जबकि संपूर्ण विधान विधानाचार्य पं. गगनदीप फणीन्द्र (बड़ागांव) के निर्देशन में शास्त्रोक्त विधि से संपन्न कराया जा रहा है। प्रवचन के दौरान बाल ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत ने कहा कि शरीर और वस्त्रों की सफाई तो सरल है, किंतु मन की शुद्धि ज्ञान, संयम और आत्मचिंतन से ही संभव है। उन्होंने श्रद्धालुओं को 'ज्ञानदीप जलाकर आत्मशुद्धि के मार्ग पर चलने' का संदेश दिया। आयोजन को जैन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक साधना पर्व माना जा रहा है, जो श्रद्धा, संयम और आत्मकल्याण की प्रेरणा दे रहा है। कार्यक्रम के अंत में तीर्थ कमेटी अध्यक्ष सनत सिंघई ने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

ख़जनी कटघर तिराहे के समीप दर्दनाक हादसाः अनियंत्रित टाटा मैजिक ने युवक को कुचला, मौके पर मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना में शामिल वाहन को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, खजनी थाना क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी राजन बेलदार उर्फ साधु (पुत्र रामनाथ) सोमवार की देर रात अपनी मिठाई की दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि वह कटघर तिराहे के पास स्थित कल्याणपुरा देशी शराब की दुकान के सामने पहुंचे ही थे कि तभी एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित टाटा मैजिक मिनी लोडर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक वाहन के नीचे आ गया और गंभीर रूप से कुचल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही युवक ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही खजनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल टाटा मैजिक मिनी लोडर को कब्जे में ले लिया है। वहीं मृतक के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा वाहन चालक की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

राजन बेलदार उर्फ साधु की असामयिक मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जाता है कि मृतक मेहनत-मजदूरी और छोटे व्यवसाय के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। स्थानीय लोगों ने कटघर तिराहे और आसपास के मोड़ों पर तेज रफ्तार वाहनों के संचालन पर चिंता जताते हुए प्रशासन से प्रभावी यातायात व्यवस्था और सुरक्षा उपाय लागू करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

घर में अकेला पाकर किशोरी से छेड़छाड़, मामला दर्ज

पाली। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि गांव के ही युवक ने घर में अकेला पाकर किशोरी से अश्लील हरकत की और रिश्ता न बनाने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस जांच में जुट गई है। एक ग्रामीण महिला ने थाने में तहरीर देकर बताया कि गांव का ही एक व्यक्ति पिछले कई दिनों से उसकी किशोरी बेटी का पीछा कर परेशान कर रहा था। मौका पाकर वह छेड़खानी भी करता था। इसकी शिकायत आरोपी के माता-पिता से की, लेकिन उन्होंने युवक को समझाने की जगह अनसुना कर दिया। महिला का आरोप है कि बीते सोमवार की दोपहर करीब दो बजे जब उसकी बेटी घर पर अकेली थी, तभी आरोपी जबरन घर में घुस आया। उसने बेटी से छेड़छाड़ की और धमकाया कि अगर उससे बात नहीं की और रिश्ता नहीं बनाया तो पूरे परिवार को जान से खत्म कर देगा। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए बाहर निकल गया और घर के सामने खड़े होकर धमकाता रहा। घर पहुंचने पर बेटी ने मां को आपबीती सुनाई। पीड़िता की मां ने थाना प्रभारी से आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने मिली तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है ।

महराजगंज पुलिस का 'क्लीन स्वीप' 2 महीने में 49 गुंडा और 11 गैंगस्टर पर एक्शन

● एसपी अवस्थी का सख्त संदेश 'अपराधियों के लिए जिले में जगह नहीं'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज ब्यूरो। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के 'जीरो टॉलरेंस ऑन क्राइम' मिशन के तहत महराजगंज पुलिस ने अप्रैल-मई 2026 में अपराधियों पर बड़ी चोट की है। 2 महीने के विशेष अभियान में जिले की हवा बदल दी।2 महीने का 'एक्शन रिपोर्ट कार्ड जिले के अलग-अलग थानों से 49 शातिर अपराधियों को चिन्हित कर यूपी गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई हुई। ये वो लोग हैं जो इलाके में दहशत, वसूली, मारपीट कर माहौल खराब कर रहे थे। साथ ही गैंगस्टर पर भी हथौड़ा चला है। संगठित अपराध करने वाले 4 गैंग के 11 कुख्यात बदमाशों पर यूपी गैंगस्टर एक्ट लगाया गया। अब इनकी संपत्ति जब्त होगी, जमानत मुश्किल होगी।

गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट में फर्क क्या है

गुंडा एक्ट आदतन अपराधी, मारपीट, धमकी, दहशत फैलाने वाले 6 महीने से 2 साल तक जिला बदर। जिले में घुसा तो जेल और गैंगस्टर एक्ट गैंग बनाकर संगठित अपराध हत्या, लूट, तस्करी, जमीन कब्जा 2 से 10 साल तक जेल और संपत्ति कुर्क होगी। जमानत भी बेहद मुश्किल होगी। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी का अल्टीमेटम 'या सुधर जाओ, या जेल जाओ'

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को दो-टूक निर्देश दिए

है जिसमें हिस्ट्रीशीटर की लिस्ट अपडेट करने और हर हफ्ते चेकिंग होगी। जमानत पर बाहर अपराधियों पर नजर साथ ही दोबारा अपराध किया तो एनएसए के तहत कार्यवाही होगी ।आम आदमी को डराने वाला कोई बचेगा नहीं। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने 'महराजगंज में अपराध करके कोई शान से नहीं घूम सकता। गुंडा एक्ट में जिला बदर होंगे, गैंगस्टर में संपत्ति भी जाएगी। जनता बेफिक्र रहे, पुलिस सड़क पर है।

किन थानों में सबसे ज्यादा एक्शन?

सूत्रों के मुताबिक कोतवाली, नौतनवां, सिसवा, ठूठीबारी, सोनौली बॉर्डर एरिया में सबसे ज्यादा गुंडा एक्ट की कार्रवाई हुई। गैंगस्टर एक्ट मवेशी तस्करी, शराब तस्करी और लूट के गैंग पर लगा है।

आगे क्या? 'ऑपरेशन लंगड़ा' भी तैयार पुलिस सूत्रों की मानें तो मुठभेड़ में इनामी बदमाशों की लिस्ट भी तैयार है। स्क का साफ आदेश है - 'पुलिस पर गोली चलाई तो जवाब भी गोली से मिलेगा।

लेखपालों का थाने का घेराव हुआ था हमला दो आरोपियों पर दर्ज हुआ केस

● थाने पर पहुंचे तहसीलदार पुलिस ने एक आरोपी को लिया हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा थाना क्षेत्र के गोहटा गांव में एक आवेदक का आय प्रमाण जांच करने पहुंचे लेखपाल पर वार्षिक आय कम का रिपोर्ट न लगाने पर मनबढ़ो ने उस पर हमला बोल दिया था। जैसे लेखपालों को हमला होने की जानकारी मिली तो लेखपाल संघ अध्यक्ष रत्नेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में करीब चार दर्जन की संख्या में लेखपाल तहसीलदार राकेश कन्नौजिया के साथ थाने पर पहुंच गए। और आरोपियों पर कारवाई करने की मांग करने लगे। पीड़ित लेखपाल जितेंद्र कुमार ने आरोप लगाया कि गोहटा गांव निवासी नीरज यादव पुत्र हनुमान यादव द्वारा आय प्रमाण के लिए आवेदन किया गया था। मंगलवार को इसकी जांच करने गया तो आरोपी वार्षिक आय कम लगाने का दबाव बनाने लगे। हैसियत देखने के बाद ऐसा रिपोर्ट लगाने से मना कर दिया तो आरोपी गाली गलौज करते हुए मारने पीटने लगा था। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने पंकज यादव,नीरज यादव के खिलाफ गाली गलौज,मारपीट का केस दर्ज कर लिया है। इस संदर्भ में थानेदार संजय कुमार मिश्र ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एक आरोपी को पकड़ कर पाबंद किया जा रहा है।

पिपरी पुलिस द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति के 20,000 रुपये वापस कराए गए

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी पिपरी के कुशल नेतृत्व में थाना पिपरी की साइबर टीम द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति की धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। आवेदक राहुल सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी राधा हिंडाल्को कॉलोनी, रेणुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी कर उनके खाते से धनराशि ट्रांसफर करा ली गई थी। शिकायत प्राप्त होने पर थाना पिपरी की साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से पत्राचार किया गया तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक नोटिस प्रेषित कर फ्रॉड की गई धनराशि को होल्ड कराया गया। पुलिस की प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप कुल 20,000/- रुपये आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराए गए।

ख़जनी के छताई पूल से आमी नदी में कूदने वाली युवती का शव बरामद, 5 घंटे की मशक्कत के बाद SDRF ने निकाला शव

● पिता की फटकार के बाद घर छोड़कर निकली थी युवती, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी- गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के छताई पुल से आमी नदी में छलांग लगाने वाली युवती का शव मंगलवार को करीब पांच घंटे की लंबी खोजबीन के बाद बरामद कर लिया गया। स्थानीय गोताखोरों और पुलिस की अथक कोशिशों के बावजूद सफलता नहीं मिलने पर एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया, जिसने मौके पर पहुंचने के एक घंटे के भीतर शव को नदी से बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान बांसगांव थाना क्षेत्र के ग्राम शैरो बन निवासी नीलू यादव (18 वर्ष) पुत्री राजेश यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि किसी घरेलू बात को लेकर पिता द्वारा डांट-फटकार लगाए जाने के बाद नीलू मंगलवार सुबह घर से निकल गई थी। जब काफी देर तक वह घर नहीं लौटी तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए।

इसी दौरान खजनी क्षेत्र के छताई पुल से एक युवती के आमी नदी में छलांग लगाने की सूचना सामने आई। घटना का एक वीडियो किसी राहगीर द्वारा बना लिया गया था, जिसके आधार पर पुलिस और परिजनों को आशंका हुई कि नदी में कूदने वाली युवती नीलू ही हो सकती है। सूचना मिलते ही खजनी थाना प्रभारी निरीक्षक जयंत सिंह पुलिस बल और स्थानीय गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंच गए और सुबह लगभग 8 बजे से खोज अभियान शुरू कराया गया। हालांकि आमी नदी का दूषित जल, गहराई और दुर्गंध बचाव कार्य में बड़ी बाधा साबित हुई। कई घंटे तक चले अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिलने पर एसडीएम खजनी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से तलाश शुरू की। टीम ने करीब एक घंटे के भीतर युवती का शव नदी से बरामद कर लिया।

शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। एक छोटी सी पारिवारिक नाराजगी ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और देखते ही देखते घर का माहौल मातम में बदल गया।

ख़जनी के छताई पूल से आमी नदी में कूदने वाली युवती का शव बरामद, 5 घंटे की मशक्कत के बाद SDRF ने निकाला शव

● पिता की फटकार के बाद घर छोड़कर निकली थी युवती, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी- गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के छताई पुल से आमी नदी में छलांग लगाने वाली युवती का शव मंगलवार को करीब पांच घंटे की लंबी खोजबीन के बाद बरामद कर लिया गया। स्थानीय गोताखोरों और पुलिस की अथक कोशिशों के बावजूद सफलता नहीं मिलने पर एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया, जिसने मौके पर पहुंचने के एक घंटे के भीतर शव को नदी से बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान बांसगांव थाना क्षेत्र के ग्राम शैरो बन निवासी नीलू यादव (18 वर्ष) पुत्री राजेश यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि किसी घरेलू बात को लेकर पिता द्वारा डांट-फटकार लगाए जाने के बाद नीलू मंगलवार सुबह घर से निकल गई थी। जब काफी देर तक वह घर नहीं लौटी तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए।

इसी दौरान खजनी क्षेत्र के छताई पुल से एक युवती के आमी नदी में छलांग लगाने की सूचना सामने आई। घटना का एक वीडियो किसी राहगीर द्वारा बना लिया गया था, जिसके आधार पर पुलिस और परिजनों को आशंका हुई कि नदी में कूदने वाली युवती नीलू ही हो सकती है। सूचना मिलते ही खजनी थाना प्रभारी निरीक्षक जयंत सिंह पुलिस बल और स्थानीय गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंच गए और सुबह लगभग 8 बजे से खोज अभियान शुरू कराया गया। हालांकि आमी नदी का दूषित जल, गहराई और दुर्गंध बचाव कार्य में बड़ी बाधा साबित हुई। कई घंटे तक चले अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिलने पर एसडीएम खजनी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से तलाश शुरू की। टीम ने करीब एक घंटे के भीतर युवती का शव नदी से बरामद कर लिया। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। एक छोटी सी पारिवारिक नाराजगी ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और देखते ही देखते घर का माहौल मातम में बदल गया।

एसएसपी के सख्त निर्देश पर हरकत में आई गोला पुलिस, 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला -गोरखपुर। गोला कोतवाली क्षेत्र से एक 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी के कथित अपहरण का मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। पीड़िता की मां की शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के हस्तक्षेप के बाद गोला पुलिस ने आखिरकार मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि स्थानीय स्तर पर कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद पीड़ित परिवार को एसएसपी की चौखट तक पहुंचना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, गोला कोतवाली क्षेत्र के ग्राम डांडी निवासी एक महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री 19 मई को अपराह्न लगभग तीन बजे घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां काफी खोजबीन की, लेकिन किशोरी का कोई पता नहीं चल सका।

पीड़िता की मां का आरोप है कि तलाश के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि उनकी पुत्री एक युवक के साथ मुंबई चली गई है। बाद में किशोरी से हुई बातचीत में उसने स्वयं मुंबई के किटवाला थाना क्षेत्र में होने की बात बताई। मां का कहना है कि उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर घर से ले जाया गया है। महिला ने अपने प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया कि वह कई बार गोला थाने पहुंची और मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन तत्कालीन थाना प्रभारी द्वारा उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की महिला ने बताया कि उसके पति मुंबई में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं और न्याय न मिलने से परिवार बेहद परेशान था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई के

निर्देश दिए। एसएसपी के आदेश के बाद गोला पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। कोतवाली प्रभारी चंद्र प्रकाश पांडेय ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की बरामदगी और मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गोरखपुरः सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जे के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा, गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र के ग्राम शाहपुर में सार्वजनिक रास्ते की भूमि पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। सोमवार को करीब दो दर्जन ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचकर तहसीलदार राकेश कन्नौजिया को ज्ञापन सौंपा तथा तत्काल अतिक्रमण हटाने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही रेशमा देवी ने बताया कि गांव में स्थित गाटा संख्या 214 राजस्व अभिलेखों में पोखरी के नाम से दर्ज है। पोखरी के समीप एक सार्वजनिक रास्ता है, जिसका उपयोग वर्षों से ग्रामीण आवागमन के लिए करते आ रहे हैं। आरोप है कि गांव का एक व्यक्ति उक्त रास्ते की भूमि पर पक्का निर्माण करा रहा है, जिससे रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है और ग्रामीणों का आना-जाना प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) से शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर नायब तहसीलदार के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गई थी। ग्रामीणों के अनुसार 31 मई को मौके पर जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति को अवैध कब्जा हटाने का निर्देश भी दिया गया था। इसके बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है और निर्माण कार्य जारी रहने से रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर मामले में ढिलाई बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ग्रामीणों ने तहसीलदार से मांग की कि राजस्व विभाग की

टीम भेजकर मौके की पुनः जांच कराई जाए तथा सार्वजनिक भूमि से अवैध कब्जा हटाकर रास्ते को तत्काल बहाल किया जाए, ताकि गांव के लोगों का आवागमन सुचारु रूप से हो सके। प्रदर्शन में शोभा, विमला, लालती, संगीता, मालती, प्रेमलता, चंद्रावती, सुधा, पुष्पा, शोहरत, तेरस, त्रिभुवन, रामानंद, राजन, राजकुमार, विजय, संदीप, सुनील सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए सार्वजनिक भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जमीन कब्जा, फरार अपराधी और गैस गोदाम को लेकर अमरमणि-नरसिंह आमने-सामने

● 30 अप्रैल के जुलूस के बाद पुलिस का डंडा, दोनों पक्ष पर शांति भंग की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवां, महराजगंज। नौतनवां की सियासत अब सिर्फ जुबानी जंग तक सीमित नहीं रही– जमीन, अपहरण कांड के फरार आरोपी और अवैध गैस गोदाम तक मामला पहुंच गया है। फरार घोषित अपराधी अमरमणि त्रिपाठी और गोरखनाथ मंदिर के करीबी कट्टर हिंदूवादी नेता नरसिंह पाण्डेय के बीच टकराव इतना बढ़ा कि पुलिस को अमरमणि के पुत्र कांग्रेसी नेता व पूर्व विधायक अमन मणि तथा नरसिंह पाण्डेय पर बीएनएसएस की धारा 126/135 में शिकंजा कसना पड़ा।

आरोपों की बौछारः जमीन से लेकर फरार अपराधी तक पिछले कई दिनों से दोनों पक्ष एक-दूसरे पर जमीन कब्जाने का खुला आरोप लगा रहे हैं।

नरसिंह पाण्डेय का हमलाः- हियुवा के पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह पाण्डेय ने मोर्चा खोलते हुए राहुल मद्धेशिया अपहरण कांड में फरार घोषित अपराधी अमरमणि त्रिपाठी का मुद्दा उछाल दिया। उनका आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत से अमरमणि त्रिपाठी खुलेआम क्षेत्र में घूम रहा है। नरसिंह ने अमरमणि की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही उन्होंने मॉडर्न एकेडमी, फार्मेसी कॉलेज, राजीव गांधी डिग्री कॉलेज और नौतनवा इंटर कॉलेज की जमीन पर अवैध रूप से संचालित गैस गोदाम का मामला भी उठाया है।

अमनमणि त्रिपाठी का पलटवार-: सारा सिंह हत्याकांड में आरोपी और जमानत पर चल रहे पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी ने नरसिंह पाण्डेय और उनके परिवार पर अवैध रूप से जमीन कब्जाने के गंभीर आरोप जड़े हैं।

30 अप्रैल को गरमाया था माहौल

टकराव तब चरम पर पहुंचा जब 30 अप्रैल को अमनमणि त्रिपाठी ने नौतनवां में जुलूस निकालकर तहसील के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि दोनों पक्षों के बीच खूनी संघर्ष की आशंका में प्रशासन को भारी पुलिस फोर्स तैनात करनी पड़ी थी।

पुलिस का चाबुकः अब नहीं चलेगी दबंगई

उ0नि0 रामजी गुप्ता की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि दोनों राजनीतिक रसूखदारों की कसीदगी से कभी भी बड़ा बवाल हो सकता है। शांति व्यवस्था को पटरी से उतरने से बचाने के लिए पुलिस ने दोनों का चालान बीएनएसएस की धारा 126/135 में काटकर एसडीएम कोर्ट भेज दिया है। कोर्ट से मांग की गई हैः द्व 'दोनों पक्ष को तुरंत तलब कर भारी से भारी मुचलके पर पाबंद किया जाए, वरना नौतनवां सुलग उठेगा। 'द्व

कौन हैं दोनों चेहरे?

1. अमनमणि त्रिपाठीः सपा-बसपा से विधायक रह चुके, अब कांग्रेस में। सारा सिंह हत्याकांड में कई महीने जेल में रहे। फिलहाल जमानत पर है

2. नरसिंह पाण्डेयः गोरखनाथ मंदिर के करीबी, हियुवा के पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व जिला पंचायत सदस्य। कट्टर हिंदूवादी नेता की छवि।

सबसे बड़ा सवालः जमीन, फरार अपराधी और कॉलेज की जमीन पर गैस गोदाम – जब सियासी रसूखदार खुद ही कानून को ठेंगा दिखाएंगे तो आम जनता का क्या होगा? क्या एसडीएम कोर्ट का मुचलका इनकी दबंगई पर लगाम लगा पाएगा या 30 अप्रैल जैसा बवाल फिर दोहराया जाएगा?

थाने में शिकायत करके लौट रहे दंपत्ति पर हमला

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिवनी खुर्द में थाने से शिकायत कर लौट रहे एक दंपती पर कथित रूप से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने रास्ते में रोककर पति-पत्नी के साथ मारपीट कर धमकाया। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम सिवनी खुर्द निवासी संतोषी पत्नी इन्द्रपाल ने बताया कि 27 मई 2026 को उसके पति इन्द्रपाल अपनी मां ममता के साथ गांव के कुछ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने कोतवाली गए थे। शिकायत दर्ज कराने के बाद शाम करीब सात बजे वे वापस गांव लौट रहे थे। आरोप है कि गांव के पास पहुंचते ही कुछ लोग पहले से रास्ते में मौजूद मिले और उन्होंने इन्द्रपाल को रोक लिया। पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए इन्द्रपाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब संतोषी मौके पर पहुंची और बीच-बचाव का प्रयास किया, तो उसके साथ भी मारपीट की गई। शिकायत में बताया गया है कि हमले में इन्द्रपाल को सिर, आंख और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई। घटना के बाद आरोपी कथित रूप से जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2) एवं 351(3) केतहत मामला दर्ज किया है।

संक्षिप्त खबरें

जनसमस्याओं को लेकर सक्रिय हुए उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा

विकास योजनाओं के लिए उपायुक्त को सौंपा मांग पत्र

लातेहार, झारखंडः- चंदवा प्रखंड की जनसमस्याओं और विकास कार्यों को लेकर चंदवा के उप प्रमुख अश्विनी कुमार मिश्रा ने जिला प्रशासन के समक्ष मजबूत पहल करते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी को मांग पत्र सौंपा। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र में लंबित विकास योजनाओं को शीघ्र पूरा कराने तथा नई योजनाओं को स्वीकृति देने की मांग की। मांग पत्र में उप प्रमुख ने कहा कि चंदवा प्रखंड के कई पंचायतों में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की अपील की। उप प्रमुख अश्विनी कुमार मिश्रा ने चंदवा मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगाने, मुख्य खेल मैदान का सौंदर्यीकरण एवं स्टेडियम निर्माण, देवनद नदी में चेक डैम निर्माण, अलौदिया नाला एवं जगराहा डैम की सफाई और सौंदर्यीकरण की मांग उठाई। इसके अलावा अलौदिया पंचायत से चेटर पंचायत तक लगभग पांच किलोमीटर सड़क निर्माण तथा सेरक पंचायत के तरहसी से ग्राम कीता तक सड़क निर्माण कराने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

यूपी पुलिस की शर्मनाक करतूतः प्रॉपर्टी डीलर को बंधक बनाकर वसूले 50 हजार, SSP ने 4 सिपाहियों को किया सस्पेंड

बरेली। बारादरी थाने के चार सिपाहियों ने एक प्रापर्टी डीलर को अवैध हिरासत में रखकर 50 हजार की वसूली की। मामले में एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत की गई तो उन्होंने जांच कराई। जांच में दोषी पाए जाने पर एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से चारों सिपाहियों को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करा दी है। हाफिजगंज के आसपुर हसन अली गांव निवासी सोमवीर कश्यप ने एसएसपी से शिकायत की थी। आरोप था कि, 12 मई को एक प्रापर्टी डीलर के माध्यम से उन्होंने एक प्लाट देखा जो उन्हें पसंद आ गया। प्रापर्टी डीलर उन्हें प्लाट का एग्रीमेंट कराने के बहाने अपने ढाबा से ले जाने लगा। आरोप है कि डोहरा रोड स्थित एक स्थान पर पहुंचने के बाद आरोपित उनके बैग में रखे 10 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। आरोप है कि जब उन्होंने अपने रुपये वापस मांगे और उसके घर तक गया तो 14 मई को चार पुलिसकर्मी उसे उठाकर ले गए। इसमें दो पुलिसकर्मी वर्दी में थे बाकी दो साधारण कपड़ों में थे। आरोप है कि चारों पुलिसकर्मियों ने उन्हें अपने प्राइवेट क्वार्टर में रखा और डराया धमकाया। आरोप है कि उन्होंने छोड़ने के एवज में 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगी। कहा कि अगर रुपये नहीं दिए तो अभी मुकदमे में फंसाकर जेल भेज देंगे। आरोप है कि प्रापर्टी डीलर ने 50 हजार रुपये घर से मंगाकर दिए तो वह छूटा। इस मामले में पीड़ित ने एससपी से शिकायत की तो उन्होंने प्रारंभिक जांच कराई। जांच में पता चला कि, सिपाही सिद्धांत, आदित्य, राहुल और आशीष ने सोमवीर को अवैध हिरासत में रखकर वसूली की थी। उन्होंने तत्काल प्रभाव से चारों को निलंबित किया और विस्तृत जांच कराई जा रही है। जांच में आरोप सही साबित होने पर और भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने बताया कि एसएसपी ने आश्वासन दिया है कि रुपये लेकर फरार होने वाले पर भी प्राथमिकी लिखी जाएगी।

लखनऊ में महिला को अगवा कर पांच साल तक यौन शोषण, मतांतरण का दबाव

लखनऊ। सैरपुर की एक महिला ने पांच वर्षों तक बंधक बनाकर यौन शोषण किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। साथ ही मतांतरण का दबाव बना रहा था। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपित मंजूर अली को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त(एसीपी) बीकेटी विकास पांडेय ने बताया कि अन्य नामजद आरोपितों की तलाश में जुटी है। पीड़िता दी तहरीर में बताया कि मार्च 2021 में वह अपने मायके सैरपुर आई थी। आरोप है कि उसी दौरान रात में गांव के बाहर से मंजूर अली उसे नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोशी की हालत में अगवा कर ले गया। पीड़िता के अनुसार, इसके बाद उसे विभिन्न स्थानों पर बंधक बनाकर रखा गया और लगातार यौन शोषण किया गया। आरोप है कि इस दौरान उसे किसी से संपर्क नहीं करने दिया गया। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि मंजूर अली उस पर मतांतरण का दबाव बनाता था और उसे मुस्लिम बनाकर अपने साथ रखने की कोशिश कर रहा था। पीड़िता के मुताबिक, जब मंजूर अली ड्यूटी पर जाता था तो उसे अपने रिश्तेदार सलमान के पास छोड़ देता था। महिला ने आरोप लगाया कि मंजूर अली, सलमान और उसके भाई कमाल अली ने करीब पांच वर्षों तक उसे बंधक बनाकर रखा और शारीरिक शोषण किया। कुछ समय पहले पीड़िता को लखीमपुर खीरी में रखा गया था। वहां से उसने किसी तरह पड़ोसी की मदद लेकर अपने पिता को फोन कर अपनी लोकेशन बताई। इसके बाद परिवारजन उसे वापस लखनऊ लेकर आए और पुलिस से शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सैरपुर पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया।घटना के राजफाश के लिए तीन टीम लगाई गई थी। लखीमपुर खीरी की शिव कालोनी रोड से मुख्य आरोपित मंजूर अली को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और चार सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

रामलीला मैदान की मर्यादा पर सवालः 'विकास प्रदर्शनी' के नाम पर अश्लीलता और अव्यवस्थाओं के आरोप

● धार्मिक स्थल की पवित्रता से खिलवाड़ का आरोप, सुरक्षा मानकों और बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी उठे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। नगर के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित विकास प्रदर्शनी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने प्रदर्शनी में अश्लील प्रदर्शन, सुरक्षा मानकों की अनदेखी तथा जनसुविधाओं के अभाव जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। आरोप है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से जुड़े इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिसर में प्रदर्शनी के नाम पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिन्हें स्थानीय लोग सामाजिक और धार्मिक मूल्यों के विपरीत बता रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि परिसर में संचालित तथाकथित 'जलपरी शो' के माध्यम से महिलाओं के अशोभनीय प्रदर्शन कराए जा रहे हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और रामलीला मैदान की गरिमा प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि प्रदर्शनी के संचालन और आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है तथा इसके पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका होने की चर्चा क्षेत्र में है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठे सवाल

प्रदर्शनी परिसर में संचालित झूलों को लेकर भी गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नागरिकों का आरोप है कि झूलों की नियमित तकनीकी जांच और फिटनेस परीक्षण नहीं कराया जा रहा है। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो बड़ी संख्या में आने वाले बच्चों और परिवारों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो सकता है।इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के लिए पर्याप्त शौचालय, स्वच्छ पेयजल तथा अग्निशमन उपकरणों जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव की शिकायतें भी सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम दिखाई नहीं देते।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर भी चिंता

प्रदर्शनी में संचालित खाद्य स्टॉलों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। कुछ नागरिकों ने आरोप लगाया है कि बच्चों को बेचे जा रहे खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध है। लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग से जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

छात्रों से ड्यूटी कराने का आरोप

एक अन्य मामले में कुछ लोगों ने आरोप लगाया है कि एनसीसी से जुड़े छात्रों को सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर देर रात तक ड्यूटी में लगाया जा रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। इस संबंध में भी प्रशासन से जांच की मांग की गई है।

प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, प्रदर्शनी में लागू सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय लोगों की निगाहें अब जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

विकास कार्यों पर फूटा सभासदों का गुस्सा, 22 सदस्यों ने किया बोर्ड बैठक का बहिष्कार

● विरोध के चलते शुरू नहीं हो सकी कार्यवाही, चेयरपर्सन व ईओ हुए बैरंग वापस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर-शाहजहांपुर। नगर पालिका परिषद में विकास कार्यों को लेकर चल रही नाराजगी मंगलवार को खुलकर सामने आ गई। अपने-अपने वार्डों में विकास योजनाओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए 22 सभासदों ने बोर्ड बैठक का सामूहिक बहिष्कार कर दिया। सभासदों के इस कड़े रुख के चलते बोर्ड बैठक शुरू ही नहीं हो सकी और पालिका प्रशासन को बिना किसी कार्यवाही के बैठक स्थगित करनी पड़ी। नगर पालिका सभागार में सुबह निर्धारित समय पर बोर्ड बैठक आयोजित की गई थी। चेयरपर्सन हाजरा बेगम और अधिशासी अधिकारी सत्येंद्र प्रकाश बैठक के लिए पहुंचे, लेकिन अधिकांश सभासदों ने बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। बहिष्कार के कारण आवश्यक संख्या पूरी नहीं हो सकी और एजेंडे में शामिल प्रस्तावों पर चर्चा नहीं हो पाई। विरोध कर रहे सभासदों का कहना है कि नगर के कई वार्डों में सड़क, नाली, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य लंबे समय से लंबित पड़े हैं। कई बार मांग उठाने और प्रस्ताव देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। उनका आरोप है कि विकास कार्यों में भेदभाव किया जा रहा है और कई वार्डों को योजनाओं से वंचित रखा गया है। सभासदों ने चेतावनी दी कि जब तक वार्डों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा और विकास कार्यों को गति नहीं मिलेगी, तब तक वे केवल औपचारिक बैठकों का हिस्सा नहीं बनेंगे। उनका कहना था कि जनता ने उन्हें समस्याओं के समाधान के लिए चुना है, केवल बैठकों में उपस्थिति दर्ज कराने के लिए नहीं। लगातार दूसरी बार बोर्ड बैठक के बहिष्कार ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। नगर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर ऐसी क्या परिस्थितियां हैं, जिनके चलते जनप्रतिनिधियों और पालिका प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। नगरवासियों का कहना है कि विकास कार्यों को लेकर उठी यह नाराजगी नगर की वास्तविक समस्याओं को उजागर करती है। लोगों का मानना है कि यदि जनप्रतिनिधियों को विरोध का रास्ता अपनाना पड़ रहा है तो प्रशासन को भी गंभीरता से स्थिति का संज्ञान लेना चाहिए। सभासदों के बहिष्कार के बाद अब नगर पालिका प्रशासन पर विकास कार्यों को लेकर दबाव बढ़ गया है। राजनीतिक गलियारों में भी इस घटनाक्रम की चर्चा तेज है और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच पैदा हुआ यह गतिरोध कब समाप्त होगा।

बड़े मंगल पर रामनगर में शर्बत व हलुवा भंडारे का आयोजन

नीमगांव, खीरी। ज्येष्ठ माह के पावन बड़े मंगल के अवसर पर कस्बा मितौली के मोहल्ला रामनगर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ शर्बत एवं हलुवा भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे का आयोजन समाजसेवी विवेक कुमार गौतम के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भगवान हनुमान जी का स्मरण करते हुए प्रसाद ग्रहण किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगल के अवसर पर सेवा और परोपकार की भावना से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को शीतल शर्बत एवं हलुवा वितरित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, युवा एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। भंडारे के सफल आयोजन पर लोगों ने आयोजक विवेक कुमार गौतम एवं उनकी टीम की सराहना की।

फरधान में 'सिस्टम' को खुली चुनौती? कथित अवैध अस्पताल और सरकारी जमीन पर निर्माण को लेकर उठे बड़े सवाल

● एक ही व्यक्ति पर दो गंभीर आरोप, प्रशासनिक कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। फरधान कस्बा इन दिनों दो गंभीर मामलों को लेकर चर्चा में है। एक ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के समीप कथित रूप से बिना वैध मानकों के अस्पताल संचालन के आरोप हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी अभिलेखों में दर्ज भूमि पर बहुमंजिला निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दोनों मामलों का संबंध एक ही चिकित्सक से जुड़ा हुआ है, जिसके चलते प्रशासनिक निष्क्रियता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार फरधान कस्बे में त्रिवेदी मेडिकल स्टोर परिसर में कथित रूप से अस्पताल संचालित किया जा रहा है। आरोप है कि यहां बिना आवश्यक पंजीकरण और मानकों के मरीजों का इलाज किया जाता है तथा ऑपरेशन जैसी प्रक्रियाएं भी होने की चर्चाएं क्षेत्र में आम हैं। सबसे हैरानी की बात यह बताई जा रही है कि यह परिसर सीएचसी फरधान से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद यदि आरोप सही हैं तो स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों का कहना है कि यदि नियमों के विपरीत कोई चिकित्सा गतिविधि संचालित हो रही है तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इसी बीच गोला-लखीमपुर मार्ग पर फरधान थाना के सामने स्थित गाटा संख्या 437 की भूमि पर बने तीन मंजिला भवन को लेकर भी विवाद गहरा गया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि उक्त भूमि राजस्व अभिलेखों में 'जंगल-झाड़ी' श्रेणी में दर्ज है। ऐसे में वहां बहुमंजिला निर्माण कैसे हुआ, यह बड़ा सवाल बन गया है। हाईवे किनारे और थाना के ठीक सामने निर्माण होने के बावजूद समय रहते किसी विभाग द्वारा आपत्ति न उठाए जाने से लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि सरकारी भूमि पर कब्जे और निर्माण के आरोप सही हैं तो यह प्रशासनिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। स्थानीय लोगों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि दोनों मामलों में लगाए जा रहे आरोपों में सच्चाई है तो आखिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या जिम्मेदार विभागों को जानकारी नहीं है, या फिर किसी प्रभावशाली संरक्षण के कारण नियम-कानूनों को नजरअंदाज किया जा रहा है? क्षेत्र में चर्चा है कि एक ओर स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर कथित अनियमितताएं और दूसरी ओर सरकारी भूमि पर निर्माण के आरोप, दोनों मामलों ने प्रशासन की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। क्षेत्रीय नागरिकों ने जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और राजस्व विभाग से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

पॉलीथीन मुक्त प्रदेश के लिए फैक्ट्रियों पर कसे शिकंजा, केवल दुकानदारों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं

● – वन्देमातरम फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सिंगल यूज पॉलीथीन के बढ़ते उपयोग और उससे पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर चिंता जताते हुए वन्देमातरम फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। संस्था का कहना है कि केवल बाजारों में छापेमारी और दुकानदारों पर कार्रवाई करने से पॉलीथीन का उपयोग नहीं रुकेगा, बल्कि इसके निर्माण और सप्लाई नेटवर्क पर सख्त प्रहार करना होगा। वन्देमातरम फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश में समय-समय पर पॉलीथीन के खिलाफ अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन इसका स्थायी असर दिखाई नहीं देता। इसका मुख्य कारण यह है कि कार्रवाई का केंद्र केवल खुदरा बाजार तक सीमित रहता है, जबकि पॉलीथीन का उत्पादन करने वाली इकाइयां और बड़े थोक सप्लायर निर्बाध रूप से अपना कारोबार जारी रखते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में पॉलीथीन मुक्त उत्तर प्रदेश का लक्ष्य हासिल करना चाहती है तो निर्माण इकाइयों, गोदामों और थोक विक्रेताओं की पहचान कर उनके खिलाफ व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाए। ऐसे प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण, भारी आर्थिक दंड और आवश्यक होने पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। संस्था ने अपने ज्ञापन में सुझाव दिया है कि आम लोगों और छोटे व्यापारियों को पॉलीथीन के विकल्प आसानी से उपलब्ध कराए जाएं। कपड़े और जूट के थैले, कागज के बैग तथा दोना-पत्तल जैसी पर्यावरण अनुकूल सामग्री को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए विशेष योजना बनाई जाए, ताकि लोग स्वेच्छा से पॉलीथीन का उपयोग छोड़ सकें। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से वन्देमातरम फाउंडेशन द्वारा 'जागे त्यागे पॉलीथीन' जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से लोगों को पॉलीथीन के दुष्प्रभावों और उसके सुरक्षित विकल्पों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार, प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही पॉलीथीन प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। संस्था ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पॉलीथीन के उत्पादन से लेकर वितरण तक की पूरी श्रृंखला पर निगरानी बढ़ाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस परिणाम सामने आ सकें।

चौपला पुल 17 जून से खुलेगा, जिलाधिकारी ने बैठक कर 10 दिन में मरम्मत पूरी करने के निर्देश

बरेली- जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में चौपला पुल के मरम्मत कार्य की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश दिए कि 10 दिन के भीतर सभी ज्वाइंट्स की मरम्मत पूरी कर पुल पर आवागमन बहाल किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि चौपला पुल शहर की लाइफलाइन है। रोज हजारों वाहन और राहगीर यहां से गुजरते हैं। काम में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। तय समय-सीमा में मजबूती के साथ कार्य पूर्ण करें ताकि जनता को असुविधा न हो। बैठक में मौजूद कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने बताया कि पुल के ज्वाइंट्स का मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। अगले 10 दिन में काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद 17 जून 2026 से पुल को आम जनता के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा।

6 माह बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दर्ज की हत्या की रिपोर्ट चार नामजद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्यों लड़ियां थाना क्षेत्र के गांव गुलड़ाई के छत्रपाल की लाश अप्सरा नदी के बांध में पानी में तैरता हुआ मिला था पुलिस ने नदी से लाश को निकलवा कर पोस्टमार्टम कराया गया मृतक छत्रपाल की पत्नी मुन्नी देवी दिल्ली में रह रही थी सूचना पर वह गांव पहुंची। सभी कार्यों से निपटने के बाद उसने क्यों लड़िया पुलिस को अपने पति की हत्या करने के आरोप में नामजद तहरीर दी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो उसने अधिकारियों का दरवाजा खटखटाया सफलता न मिलने पर पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली जिसमें उसने अपने पति छत्रपाल 6 जनवरी 2026 को हत्या के मामले में बड़ा दाखिल किया जिसमें गांव के ही। सत्यवीर पुत्र राम किशन कृष्ण पाल पुत्र राम किशन चरण सिंह पुत्र रामकिशन रामकिशन पुत्र दयाराम को आरोपी बनाते हुए कहा इन लोगों ने मेरे पति से चेक देने का बहाना करके जमीन का बैनामा करवा लिया गया था परंतु चेक नहीं दिया गया इसी के तहत इन्होंने मेरे पति की नदी में डुबोकर हत्या कर दी है जिसके लिए

पीड़िता दर दर भटकती रही है । अंततः पीड़िता की शिकायत पर न्यायालय ने चार लोगों के विरुद्ध धारा 103/ 1.61/ .2.318/ 4.338,336,/ 3340,2. के तहत पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश जारी किया गया जिसके अनुसार क्यों लड़िया पुलिस ने 6 माह बाद चार लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में न्यायालय के आदेश अनुसार छत्रपाल की हत्या का मामला दर्ज किया है इस मामले की विवेचना वरिष्ठ उपनिरीक्षक देशराज सिंह तोमर को सोप गई है। देखना यह है अब 6 माह बाद छत्रपाल की हत्या का मामला क्यों लड़िया पुलिस ने दर्ज किया है अब वह इस मुकदमे में क्या नया गुल खिलाएगी पीड़िता को न्याय मिलेगा या आरोपियों को अभय दान इस को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं प्रारंभ हो गई है।

श्रीराधाकृष्ण की महारास लीला से भक्ति रस में डूबा तिलहर

● वृंदावन के कलाकारों ने जीवंत प्रस्तुतियों से मोहा मन, सात जून तक होगा मंचन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

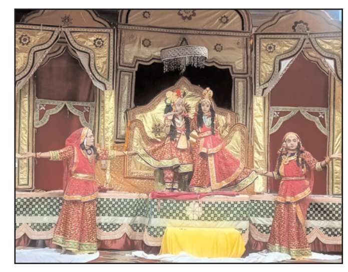

तिलहर, शाहजहांपुर। श्री राधा रानी सेवा समिति के तत्वावधान में नगर पालिका परिसर स्थित गांधी ग्राउंड में सोमवार रात वृंदावन धाम से आए श्री रामश्याम लीला संस्थान द्वारा रासलीला महोत्सव का शुभारंभ किया गया। भगवान श्रीराधाकृष्ण की मनोहारी झांकियों और महारास की अलौकिक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम सात जून तक प्रतिदिन रात्रि आठ से 11 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराधाकृष्ण की भव्य झांकी के दर्शन और पूजन-अर्चन के साथ हुआ। संस्थान के संचालक पंडित ओमप्रकाश शर्मा के सान्निध्य में समिति पदाधिकारियों ने आरती उतारकर आयोजन का विधिवत शुभारंभ कराया। इसके बाद कलाकारों ने महारास लीला का ऐसा जीवंत मंचन किया कि पूरा पंडाल श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंग गया। रासलीला के दौरान भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोपिकाओं के संग प्रस्तुत मनोहारी मयूर नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। 'जय-जय श्रीराधे' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बाल कृष्ण की माखन चोरी लीला और उनकी बाल सुलभ चंचलताओं का मंचन भी श्रद्धालुओं को खूब भाया। लीला के अगले प्रसंग में मथुरा नरेश कंस के अत्याचारों का प्रभावशाली चित्रण किया गया। यज्ञ करने वाले ब्राह्मणों और संतों पर अत्याचार, महाराजा उग्रसेन को कारागार में डालने तथा उनकी पीड़ा को कलाकारों ने भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। कंस की भूमिका में पंडित ओमप्रकाश शर्मा की दमदार अभिनय शैली और अट्टहास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजकों ने अधिकाधिक श्रद्धालुओं से रासलीला में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की। इस अवसर पर हरिमोहन गुप्ता, केशरीनंदन गुप्ता, कमलेश गुप्ता, सतीश गुप्ता, सौरभ गुप्ता, रवि गुप्ता, सुमित गुप्ता, राकेश गुप्ता, मनोज गुप्ता, अविनाश कुमार, गोविंद गुप्ता, रमेश रस्तोगी, कुलदीप गुप्ता, मनोज प्रबल, तुषार रस्तोगी, प्रदीप रस्तोगी, मुकेश गुप्ता, प्रेम कुमार, हरीश गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फिजियोथैरेपी के बहाने बुजुर्ग महिला से ठगी, सोने के कंगन बदलकर ले उड़े आरोपी

● पुलिस की तत्परता से तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी के कंगन बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शहर के मोहल्ला कपूरथला में विश्वास को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। फिजियोथैरेपी के लिए घर पहुंचे युवक और युवती ने उपचार के दौरान एक बुजुर्ग महिला के असली सोने के कंगन उतारकर उनकी जगह नकली कंगन पहना दिए और फरार हो गए। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए सोने के कंगन बरामद कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला कपूरथला निवासी बुजुर्ग महिला के घर फिजियोथैरेपी के लिए अभिषेक और चाहत नामक युवक-युवती पहुंचे थे। आरोप है कि उपचार के दौरान दोनों ने सुनियोजित तरीके से महिला के हाथों से सोने के कंगन उतार लिए और उनकी जगह हूबहू दिखने वाले नकली कंगन पहना दिए। घटना के समय परिजनों को इसकी भनक तक नहीं लगी। अगले दिन जब महिला की बेटी नीता ने कंगनों की जांच कराई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि महिला के हाथों में पहने गए कंगन नकली हैं। इसके बाद उन्होंने तत्काल सदर कोतवाली पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और मुकदमा दर्ज कर दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने सोने के कंगनों को करीब 1.20 लाख रुपये में संकटा देवी रोड स्थित सर्राफा बाजार में बेच दिया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कंगन खरीदने वाले केशव गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने के कंगन बरामद कर लिए। बताया जा रहा है कि केशव गुप्ता एक ज्वेलर्स संचालक का रिश्तेदार है। कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित परिवार को राहत मिली है। इस घटना ने लोगों को सतर्क रहने का संदेश भी दिया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि घरों में आने वाले किसी भी बाहरी व्यक्ति के संबंध में पूरी जानकारी रखें और कीमती आभूषणों व सामान की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतें।

करंट से बालक की मौत के बाद हुआ अंतिम संस्कार, प्रशासन से वार्ता के बाद माने परिजन

सिंगाही खीरी। कस्बे के वार्ड नंबर 13 स्थित जामा मस्जिद के पास लगे सार्वजनिक वाटर कूलर में करंट उतरने से नौ वर्षीय बालक की मौत के मामले में प्रशासन और परिजनों के बीच चली वार्ता के बाद मंगलवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार के लिए राजी हो गए। गौरतलब है कि सोमवार शाम करीब पांच बजे वार्ड नंबर आठ निवासी राजेश के नौ वर्षीय पुत्र ऋतिक की वाटर कूलर में करंट उतरने से मौत हो गई थी। घटना के बाद परिवार और मोहल्ले में मातम पसर गया था। परिजनों ने नगर पंचायत प्रशासन से मुआवजे के रूप में नगद सहायता, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और सरकारी आवास की मांग रखी थी। देर शाम मौके पर पहुंचे नगर पंचायत के प्रभारी ईओ एवं एसडीएम राजीव निगम ने परिजनों से वार्ता की। करीब दो घंटे तक चली बातचीत और आश्वासन के बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार करने पर सहमत हो गए। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे परिजनों ने नम आंखों से बालक का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

ड्यूटी से गायब 7 पुलिसकर्मियों पर एसएसपी का बड़ा एक्शन

● एक माह से अधिक समय से अनुपस्थित चल रहे थे कर्मी, निलंबन के साथ विभागीय जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे सात पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। एसएसपी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार जनपद के विभिन्न थानों एवं शाखाओं में तैनात ये पुलिसकर्मी एक माह अथवा उससे अधिक समय से बिना किसी वैध अनुमति के ड्यूटी से नदारद थे। मामले की समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आने पर एसएसपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई की। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में थाना पसगवां में तैनात उपनिरीक्षक कमला प्रसाद सरोज, थाना ईसानगर के उपनिरीक्षक अनिल वर्मा, थाना मोहम्मदी के मुख्य आरक्षी पुरुषोत्तम सिंह, यातायात शाखा के मुख्य आरक्षी संतोष कुमार, थाना हैदराबाद के आरक्षी शीलेन्द्र, थाना शारदानगर के आरक्षी आशुतोष रावत तथा साइबर थाना खीरी में तैनात महिला आरक्षी चंचल शामिल हैं। एसएसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है और जनता की सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करे। ड्यूटी से गैरहाजिर रहना न केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि

इससे कानून-व्यवस्था व्यवस्था भी प्रभावित होती है। सूत्रों के मुताबिक सभी निलंबित कर्मियों के विरुद्ध विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस विभाग में इसे अनुशासन स्थापित करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एसएसपी की इस सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट संकेत गया है कि जनपद पुलिस में लापरवाही, अनुशासनहीनता और कार्य के प्रति उदासीनता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

1401 लाख रुपये से अधिक की लागत से विकसित होगा आधुनिक प्रशिक्षण परिसर

● शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी परियोजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) भदोही को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किए जाने हेतु प्रस्तावित निर्माण कार्यों का शिलान्यास मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार तथा पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। यह महत्वाकांक्षी परियोजना केंद्र सरकार की समग्र शिक्षा योजना के टीचर एजुकेशन घटक के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत की गई है। लगभग 1401.17 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से युक्त एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक (जी+1), एकेडमिक ब्लॉक (जी+2), 50 सीट क्षमता वाला छात्रावास (जी+1), आवासीय भवन, आरसीसी सड़क, 200 आरएम बाउंड्री वॉल, बैडमिंटन कोर्ट, बोरिंग सहित विभिन्न बाह्य विकास कार्यों का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना पूर्ण होने के बाद डायट परिसर अत्याधुनिक संसाधनों, डिजिटल शिक्षण सुविधाओं एवं उन्नत प्रशिक्षण अवसंरचना से सुसज्जित होगा। इससे शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा तथा प्रशिक्षुओं को आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

अधिकारियों के अनुसार यह संस्थान भविष्य की शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है, जिससे जनपद के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों को भी लाभ प्राप्त होगा। विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे ने कहा कि डायट को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाना जनपद के शैक्षिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल संसाधनों से युक्त यह संस्थान शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और यह परियोजना उसी संकल्प का परिणाम है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्माण कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना के प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि निर्धारित समयावधि में सभी कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकसित होने के बाद यह संस्थान उत्कृष्ट शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

विश्वनाथेश्वर धाम में पुरुषोत्तम माह भर चल रहा अनुष्ठान

भदोही। पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर जनपद के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पूजा-पाठ, कथा एवं प्रवचनों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में भदोही जिले के नगुआ गांव स्थित विश्वनाथेश्वर धाम में पूरे पुरुषोत्तम माह के दौरान विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन हवन-पूजन, रुद्राभिषेक एवं महामृत्युंजय मंत्र का जाप श्रद्धा और भक्ति के साथ अनवरत जारी है। विश्वनाथेश्वर धाम के संस्थापक विश्वनाथ दूबे ने बताया कि इस धाम का विशेष धार्मिक महत्व है। उनका कहना है कि जो भी श्रद्धालु यहां सच्चे मन से भगवान शिव का दर्शन-पूजन करता है, उसकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि धाम में स्थापित शिवलिंग बाणलिंग है, जिसे मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध भेड़ाघाट से लाकर स्थापित किया गया है। संस्थापक विश्वनाथ दूबे के अनुसार, विश्वनाथेश्वर धाम की स्थापना हुए अभी मात्र तीन वर्ष ही हुए हैं, लेकिन इस दौरान कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिन्हें श्रद्धालु चमत्कारिक मानते हैं। इन अनुभवों के चलते क्षेत्रवासियों और भक्तों की आस्था लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार इस धाम के लगभग डेढ़ किलोमीटर के दायरे में जिस व्यक्ति का निधन होता है, उसे भगवान शिव की कृपा से शिवधाम की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के कारण पुरुषोत्तम माह में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

नेशनल ओलम्पियाड में प्रथम स्थान पाने वाले प्रणव मिश्रा को डीएम व एसपी ने किया सम्मानित

भदोही। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। उचित अवसर और मेहनत के बल पर छोटे-छोटे बच्चे भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। इसका उदाहरण मंगलवार को ज्ञानपुर स्थित एक प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मान समारोह में देखने को मिला, जहां नेशनल ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्रूनमैक्स पब्लिक स्कूल में पिछले वर्ष कक्षा चार के छात्र रहे प्रणव मिश्रा को नेशनल ओलम्पियाड में जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शैलेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने प्रणव सहित अन्य प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रणव मिश्रा भदोही जनपद के धनीपुर गांव निवासी अनिल कुमार मिश्रा के पुत्र हैं। उनके पिता सहज सेवा केंद्र का संचालन करते हैं, जबकि माता पूजा मिश्रा गृहिणी हैं। साधारण परिवार से आने वाले प्रणव ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह उपलब्धि हासिल कर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। प्रणव ने बताया कि उन्हें गणित विषय विशेष रूप से पसंद है और वह भविष्य में कुछ बड़ा करने का सपना देखते हैं। उनकी इस सफलता से परिवार के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों में भी खुशी का माहौल ह। प्रणव के पिता अनिल मिश्रा ने इस सम्मान के लिए कार्यक्रम के आयोजकों एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को आगे बढ़ने और नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मान से प्रणव का मनोबल और बढ़ेगा तथा वह भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू होगा पौधरोपण अभियान, 13.88 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

भदोही। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से व्यापक पौधरोपण अभियान शुरू होगा। शासन द्वारा वर्ष 2026 के लिए 13 लाख 88 हजार 300 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश सरकार की 'मिशन छाया' योजना के तहत प्रमुख सड़कों, संपर्क मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर छायादार पौधे लगाए जाएंगे। वन विभाग ने पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। अभियान में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यालयों तथा आम नागरिकों की भी सहभागिता रहेगी।

ग्रीन गुरु जी को मिला विंध्य गौरव सम्मान 2026

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। राजश्री पैलेस, लालडिग्गी मीरज़ापुर में विंध्य इंडियन प्रेस सोशल क्लब मीरजापुर के तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता दिवस एवं विंध्य गौरव सम्मान 2026 के देर रात चले आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय कुमार शुक्ला, मा. प्रधानन्याधीश (परिवार न्यायालय) मीरजापुर व विशिष्ट अतिथि, प्रोफेसर डॉ. संजीव सिंह, मां. विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय,मीरजापुर को ग्रीन गुरु जी ने इंसुलिन का पौध सप्रेम भेंट किया। तथा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने विंध्य इंडियन प्रेस क्लब मीरजापुर द्वारा विंध्य गौरव सम्मान 2026 के तहत ग्रीन गुरु जी को अंगवस्त्रम व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। बताते चले कि अनिल कुमार सिंह,ग्रीन गुरु जी,प्रधानाचार्य,शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज पचोखरा,मीरज़ापुर को यह सम्मान उनके द्वारा 01 जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे,पौध रोपण के उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्रीन गुरु जी ने संस्था के संरक्षक, मा.राम शकल,पूर्व राज्य सभा सांसद व संस्था के अध्यक्ष,राजेश भाई पटेल को फाइकस पांडा का पौध सप्रेम भेंट किया। आज पौध रोपण का 3989 वाँ दिन पूर्ण हुवा,अपने संबोधन में ग्रीन गुरु जी ने पौधों की महत्ता पर प्रकाश डाला। जिसका उद्देश्य पर्यावण संरक्षण व लोगो मे पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत जनपद भदोही पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों, विद्यालयों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर छात्राओं, बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112, महिला हेल्पलाइन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930, एंबुलेंस सेवा-108 एवं स्वास्थ्य सेवा-102 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित कर जागरूक किया। पुलिस ने महिलाओं से किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के नवीनीकरण कार्य का हुआ लोकार्पण

● विधायक विपुल दुबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जनपद भदोही में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के नवीनीकरण (इनोवेशन) कार्य का शुभारंभ आज माननीय विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी द्वारा फीता काटकर किया गया। लगभग ?9.90 लाख की लागत से कराए गए इस नवीनीकरण कार्य के माध्यम से कार्यालय परिसर को अधिक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त बनाया गया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया तथा विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए कार्य की गुणवत्ता की सराहना की। नवीनीकरण के तहत कार्यालय कक्षों के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ परिसर की समुचित व्यवस्था, स्वच्छता एवं कर्मचारियों तथा आगंतुकों की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया गया है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने निर्देशित किया कि कार्यालय परिसर में शेष आवश्यक कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए, ताकि संपूर्ण परिसर और अधिक आकर्षक, सुव्यवस्थित एवं कार्यानुकूल वातावरण प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि एक स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यालय न केवल कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाता है, बल्कि आमजन को भी बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक होता है। माननीय विधायक विपुल दुबे ने कहा कि शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण समय की आवश्यकता है। इस प्रकार के प्रयासों से कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आता है तथा आमजन को बेहतर वातावरण में सेवाएं प्राप्त होती हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने भी नवीनीकरण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित कार्यालय परिसर प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाते हैं। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवमपांडेय जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

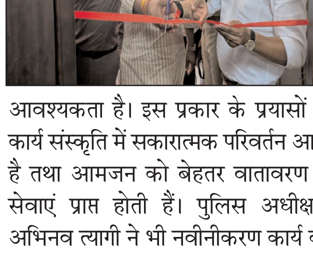

मीरजापुर में जल जीवन मिशन के 16 मजदूरों को बिना नोटिस के निकाला, वेतन वृद्धि की मांग पर सितम

मीरजापुर- जल जीवन मिशन के अंतर्गत गोठैरा-धौहां क्षेत्र में कार्यरत वाल्व आपरेटर, पंप आपरेटर और ऑफिस बॉय मजदूरों को वेतन वृद्धि की मांग करने पर बिना किसी पूर्व नोटिस या लिखित कारण के मौखिक रूप से नौकरी से निकाल दिया गया है। प्रभावित मजदूरों ने इस संबंध में जिलाधिकारी मीरजापुर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।ज्ञापन के अनुसार, एनरजेटिक पिपुल प्रा.लि. कंपनी द्वारा मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के तहत 10 से 20 गांवों में जल सप्लाई, लीकेज मरम्मत और अन्य संबंधित कार्य करने वाले मजदूरों को मात्र 400 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी दी जा रही है। मजदूरों का कहना है कि वे पिछले 3 से 4 वर्षों से लगन से कार्य कर रहे हैं, लेकिन इस दौरान न तो वेतन वृद्धि की गई और न ही कोई अन्य सुविधाएं दी गई।जब मजदूरों ने महंगाई को ध्यान में रखते हुए वेतन वृद्धि की मांग की तो कंपनी प्रबंधन ने 16 कर्मचारियों को चिन्हित कर मौखिक रूप से निष्कासित कर दिया। उनकी उपस्थिति भी दर्ज नहीं की जा रही है। मजदूरों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन ने धमकी दी है कि जितने भी मजदूर कार्य कर रहे हैं, उन्हें बिना वेतन दिए निकाल दिया जाएगा।

विश्व क्लबफुट दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, समय पर उपचार पर दिया गया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर क्लबफुट (जन्मजात टेढ़े पैर) से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिजनों के साथ जिला अस्पताल में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य इस बीमारी की समय पर पहचान एवं शीघ्र उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करना था। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय तिवारी तथा अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. हरिओम वर्मा ने बताया कि क्लबफुट एक जन्मजात बीमारी है, जिसमें बच्चे के पैर जन्म के समय अंदर की ओर मुड़े होते हैं। इसके उपचार में सामान्यतः 6 से 8 प्लास्टर लगाए जाते हैं तथा टेनोटॉमी प्रक्रिया की जाती है। इसके बाद बच्चे को विशेष ब्रेस पहनाया जाता है, जिसे लगभग पांच वर्ष तक नियमित रूप से उपयोग करना होता है। इस दौरान समय-समय पर अनुवर्ती जांच भी की जाती है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से क्लबफुट से प्रभावित बच्चों की पहचान कर उन्हें सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार उपलब्ध कराया जाता है। जनपद में यह सुविधा जिला अस्पताल में उपलब्ध है, जहां नियमित रूप से विशेष उपचार शिविर संचालित किए जाते हैं। जिले में वर्तमान में 85 बच्चे उपचार प्राप्त कर रहे हैं, जबकि अब तक 91 बच्चों का पंजीकरण किया जा चुका है। इनमें से 4 बच्चों ने सफलतापूर्वक उपचार पूरा कर लिया है। आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं को भी बच्चों की पहचान एवं रेफरल के लिए प्रशिक्षित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अनुष्का फाउंडेशन के सहयोग से प्रशिक्षित चिकित्सकों, आवश्यक उपकरणों तथा व्यवस्थित अनुवर्ती व्यवस्था के माध्यम से प्रभावित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे सामान्य बच्चों की तरह चल-फिर सकें और स्वस्थ जीवन जी सकें।

देवरी जंगल में 10 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

मिर्जापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब मिर्जापुर-सोनभद्र मुख्य मार्ग स्थित देवरी कला गांव के कुनबिया मार जंगल में एक 10 वर्षीय किशोरी का शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि शव सड़क से महज 10 फीट की दूरी पर जंगल में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही मड़िहान पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। देवरी जंगल और आसपास का इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

राम कथा जीवन जीने की कला सिखाती है: प्रियंका पाण्डेय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। कोइरौना क्षेत्र के शिव दयाल नगर अगिलहवा में आयोजित नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के अंतर्गत सोमवार को संगीतमय प्रवचन का आयोजन हुआ। वृंदावन से पधारी कथावाचिका सुश्री प्रियंका पाण्डेय ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस का पान कराते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रवचन से पूर्व कथावाचिका का स्वागत किया गया। कथा के दौरान सुश्री प्रियंका पाण्डेय ने कहा कि 'मेरे राम राजा थे, मेरे राम राजा हैं और मेरे राम हमेशा राजा रहेंगे। भगवान राम जैसा इस संसार में कोई नहीं है।' उन्होंने कहा कि राम कथा कल्पवृक्ष के समान है, जो मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाती है तथा प्रेम, सौहार्द और शांति का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा किसी व्यक्ति को हिंदू या मुसलमान नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना सिखाती है। भगवान को जिस भाव से देखा जाता है, वे भक्त को उसी स्वरूप में दर्शन देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व का पहला अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन इंडोनेशिया में आयोजित हुआ था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक विपुल दूबे ने कहा कि श्रीराम कथा आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीराम ने अपने चरित्र के माध्यम से राजधर्म का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए आदर्श हैं। सरकार भी आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य कर रही है। महायज्ञ एवं कथा का आयोजन आचार्य संतोष दास त्यागी जी महाराज के मार्गदर्शन में 26 मई से चल रहा है। इस अवसर पर राहुल दूबे, जग नारायण मिश्रा, विमल मिश्रा, योगेश मिश्रा, संतोष सिंह, ताड़केश्वर नाथ शुक्ला, लाल बिहारी तिवारी, बृजेश तिवारी, राजकुमार सिंह, राजेंद्र सिंह, विनीत सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ट्रेन के आगे कूदकर बुजुर्ग ने की आत्महत्या, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौरी भदोही- आज सुबह क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक 65 वर्षीय बुजुर्ग ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा चकभुएधर के रहने वाले उदय राजभर (उम्र करीब 65 वर्ष) आज सुबह किसी मानसिक तनाव या अज्ञात कारणों के चलते ग्राम सभा बरदहा के पास रेलवे ट्रैक पर पहुंचे। वहां उन्होंने सामने से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही चौरी थाना पुलिसतुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को ट्रैक से हटवाया। पुलिस अधिकारी के मुताबिकः 'शव की शिनाख्त उदय राजभर के रूप में हुई है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत शव का पंचनामा (Inquest) भर लिया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है कि बुजुर्ग ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया।' इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
www.swatantraprabhat.com
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

संदिग्ध हालात में किशोर की मौत, चौरी में चक्का जाम कर ग्रामीणों ने मांगा न्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौरी। थाना क्षेत्र के वेदमनपुर गांव निवासी 14 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मंगलवार को क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। घटना से नाराज सैकड़ों ग्रामीणों ने चौरी बाजार के मलिक मोड़ पर चक्का जाम कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार वेदमनपुर निवासी पिंटू धीवर (14) पुत्र गुलाब धीवर को सोमवार रात कथित रूप से पार्सल देने के बहाने बुलाया गया था। परिजनों का आरोप है कि वहां उसके साथ मारपीट की गई और उसे कोई जहरीला पदार्थ खिला दिया गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और देर रात उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि किशोर के शरीर पर चोट के कई निशान मौजूद थे तथा उसका एक पैर भी क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मलिक मोड़ पर एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगे। करीब डेढ़ घंटे तक चले चक्का जाम के कारण यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को हिरासत में ले लिया। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी औराई राजीव कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों को निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम समाप्त कराया। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक अपनी मां संध्या देवी का इकलौता पुत्र था। परिवार में उसकी एक छोटी बहन भी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ औराई ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आरोग्य मंदिर से गायब मिलीं सीएचओ, सीएमओ ने सात दिन का वेतन रोका

चौरी। चौरी क्षेत्र के भगवानपुर कनेहरी (जोगीपुर) स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर हुई जांच में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) प्रतिभा सिंह केंद्र से अनुपस्थित पाई गईं। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोग्य मंदिर अधिकांश समय बंद रहता है, जिससे मरीजों को प्राथमिक उपचार के लिए भटकना पड़ता है। शिकायत मिलने पर भदोही ब्लॉक के प्रशासनिक अधीक्षक डॉ. राम आशीष सरोज ने जांच की। जांच के दौरान सीएचओ केंद्र पर मौजूद नहीं मिलीं, जिसकी रिपोर्ट मुख्य चिकित्साधिकारी को भेजी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक ने सीएचओ प्रतिभा सिंह का सात दिनों का वेतन रोकने का आदेश दिया। सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवानों ने दिखाया दमखम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

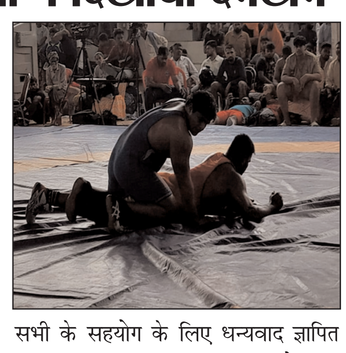

भदोही। ऊंज क्षेत्र के मंगापट्टी स्थित मनवासा विद्या पब्लिक स्कूल में उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न भार वर्गों के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। रोमांचक मुकाबलों के बीच कई पहलवानों ने जीत दर्ज कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। 92 किलोग्राम भार वर्ग में गौतम बुद्ध नगर के आकाश पहलवान ने गाजियाबाद के विकास बैसला को 10-7 अंकों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इसी भार वर्ग में शामली के ऋतिक पवार ने वाराणसी के यशवंत गिरी को 6-3 अंकों से हराकर अगला दौर सुनिश्चित किया। 70 किलोग्राम भार वर्ग में बागपत के मुकुल चौधरी ने वाराणसी के नितेश यादव को 6-3 से हराया। वहीं गोरखपुर के दीपक ने वाराणसी के मनीष यादव को 2-1 अंकों से पराजित किया। एक अन्य मुकाबले में जौनपुर के गौरव ने मुरादाबाद के मोहन यादव को 4-2 अंकों से शिकस्त दी। आजमगढ़ के सूरज यादव ने हापुड़ के वंश को 8-1 अंकों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के दौरान राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ बबलू ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किसी भी प्रतिभावान खिलाड़ी की सफलता में आर्थिक बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कुश्ती संघ ऐसे खिलाड़ियों की तन, मन और धन से सहायता करेगा। साथ ही भदोही कुश्ती संघ को अभ्यास हेतु एक कुश्ती मैट उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने रेफरियों से निष्पक्ष निर्णय देने की अपील करते हुए कहा कि न्याय के क्षेत्र में बैठे लोगों की छोटी सी चूक भी प्रतिभाओं के विकास में बाधक बन सकती है। वहीं प्रशिक्षकों से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें एशियाई खेलों और ओलंपिक स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व विधायक रवींद्र त्रिपाठी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा कहा कि क्षेत्र के पहलवान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन करें। संरक्षक एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिनेश सिंह ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष शिव प्रकाश सिंह 'मुन्ना' ने भी सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर नगर पालिका गोपीगंज के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष पांडेय, ब्लॉक प्रमुख अखिलेश्वर प्रताप सिंह 'बबलू', ब्लॉक प्रमुख मनोज मिश्रा, आदर्श सिंह, महेंद्र सिंह, राजन, मुनेश्वर प्रसाद गुप्ता, राजेश परदेसी, रामप्रकट दुबे, डॉ. जितेंद्र यादव, डॉ. सुभाष बिंद, शेर बहादुर सिंह, मिथिलेश बिंद, माबूद खान, अशोक गुप्ता, सुनील सिंह, उत्कर्ष कौशिक, कृष्ण कुमार मिश्रा, हरि प्रकाश सिंह, ग्राम प्रधान दानपाल सिंह, विनोद मालवीय, धर्मेंद्र मिश्रा, रोहित सिंह, जीतू पासवान, भोला सिंह, विनीत सिंह, अरुण कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

मड़िहान जंगल में महिला पीएसी बटालियन के पास बालिका का मिला शव, दुष्कर्म कर हत्या करने की आशंका

मीरजापुर। मड़िहान के जंगल में मंगलवार की दोपहर 12 बजे उस समय हड़कंप मच गया जब महिला पीएसी बटालियन के पास 9 वर्षीय बालिका का शव मीरजापुर- सोनभद्र मार्ग के किनारे झाड़ियों में फेंका हुआ मिला। राहगीरों की सूचना पर तत्काल 112 पुलिस और इंस्पेक्टर बाल मुकुंद मिश्रा मौके पर पहुंचे। जंगल में बालिका का शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक भी मौके पर पहुंच गई और बालिका की पहचान करने में पुलिस महकमा जुट गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आरोपितों ने बालिका के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना ने क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय निवासियों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि हम जल्द से जल्द आरोपितों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी को इस मामले से संबंधित कोई जानकारी हो तो वह पुलिस को सूचित करें।

संक्षिप्त खबरें

33 केवी लाइन का तार काटकर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 60 किलो विद्युत तार बरामद

प्रयागराज। सोरांव थाना पुलिस ने विद्युत तार चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 60 किलोग्राम चोरी हुआ बिजली का तार बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार थाना सोरांव में पंजीकृत मुकदमा संख्या 185/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (भा.न्या.सं.) के तहत वांछित चल रहे आरोपी सचिन पुत्र राम बहादुर निवासी जदवापुर कटरा गुलाब, थाना जेठवारा, जनपद प्रतापगढ़ को मंगलवार को थाना क्षेत्र के लुसनपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से चोरी किया गया विद्युत तार भी बरामद हुआ। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी ने 30 मई 2026 को थाना सोरांव क्षेत्र के ग्राम बलकरनपुर के पास गुजर रही 33 केवी विद्युत लाइन का तार काटकर चोरी कर लिया था। घटना की जानकारी मिलने पर विद्युत विभाग और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया था। मामले में थाना सोरांव में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम को आरोपी की तलाश में लगाया गया था। लगातार की जा रही छानबीन और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। उसके कब्जे से करीब 60 किलोग्राम वजन का चोरी किया गया विद्युत तार बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) भा.न्या.सं. की बढ़ोत्तरी भी की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विद्युत तार चोरी की घटनाएं न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि इससे बिजली आपूर्ति भी प्रभावित होती है और आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपी सचिन की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस उससे पूछताछ कर यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी की इस घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने वांछित आरोपी को दबोचा, कई मामलों में पहले से दर्ज हैं मुकदमे

प्रयागराज। थाना एयरपोर्ट पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार स्थानीय थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 41/2026 से संबंधित वांछित अभियुक्त आरिफ को मुखबिर की सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आरिफ पुत्र अबुसालिम, निवासी ग्राम भीटी, थाना एयरपोर्ट, जनपद प्रयागराज, को सोमवार को खेलगांव पब्लिक स्कूल के पीछे सिलना रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है। थाना एयरपोर्ट में दर्ज मुकदमा संख्या 41/2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज था, जिसमें बाद में धारा 309(4) और 126(2) भी जोड़ी गई थीं। मामले में आरोपी की तलाश की जा रही थी। मुखबिर से सटीक सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी आरिफ के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2024 में थाना एयरपोर्ट में दर्ज मुकदमा संख्या 179/2024 शामिल है, जिसमें बीएनएस की धारा 131, आयुध अधिनियम की धारा 4/25 तथा गोवध निवारण अधिनियम की धाराओं 3/5/8 के तहत कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा वर्ष 2025 में थाना एयरपोर्ट में मुकदमा संख्या 69/2025 धारा 115(2), 303(2), 351(2) एवं 352 बीएनएस के तहत भी उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। पुलिस अन्य दर्ज मामलों की भी जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में पांच नए जजः सीजेआई सूर्यकांत ने दिलाई शपथ, पहली बार न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने आज पांच नए जजों को शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई। अब कोर्ट में स्वीकृत 38 पदों में से केवल एक पद खाली रह गई है। नए जजों में वरिष्ठ वकील वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव सचदेवा और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरुण पल्ली शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 27 मई को इन नामों की सिफारिश की थी, जिसे सरकार ने महज चार दिनों में हरी झंडी दे दी। पिछले महीने सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी थी। इसमें मुख्य न्यायाधीश का पद भी शामिल है। संख्या बढ़ने और पहले से खाली पदों को मिलाकर कुल छह पद खाली थे। पांच नई नियुक्तियों के बाद अब केवल एक पद रिक्त है।

हालांकि, जून के महीने में दो जज रिटायर होने वाले हैं। जस्टिस पंकज मिथल 16 जून को और जस्टिस जे के माहेश्वरी 28 जून को रिटायर होंगे। वरिष्ठ वकील वेंकिता सुब्रमणि मोहना की नियुक्ति काफी महत्वपूर्ण है। वे जस्टिस इंदु मल्होत्रा (2018) के बाद देश की दूसरी ऐसी महिला वकील हैं, जिन्हें सीधे बार से सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया है। 59 वर्षीय मोहना ने 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से पढ़ाई पूरी की थी। साल 2015 में उन्हें वरिष्ठ वकील का दर्जा मिला था। अब सुप्रीम कोर्ट में दो महिला जज हो गई हैं- जस्टिस मोहना और जस्टिस बी वी नागरत्ना। जस्टिस नागरत्ना साल 2027 में एक महीने से अधिक समय के लिए भारत की मुख्य न्यायाधीश भी बनेंगी।

लखनऊ की तर्ज पर प्रयागराज में होंगे भव्य स्वागत द्वार, पर्यटकों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन करेंगे

प्रयागराज। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की तर्ज पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने शहर के प्रमुख मार्गों और फ्लाईओवर व आरओबी पर स्वागत द्वार लगाने की तैयारी कर ली है। जल्द ही अलोपीबाग फ्लाईओवर पर सबसे पहले आकर्षक स्वागत द्वार लगवाया जाएगा, जो संगम नगरी आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का अभिनंदन करेगा। अलोपीबाग फ्लाईओवर पर एक सप्ताह के भीतर इसे लगा दिया जाएगा। रात में आकर्षक लाइट से यह द्वार प्रकाशवान रहेगा। स्वागत द्वार में अंग्रेजी में वेलकम प्रयागराज और हिंदी में तीर्थराज प्रयाग या फिर संगम नगरी लिखा रहेगा। झूंसी, फाफामऊ, चौफटका और नैनी आदि क्षेत्रों में स्वागत द्वार लगाया जाएगा। शहर के सभी इंट्री प्वाइंट को आकर्षक बनाने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। पीडीए की ओर से इलेक्ट्रिक स्वागत द्वार का मॉडल तैयार कराया जा चुका है। शहर के प्रमुख स्थानों पर इसे लगाने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। दो माह में सभी स्वागत द्वार लग जाएगा। पीडीए उपाध्यक्ष ऋषिराज ने बताया कि अलोपीबाग फ्लाईओवर के दोनों छोर पर दिव्य और भव्य स्वागत द्वार लगेगा। स्वागत द्वार बनाने के लिए 16 लाख रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। बताया कि आने वाले दिनों में सिक्स लेन पुल, फाफामऊ पुल, गंगा और यमुना पुल सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर प्रवेश द्वार लगाया जाएगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति की झूठी शिकायत पर महिला का फ़ोन नंबर ब्लॉक करने के लिए यूपी पुलिस को फटकारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लखनऊ पुलिस की साइबर सेल को निर्देश दिया है कि वह एक महिला के मोबाइल नंबर को बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाए, जिसे उसके पति की शिकायत के बाद ब्लॉक कर दिया गया था। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिवीज़न बेंच ने कहा कि पुलिस ने पति-पत्नी के बीच वैवाहिक कलह के चलते पति द्वारा की गई एक झूठी शिकायत के आधार पर नंबर ब्लॉक कर दिया था। अदालत ने कहा, 'राज्य की एजेंसियों द्वारा लापरवाही से की गई कार्रवाई के कारण किसी भी नागरिक के साथ इस तरह का अन्याय नहीं किया जा सकता।' पत्नी ने अपना मोबाइल नंबर वापस चालू करवाने के लिए एक रिट याचिका दायर की थी। मार्च में कोर्ट ने लखनऊ के पुलिस कमिश्नर के ऑफिस में साइबर सेल के इंचार्ज से पूछा था कि उनका नंबर क्यों ब्लॉक किया गया था। 15 मई को कोर्ट ने कहा कि वह पुलिस द्वारा दिए गए जवाब से संतुष्ट नहीं है। कोर्ट ने कहा, 'याचिकाकर्ता और प्रतिवादी नंबर 5 के बीच ज़ाहिर तौर पर पति-पत्नी का कोई विवाद है, और जो भी शिकायत थी, वह उसके पति से जुड़ी है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के साइबर सेल के इंचार्ज के निजी हलफनामे में जो बात कही गई है, वह बहुत ही गैर-ज़िम्मेदाराना है। उन्होंने साइबर पोर्टल के ज़रिए मिले डेटा को ब्लॉक करने, डेबिट करने या फ्रीज़ करने के संबंध में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के किसी आदेश का हवाला दिया है। ये ऐसे आदेश हैं, जिनका गलत इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।' इसलिए, कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और पुलिस को आदेश दिया कि वह उस महिला के पुराने मोबाइल नंबर को वापस चालू करवाना सुनिश्चित करे। कोर्ट ने आदेश दिया, 'लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के साइबर सेल के इंचार्ज संबंधित टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर/ मोबाइल सर्विस कंपनी (जो JIO टेलीकॉम सर्विस लिमिटेड लगती है) से संपर्क करके याचिकाकर्ता का मोबाइल नंबर वापस चालू करवाने के लिए तुरंत कदम उठाएंगे, और ज़रूरी कदम उठाने के बाद एक हफ़्ते के अंदर अपना हलफनामा दायर करेंगे। 'कोर्ट ने पति को भी यह बताने का निर्देश दिया कि उसने एक बेबुनियाद शिकायत दर्ज कराई थी, इसलिए उससे अपनी पत्नी को हर्जाना देने के लिए क्यों न कहा जाए।

रिशु श्री टेंडर घोटाला : कमीशन और लड़कियों के नेटवर्क का खुलासा

● 15 IAS अधिकारी रडार पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। टेंडर घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ED-SVU की जांच में खुलासा हुआ है कि रिशु श्री कथित तौर पर बढ़े हुए बिलों के बदले कमीशन लेता था और अधिकारियों से करीबी संबंध बनाकर फर्जी बिल पास करवाता था। मामले में दो IAS अधिकारी निलंबित हो चुके हैं, जबकि 15 अधिकारी जांच के दायरे में हैं। बिहार के चर्चित टेंडर घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ED) और विशेष निगरानी इकाई (SV) को बड़ा सुराग मिला है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार हाई-प्रोफाइल ठेकेदार रिशु रंजन सिन्हा उर्फ रिशु श्री ने पूछताछ के दौरान श्नष्ठ और SVU के सामने कई अहम खुलासे किए हैं। सूत्रों का दावा है कि रिशु श्री बढ़े हुए बिलों के एवज में 10 प्रतिशत कमीशन के साथ-साथ कुछ अधिकारियों और नेताओं के लिए महिलाओं की व्यवस्था भी करता था। जांच एजेंसियों का कहना है कि सरकारी टेंडरों के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई के लिए उसने एक संगठित सिंडिकेट खड़ा कर रखा था, जिसकी पहुंच कई विभागों और अधिकारियों तक थी। इस मामले में राज्य सरकार अब तक दो आईएएस अधिकारियों को निलंबित कर चुकी है। वहीं, विशेष निगरानी इकाई (SV) की जांच में 15 आईएएस अधिकारी जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। हालांकि, जांच अभी जारी है और एजेंसियां मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं। रिशु श्री सिर्फ सरकारी कामकाज तक ही सीमित नहीं था, बल्कि कई वरिष्ठ अधिकारियों, उनकी पत्नियों की शादी की सालगिरह और बच्चों के जन्मदिन जैसी निजी जानकारियां भी अपने पास रखता था। ED की जांच में सामने आया है कि वह ऐसा अधिकारियों के साथ अपने संबंध मजबूत करने और प्रभाव बढ़ाने की रणनीति के तहत करता था। रिशु श्री के ठिकानों पर की गई छापेमारी के दौरान एक डायरी भी बरामद हुई। इस डायरी में IAS अधिकारियों के नाम साफ-साफ नहीं लिखे हैं। इसके बजाय इसमें उनके संबंधित विभागों के नाम के साथ 'Mv' और 'Mw' जैसे कोड शब्द दर्ज हैं। इन एंट्रीज के बगल में करोड़ों रुपये के लेन-देन और साथ ही महंगे तोहफों की डिटेल बहुत ही बारीकी से दर्ज है। श्नष्ठ ने आरोप लगाया है कि सरकारी टेंडरों की कुल कीमत का 2 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत तक का कमीशन सीधे वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की जेब में जाता था। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने रिशु श्री मामले को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक संगठित सिंडिकेट और रसूखदार लोगों के कथित संरक्षण में रिशु श्री ने 15 फर्जी और बेनामी कंपनियों का नेटवर्क खड़ा किया। पप्पू यादव ने यह भी आरोप लगाया कि इन कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए कथित तौर पर एक बड़े सेक्स रैकेट का संचालन किया जाता था, जिसके माध्यम से प्रभावशाली और रसूखदार लोगों तक लड़कियां पहुंचाई जाती थीं। पप्पू यादव के इन आरोपों के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

फैशन वीक के प्रथम चरण का ऑडिशन भव्य रूप से संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे प्रयागराज फैशन वीक के प्रथम चरण का ऑडिशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपने हुनर, आत्मविश्वास और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। इस आयोजन को ARA Jewellers सहित अन्य सहयोगियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, व्यक्तित्व प्रदर्शन और अपनी कला के माध्यम से कार्यक्रम को आकर्षक और यादगार बना दिया।कार्यक्रम की मुख्य आयोजक श्रद्धा पूर्वांचल ने बताया कि वह इस प्रतिष्ठित फैशन शो को वाराणसी से प्रयागराज लेकर आई हैं, ताकि यहां की प्रतिभाओं को भी एक बड़ा और बेहतर मंच मिल सके। कार्यक्रम में आलोक त्रिपाठी एवं श्वेता मोदनवाल ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।ऑडिशन की जिम्मेदारी अवनी सिंह राजपूत और ऋषभ चौरसिया ने निभाई। वहीं धीर सिंह एवं विभाष चटर्जी बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहे।आयोजकों ने बताया कि प्रयागराज फैशन वीक का उद्देश्य क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना है।

प्रथम चरण के ऑडिशन की सफलता ने प्रतिभागियों और आयोजकों में नए उत्साह का संचार किया है। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया। प्रयागराज फैशन वीक का यह सफल आयोजन शहर के फैशन और मॉडलिंग जगत के लिए एक नई शुरुआत माना जा रहा है।

यूपी बोर्ड में उप सचिवों के रिक्त दो पदों पर नई तैनाती, रमाकांत सिंह गए प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय

प्रयागराज। यूपी बोर्ड मुख्यालय और प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय से एक-एक उप सचिवों को जिला बेसिक अधिकारी (बीएसए) बनाए जाने से रिक्त हुए दोनों पदों पर नई तैनाती दी गई है। राजकीय इंटर कॉलेज टेरा बरोला रायबरेली के प्रधानाचार्य राजीव कुमार सिंह को बोर्ड मुख्यालय में नियुक्ति दी गई है, जबकि राजकीय इंटर कॉलेज फतेहपुर के प्रधानाचार्य रमाकांत सिंह को बोर्ड के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय में उप सचिव बनाया गया है। इनके अलावा पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय माडल इंटर कालेज शिवगढ़, प्रतापगढ़ के प्रधानाचार्य विशाल वर्मा को शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में सहायक उप शिक्षा निदेशक नियुक्त किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अपने स्थान पर आने वाले (प्रतिस्थानी) की प्रतीक्षा किए बिना तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें।

सवा करोड़ की देनदारी पर सिलिका सैंड खनन का पट्टा निरस्त

प्रयागराज। यमुनापार में बारा तहसील क्षेत्र के छतहरा गुरैठा स्थित सिलिका सैंड का पट्टा लगभग सवा करोड़ रुपये की देनदारी में निरस्त कर दिया गया। यह कार्यवाही खनन विभाग की ओर से की गई है। यह पट्टा शशिकला पांडेय पत्नी विद्यासागर पांडेय निवासी गंगोत्री नगर, डांडी, नैनी के नाम था। ज्येष्ठ खनन अधिकारी केके राय ने बताया कि पट्टाधारक को नोटिस भेजने के बाद भी धनराशि का भुगतान नहीं किया गया। इस कारण पट्टा निरस्त कर ज्यादा दाम पर सुलभ सक्सेना निवासी महोबा को कर दिया गया। छह हेक्टेयर क्षेत्रफल के सिलिका सैंड के इस पट्टे को अब एक करोड़ 35 लाख रुपये में दिया गया है। वहीं मेजा के पिपरांव में 10-10 एकड़ के दो गिट्टी खनन का पट्टा, भटौती में 10 एकड़ का गिट्टी खनन का एक पट्टा तथा ममौली में पांच एकड़ का एक गिट्टी खनन का पट्टा खत्म कर दिया गया। अब इन स्थानों पर नए सिरे से पहाड़ पर गिट्टी खनन का पट्टा किया जाएगा। वहीं बालू खनन के लिए यमुना में दो नए खंड मानपुर और मड़ौका में बनाए जा रहे हैं। वहीं गंगा में भी दो बालू खनन के लिए दो खंड बनाए जा रहे हैं। गिट्टी और बालू के नए पट्टों से लगभग 10 करोड़ रुपये का राजस्व सरकार को प्राप्त हो सकेगा।

यूपी समेत कई राज्यों में वक्त से पहले विधानसभा चुनाव की आहट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश और अगले वर्ष विधानसभा चुनाव वाले अन्य राज्यों में चुनाव तय समय से पहले हो सकते हैं। इसकी संभावनाओं को लेकर सियासी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सूत्रों का कहना है कि आगामी जनगणना और उससे जुड़ी प्रशासनिक तैयारियों के कारण सरकारी मशीनरी पर बढ़ने वाले दबाव को देखते हुए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक निर्णय या घोषणा नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश के अलावा पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में भी चुनावी कार्यक्रम और जनगणना संबंधी गतिविधियों के बीच तालमेल को लेकर प्रशासनिक स्तर पर चर्चा चल रही है। माना जा रहा है कि यदि दोनों प्रक्रियाएं एक ही समयावधि में संचालित होती हैं तो अधिकारियों और कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जिलाधिकारी स्तर से लेकर निचले स्तर तक बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी चुनाव और जनगणना दोनों प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनगणना के दौरान जिला प्रशासन को व्यापक स्तर पर संसाधन और मानवबल जुटाना पड़ता है, जबकि चुनाव के समय भी यही मशीनरी निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन करती है।सूत्रों के मुताबिक, इसी वजह से दोनों कार्यक्रमों के संभावित टकराव को देखते हुए प्रशासनिक विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। हालांकि इस विषय पर अभी तक चुनाव आयोग या गृह मंत्रालय की ओर से कोई औपचारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। समय से पहले चुनाव की चर्चाओं ने राजनीतिक दलों की गतिविधियों को भी तेज कर दिया है। भाजपा जहां पहले से संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय दिखाई दे रही है, वहीं विपक्षी दल भी संभावित चुनावी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही अभी कोई आधिकारिक घोषणा न हुई हो, लेकिन चुनाव पूर्व तैयारियों के लिहाज से सभी दल सतर्क नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग फिलहाल विभिन्न राज्यों की परिस्थितियों और प्रशासनिक आवश्यकताओं का अध्ययन कर रहा है।

राजा भैया-भानवी सिंह विवाद के मामले की MP-MLA कोर्ट में ही होगी सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फराजा भैया को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने उनकी पत्नी भानवी सिंह द्वारा दायर घरेलू हिंसा मामले की सुनवाई के मंच को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले की सुनवाई राउज एवेन्यू स्थित एमपी-एमएलए विशेष अदालत में ही जारी रहेगी। दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति डॉ. स्वर्ण कांता शर्मा ने 30 मई 2026 को 24 पृष्ठों का विस्तृत फैसला सुनाते हुए कहा कि सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए गठित एमपी-एमएलए विशेष अदालत घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम (पीडब्ल्यूडीवी एक्ट) के तहत दायर मामलों की सुनवाई करने के लिए सक्षम है। अदालत ने माना कि कानून के तहत इस प्रकार के मामलों की सुनवाई विशेष अदालत में किए जाने पर कोई कानूनी बाधा नहीं है। राजा भैया की पत्नी भानवी कुमारी सिंह ने घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम की धारा 12 के तहत राउज एवेन्यू कोर्ट में एसीजेएम-04 के समक्ष याचिका दाखिल की थी। इसी याचिका की सुनवाई के अधिकार क्षेत्र को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। राजा भैया ने दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में तर्क दिया था कि घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत होने वाली कार्यवाही मुख्य रूप से सिविल प्रकृति की होती है। इसलिए इस मामले की सुनवाई किसी विशेष एमपी-एमएलए अदालत में नहीं, बल्कि साकेत कोर्ट के सामान्य मजिस्ट्रेट के समक्ष होनी चाहिए। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया था कि मामले को सामान्य अदालत में स्थानांतरित किया जाए। हाईकोर्ट ने राजा भैया की इस दलील को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि केवल इस आधार पर कि मामला घरेलू हिंसा अधिनियम से जुड़ा है, एमपी-एमएलए कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को नकारा नहीं जा सकता। न्यायालय ने माना कि विशेष अदालतें ऐसे मामलों की सुनवाई करने के लिए विधिक रूप से सक्षम हैं। अपने फैसले में हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों का भी हवाला दिया, जिनके तहत सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष अदालतों की व्यवस्था बनाई गई है।

भीषण गर्मी में महेवा पश्चिम पट्टी के लोग पानी के लिए बेहाल, टैंकरों के सहारे कट रहा जीवन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 स्थित महेवा पश्चिम पट्टी में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराता जा रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है, जिसके कारण लोगों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि अधिकांश परिवार पानी के टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं, लेकिन लोगों का कहना है कि टैंकरों से मिलने वाला पानी उनकी जरूरतों के मुकाबले 'ऊंट के मुंह में जीरा' साबित हो रहा है।क्षेत्रीय निवासियों ने बताया कि भीषण गर्मी के इस दौर में पानी की कमी ने दैनिक जीवन को प्रभावित कर दिया है। घरों में पीने, खाना बनाने और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि समस्या के समाधान के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

नाराज नागरिकों में भोला नाथ यादव, रंजीत कुशवाहा, रामचंद्र कुशवाहा और रमेश ,प्रमोद कुशवहा, रविन्द्र तिवारी, सहित कई लोगों ने बताया कि पूरा क्षेत्र बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। उनका आरोप है कि क्षेत्र के पार्षद इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

कौशांबी में बड़ी वारदात : घरेलू विवाद में पत्नी की गला दबाकर की हत्या, आरोपित पति फरार

कौशांबी। जनपद के महेवाघाट थाना क्षेत्र में बड़ी वारदात हुई। घोघपुर गांव में घरेलू विवाद के चलते एक महिला की पति ने गला दबाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मंगलवार सुबह करीब सात बजे ग्राम प्रधान ने महेवाघाट थाने को सूचना दी कि गांव निवासी शिव भोला निषाद ने 45 वर्षीय अपनी पत्नी माया देवी की हत्या कर दी है। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लिया और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किया गया। कुछ देर बाद पुलिस अधिकारियों संग एसपी एसएन प्रजापत भी मौके पर पहुंचे और माया देवी की पुत्री पूजा से पूछताछ की। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला कि पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। रात में शिव भोला निषाद ने पत्नी माया देवी का गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने स्वजन की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पत्नी के हत्यारोपित शिव भोला निषाद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है।

रेलवे पटरी चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, डीसीएम व गैस सिलेंडर बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज- 1 जून को नैनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बंद पड़ी टीएसएल कंपनी परिसर से रेलवे लाइन की पटरी चोरी कर ले जा रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई रेलवे पटरियों से लदी एक डीसीएम, एक हुंडई वरना कार तथा घटना में प्रयुक्त दो ऑक्सीजन गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि कई वर्षों से बंद पड़ी टीएसएल कंपनी परिसर में गैस कटर की सहायता से रेलवे लाइन की पटरियां काटकर चोरी की जा रही हैं और उन्हें डीसीएम वाहन से ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर थाना नैनी पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया और प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर टीएसएल कंपनी के बाहर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश पटेल (35 वर्ष) निवासी देवरख, अरैल थाना नैनी, प्रयागराज; शर्मा राजपूत (44 वर्ष) निवासी लोदन का पुरवा थाना सुल्तानपुर घोष, फतेहपुर; किशन निषाद (24 वर्ष) निवासी एडीए कॉलोनी थाना नैनी, प्रयागराज तथा सोनू (35 वर्ष) निवासी घोघापुर थाना औद्योगिक क्षेत्र, प्रयागराज के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से रेलवे लाइन की चोरी की गई पटरियां बरामद कीं, जिनमें 20 फीट 10 इंच के 20 टुकड़े, 6 फीट 4 इंच के 19 टुकड़े तथा 5 फीट 2 इंच के 21 टुकड़े शामिल हैं। इसके अलावा डीसीएम वाहन संख्या PxxAT6521, हुंडई वरना कार संख्या UP70 AP7775 तथा घटना में प्रयुक्त दो ऑक्सीजन गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए।पूछताछ में डीसीएम चालक शर्मा राजपूत ने बताया कि उसे किराये पर बुलाया गया था और बताया गया था कि टीएसएल कंपनी परिसर से रेलवे की पटरी लोड कर ले जानी है। सभी आरोपी टीएसएल कंपनी के पीछे स्थित रेलवे लाइन तक पहुंचे, जहां पहले से काटी गई पटरियों को डीसीएम में लोड किया गया। इसके बाद वे प्रयागराज शहर की ओर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपियों ने यह भी बताया कि उनका एक साथी लवकुश पहले ही रेलवे पटरी कटवाकर कटर सहित अन्य उपकरण वहां से हटवा चुका था। इस मामले में थाना नैनी में मु0अ0सं0 278/2026 के तहत धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम, उपनिरीक्षक मनोज सिंह, कांस्टेबल राहुल राठौर तथा कांस्टेबल राकेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

सिधवलिया एवं कटेया प्रखण्ड अध्यक्षों ने जदयू जिला अध्यक्ष जी को सौपी पंचायत अध्यक्ष एवं प्रखण्ड कमिटी की सूची

गोपालगंज (बिहार)- गोपालगंज स्थित जनता दल (यूनाइटेड) कैम्प कार्यालय में कटेया प्रखण्ड अध्यक्ष नन्दलाल मौर्य एवं सिधवलिया प्रखण्ड अध्यक्ष ब्रजेश कुमार उर्फ मुन्ना कुंवर द्वारा अपने-अपने प्रखण्डों के अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में नव मनोनीत पंचायत अध्यक्षों की सूची तथा नवगठित कटेया एवं सिधवलिया प्रखण्ड जद(यू.) कमिटी की सूची जद(यू.) के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल को औपचारिक रूप से सुपुर्द की गई। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, पंचायत स्तर तक पार्टी के विस्तार तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने नव मनोनीत पंचायत अध्यक्षों एवं प्रखण्ड कमिटी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं जनोन्मुखी बनाने का आह्वान किया। कटेया एवं सिधवलिया प्रखण्ड अध्यक्षों ने विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित टीम पार्टी की नीतियों एवं बिहार के माननीय मुख्यमंत्री Nitish Kumar के नेतृत्व में संचालित विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाएगी। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि रामाशीष सिंह, योगेंद्र राम, सुरेश राम, दिलीप पटेल, पतरु पटेल सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर धीरज प्रसाद साहू को बधाई

लोहरदगा, झारखंड:- लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को बक्शी डीपा स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम एसोसिएशन के संरक्षक सह पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू को अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन इंटक का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर बधाई दी गई तथा हर्ष व्यक्त किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में अब केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के मजदूरों के हितों की आवाज को मजबूती मिलेगी। सदस्यों ने उनके मनोनयन को श्रमिक वर्ग के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। इसके बाद बैठक में विमरला माइंस की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि माइंस क्षेत्र में आए दिन ट्रकों के फंसने, परिवहन बाधित होने तथा सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहन मालिकों और चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक के दौरान कंपनी प्रबंधन से फोन पर वार्ता भी की गई। एसोसिएशन की ओर से स्पष्ट कहा गया कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस पर कंपनी प्रबंधन ने दो से चार दिनों के भीतर स्थिति सुधारने का आश्वासन देते हुए फिलहाल ट्रकों का परिचालन बंद रखने की बात कही। एसोसिएशन ने कंपनी को यह भी स्पष्ट कर दिया कि ट्रकों का परिचालन दोबारा शुरू करने से पहले एसोसिएशन के प्रतिनिधि माइंस क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे तथा स्थिति संतोषजनक पाए जाने के बाद ही परिचालन की अनुमति दी जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सचिव मुद्रिका यादव, सचिव रहमान अंसारी, कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष इम्तियाज उर्फ बबलू, अजमल कुरैशी, प्रेम उरांव, महेंद्र प्रसाद साहू, मीडिया प्रभारी राजेश कुमार शर्मा, प्रदीप कुमार, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद इकबाल, अनिल उरांव, मोहम्मद आदिल, शकील खान, विदुल महतो, बंटू साहू, मोहम्मद बबलू, जीतू सिंह, अनिल साहू, संजय अग्रवाल, संतोष साहू, मोहम्मद गुड्डू, गंगा प्रसाद सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हजारीबाग में ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़, मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी जांच में करोड़ों के ऑनलाइन लेन-देन का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- हजारीबाग जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र में पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी जांच में करोड़ों रुपये के ऑनलाइन लेन-देन का खुलासा हुआ है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने 31 मई 2026 को छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान राहुल कुमार मेहता को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका कथित साझीदार मित्र कुमार फरार बताया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वे ऑनलाइन सट्टा साइटों के माध्यम से लोगों को जोड़कर अवैध सट्टेबाजी का संचालन करते थे। जांच में मोबाइल फोन से SKYEXCHANGE, A&isyyy और Redyyy जैसे ऑनलाइन सट्टा प्लेटफॉर्म से जुड़े कई आईडी मिले। पुलिस के अनुसार इन आईडी के जरिए लगभग 3 से 4 करोड़ रुपये के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन होने के प्रमाण मिले हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरोह का नेटवर्क हजारीबाग के अलावा रामगढ़, रांची और चतरा जिलों तक फैला हुआ है। आरोपी मास्टर आईडी बनाकर अन्य लोगों को सट्टेबाजी के कारोबार से जोड़ते थे। इस मामले में कोर्रा थाना कांड संख्या 94/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 112(2), 316(2), 318(3), 318(4) तथा झारखंड ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एवं विनियमन) अधिनियम, 2025 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में पुअनि नरेश्वर रजक, थाना प्रभारी, कोर्रा थाना, पुअनि निरंजन केशरी, थाना प्रभारी, लोहसिंघना थाना, पुअनि पिंटू कुमार, लोहसिंघना थाना पुअनि पुन्नू यादव, कोर्रा थाना, तकनीकी शाखा एवं कोर्रा थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

बीएस कॉलेज लोहरदगा में खराब पेयजल को लेकर NSUI का हंगामा

● पूर्व जिला अध्यक्ष मनौवर आलम ने मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोहरदगा, झारखंड:- बीएस कॉलेज लोहरदगा में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता को लेकर बुधवार को एनएसयूआई छात्र संघ ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। छात्र नेताओं का आरोप है कि कॉलेज परिसर में लगे वाटर फिल्टर से लंबे समय से बदबूयुक्त एवं खराब पानी आ रहा है, जिससे विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एनएसयूआई नेताओं ने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व में कॉलेज प्रशासन को लिखित आवेदन देकर फिल्टर की मरम्मत एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी संबंध में जब एनएसयूआई के सदस्य कॉलेज प्राचार्य से मिलने पहुंचे तो उन्हें मिलने से मना कर दिया गया। एनएसयूआई लोहरदगा के पूर्व जिला अध्यक्ष मनौवर आलम ने कहा कि छात्रों की शिकायत की वास्तविकता दिखाने के लिए उन्होंने शिक्षकों से फिल्टर का पानी पीने का आग्रह किया, लेकिन किसी ने भी पानी पीने की सहमति नहीं दी। इसके बाद जब प्राचार्य को वही पानी पीने के लिए कहा गया तो उन्होंने कथित रूप से पानी पीने से इनकार कर दिया। आरोप है कि प्राचार्य ने कहा, 'नहीं पीना है पानी और न ही कुछ बनवाना है, जिसे जो करना है करे।' इसके बाद प्राचार्य स्टाफ रूम में चले गए। इस घटना से नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर में प्राचार्य के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने 'बीएस कॉलेज के प्राचार्य मुर्दाबाद ', 'बीएस कॉलेज को ले डूबने वाला प्राचार्य नहीं चाहिए' और 'बीएस कॉलेज का प्राचार्य बदलना होगा' जैसे नारे लगाए। मनौवर आलम ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो एनएसयूआई छात्र संघ उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। गौरतलब है कि जिला अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद भी मनौवर आलम लगातार छात्र हित से जुड़े मुद्दों को उठाते नजर आ रहे हैं। विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर उनकी सक्रियता के कारण छात्रों के बीच उनका जुड़ाव लगातार बना हुआ है। इस मौके पर अनुशासन कमेटी के अध्यक्ष शैलेश कुमार, पूर्व जिला अध्यक्ष मनौवर आलम, रोशन राम, मुराद रजा, माज अंसारी, अनस इरफान, समान फैयाज सहित कई छात्र कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपासना मरांडी के प्रयास से दुर्गापुर में बहाल हुई बिजली, ग्रामीणों को मिली राहत

महेशपुर, झारखंड:- प्रखंड के गायबथान पंचायत अंतर्गत दुर्गापुर गांव में झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी के प्रयास से 25 केवीए का नया विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण गांव में बिजली आपूर्ति बाधित थी, जिससे आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की समस्या की जानकारी मिलते ही उपासना मरांडी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया और शीघ्र समाधान की पहल की। उनके निरंतर प्रयास और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम, आज दुर्गापुर गांव को नया ट्रांसफार्मर मिला और बिजली आपूर्ति पुनः सुचारू हो गई। उपासना मरांडी ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। गांव-गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की हर समस्या के समाधान के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।नया ट्रांसफार्मर स्थापित होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों नेउपासना मरांडी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने जनता की आवाज बनकर उनकी समस्या का त्वरित समाधान कराया। यह जनसेवा और विकास के प्रति उनकी सक्रियता, ग्रामीणों के लिए सराहनीय है।

तंबाकू निषेध के लिए नारायणपुर सीएचसी में शपथग्रहण का हुआ आयोजन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नारायणपुर थाना प्रांगण में और सीएचसी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। थाना प्रभारी मुराद हसन और पुलिस बल के जवानों ने तंबाकू एवं नशा के विरूद्ध जनजागरण अभियान को मजबूती से चलाने का संकल्प लिया। वहीं सीएचसी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा एके सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों ने तंबाकू निषेध की शपथ ली।मौके पर पुलिस कर्मियों ने स्वयं नशा से दूर रहने और समाज के लोगों को इसके दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने की शपथ ली। थाना प्रभारी ने तंबाकू सेवन से होने वाले खतरों पर विस्तार से चर्चा किया। कहा कि ध्रुमपान और तंबाकू के अन्य उत्पादों का सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बिमारी हो सकती है जो जानलेवा है। इन बिमारियों के कारण परिवार तबाह हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि तंबाकू से दूरी बनाए और स्वास्थ जीवन शैली अपनाएं। पुलिस के साथ साथ पंचायत प्रतिनिधियों व सामाज के प्रबुद्ध नागरिकों को आगे आना चाहिए तथा खासकर युवाओं को नशामुक्ति के प्रेरित करना चाहिए। तंबाकू निषेध केवल आयोजन नहीं बल्कि आत्मचिंतन और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। इस अवसर पर पुलिस के जवान उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने 2 जून को पाकुड़िया-पाकुड़ पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ जाम कर दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्ड:- प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया से 5 किलोमीटर दूर तालवा ग्राम स्थित सिदो-कान्हू चौक से चांदना ग्राम के खाड़ो टोला तक वर्षो से पूर्णतः क्षतिग्रस्त सड़क के बावजूद अब तक उक्त जर्जर ग्रामीण सड़क के नए सिरे से निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने से प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न सुदूर गांवों से आए ग्रामीणों ने पुनः 2 जून को पाकुड़िया-पाकुड़ पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ जाम कर आवागमन अवरुद्ध कर दिया। बताया जाता है कि पाकुड़िया प्रखण्ड अंतर्गत उक्त जीर्ण सड़क ग्रामीणों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। कई साल पूर्व उक्त सड़क के निर्माण हेतु बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मुख्य पथ जाम कर धरना दिया था, जिससे आवागमन पूर्णतः अवरुद्ध हो गया था। सूचना पर तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू स्थल पर पहुंचे थे और आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही उच्च अधिकारियों से मिलकर पथ निर्माण की स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

परंतु पथ निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने से ग्रामीणों ने अपनी नाराज़गी जाहिर करते हुए कई सालों बाद पुनः 19 मई को मुख्य पथ जाम कर दिया था। इसके बाद पुलिस बल और प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने समझाकर जाम हटवाया। लेकिन अब तक सड़क निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने से नाराज़ ग्रामीणों ने पुनः 2 जून को बड़ी संख्या में उक्त पथ जाम कर धरना दिया, जिससे आवागमन बाधित हो गया। इस अवसर पर पुलिस बल तैनात रहा।

लाडो की किलकारियां हुई खामोश, पूरे शहर ने नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

● युवा पत्रकार रितेश खंडेलवाल की 13 माह की पुत्री के निधन से शोकाकुल हुआ हजारीबाग अंतिम यात्रा में उमड़े सैकड़ों शुभचिंतक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखण्ड:- शहर के युवा पत्रकार रितेश खंडेलवाल की 13 माह की नन्हीं सुपुत्री लाडो के असामयिक निधन से पूरे हजारीबाग शहर में शोक की लहर दौड़ गई। मासूम बच्ची के निधन की खबर मिलते ही पत्रकारिता, सामाजिक, व्यावसायिक एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया। एक वर्ष से कुछ अधिक उम्र की इस नन्हीं बच्ची का यूं असमय दुनिया को अलविदा कह जाना हर किसी को भीतर तक झकझोर गया। लाडो का जन्म 29 अप्रैल 2025 को संध्या लगभग 6:30 बजे हुआ था। उसके जन्म से परिवार में खुशियों का माहौल था। 4 मई को ढोल-नगाड़ों और हर्षोल्लास के साथ उसका गृह प्रवेश कराया गया था। परिवार ने अपनी इस नन्हीं परी के स्वागत में विशेष आयोजन भी किया था। उसकी किलकारियों से गुलजार रहने वाला घर आज उसकी यादों से भरा हुआ है। जानकारी के अनुसार लाडो पिछले कुछ समय से लिवर संबंधी बीमारी से जूझ रही थी। बेहतर उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में लेकर गए। वाराणसी में उसने एक जून को अंतिम सांस ली। बीते 13 महीनों में उसने अपने परिवार को जो अपार स्नेह, मुस्कान और खुशियां दीं, वही अब उनकी सबसे बड़ी याद बनकर रह गई हैं। निधन की सूचना मिलते ही हजारीबाग के पत्रकारों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। विभिन्न पत्रकार संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से संवेदना व्यक्त की। हजारीबाग यूथ विंग, मारवाड़ी युवा मंच सहित कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने भी दिवंगत बालिका को श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार संध्या छह बजे उनके आवास से अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में शहर के गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों, समाजसेवियों, व्यवसायियों एवं बड़ी संख्या में शुभचिंतकों ने शामिल होकर नम आंखों से लाडो को अंतिम विदाई दी। पूरे वातावरण में गम और संवेदना का भाव स्पष्ट दिखाई दे रहा था। दुःखद समाचार मिलने के बाद सदर विधायक प्रदीप प्रसाद शोक संतप्त परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं सांसद मनीष जायसवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से गहरा शोक प्रकट करते हुए दिवंगत बालिका को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं शुभचिंतकों ने भी परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। समाजसेवी मुन्ना सिंह

सहित कई गणमान्य लोग देर रात एवं सोमवार को परिजनों से मिलने पहुंचते रहे। सोमवार को भी दिनभर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। रिश्तेदार, मित्र, पत्रकार, समाजसेवी और शुभचिंतक लगातार आवास पहुंचकर परिवार को सांत्वना देते रहे। इस असहनीय दुःख की घड़ी में पूरा खंडेलवाल रावत परिवार व्याकुल और गमगीन नजर आया।

घर का हर कोना लाडो की यादों से भरा हुआ है और उसकी अनुपस्थिति सभी की आंखों को नम कर रही है। उपस्थित लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत बालिका की पवित्र आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। लाडो अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन उसकी मासूम मुस्कान, उसकी किलकारियां और उससे जुड़ी अनगिनत यादें हमेशा उसके परिवार और शुभचिंतकों के दिलों में जीवित रहेंगी।

हजारीबाग में दो दिवसीय खो-खो टूर्नामेंट संपन्न

● रोमांचक मुकाबलों में चैंपियंस और वॉरियर क्लब बने विजेता

युवाओं को खेल से जोड़कर नशामुक्त समाज का निर्माण करें : हर्ष अजमेरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- क्रीड़ा भारती हजारीबाग के तत्वावधान में स्थानीय स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय खो-खो टूर्नामेंट का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग की कुल सात टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। महिला वर्ग के फाइनल में हजारीबाग चैंपियंस क्लब ने खो-खो अकादमी, हजारीबाग को 12-5 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें हजारीबाग वॉरियर क्लब ने एसएसबीएम को 20-19 के बेहद करीबी अंतर से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा उपस्थित थे। उनके साथ क्रीड़ा भारती के विभाग संयोजक विकास केसरी, डॉ. राहुल, डॉ. विक्रम, चंद्रशेखर दास, अजीत कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। क्रीड़ा भारती के सदस्यों ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में हर्ष अजमेरा ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और बेहतर व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। युवाओं को खेलों से जुड़कर नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहना चाहिए। स्वस्थ युवा ही सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। वहीं विकास

केसरी ने क्रीड़ा भारती के उद्देश्यों एवं खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका की जानकारी दी। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। क्रीड़ा भारती हजारीबाग के अध्यक्ष भैया मुरारी सिन्हा ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी अंपायरों एवं सहयोगियों को सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती हजारीबाग के अध्यक्ष भैया मुरारी सिन्हा, बहादुर राम, सिटी गोप, अविनाश कुमार, राहुल कुमार, रोबिन कुमार, नूतन कुजूर, अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

बिहार पुलिस में 8000 पदों पर बंपर बहाली की तैयारी

पटना। बिहार पुलिस में बढ़ती जनसंख्या के अनुसार जल्द ही पुलिस अवर निरीक्षक (दारोगा) की बड़े स्तर पर बहाली की जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने दारोगा और समकक्ष कोटि के 20 हजार 937 पद सृजित किए हैं। इन स्वीकृत पदों में से आठ हजार पदों को पुलिस मुख्यालय ने पिछले दिनों विमुक्त किया है। पहले चरण में इनमें से 7200 पदों का जिलावार, इकाईवार और कार्यालयवार आवंटन कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय के आईजी ने इसका आदेश जारी कर दिया है। पुलिस मुख्यालय ने स्वीकृत बलों की पूरी सूची जारी की है। इसमें सर्वाधिक दारोगा का बल पटना जिले के आवंटित किया गया है। अभी पटना में दारोगा की संख्या 2081 है, जो नए आवंटन के बाद बढ़कर 2809 हो जाएगी। इसके बाद गया में 1242, मोतिहारी में 1148, मुजफ्फरपुर में 929 और नालंदा में 926 दारोगा के पदों का कुल आवंटन हो गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों और इकाई प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे आवंटित पदों को अपने स्वीकृत संवर्ग में शामिल कर आवश्यक आदेश जारी करें तथा नई व्यवस्था के अनुसार, पदों को अंतिम रूप से फ्रीज करें।

विधायक ने 2.5 करोड़ की तीन विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

● क्षेत्र में विकास की गति अब रफ्तार पकड़ने लगी है : मनोज यादव

हथिया में आहार का जीर्णोद्धार, बेला में चेकडैम व ताजपुर में स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का शिलान्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड:- बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने प्रखंड के विभिन्न गांवों में 2.5 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का शिलान्यास किया। गांव पहुँचे विधायक का ग्रामीणों ने विधायक का फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विधायक ने ब्रहमोरिया पंचायत के ग्राम हथिया में बिछ्वा आहार का जीर्णोद्धार, बेला पंचायत के लेधिया नदी पर चेकडैम निर्माण और ताजपुर स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि जनहित से जुड़े काम अब धरातल पर उतर रहे हैं और विकास की गति

तेज हो चुकी है। उन्होंने संवेदकों को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि काम की गुणवत्ता में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर सांसद प्रतिनिधि रामस्वरुप पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, जीप सदस्य आरती कौशल व राकेश रंजन, मुखिया सरिता देवी, प्रवीण सिंह व पप्पू रजक, समिति सदस्य कैलाश भुइयाँ व रेखा देवी, पूर्व मुखिया शौकत खान, शम्भू सिंह, भाजपा नेत्री बसन्ती देवी, सुनील सिंह, विकास यादव, गजाधर प्रसाद, अरविंद साव, कपिलदेव यादव, सुमन सिंह, राजेन्द्र भगत, सियाराम सिंह, सतेंद्र सिंह, पवन सिंह, बबलू बर्णवाल, ईश्वरी यादव, अजय रविदास, इन्द्रदेव दांगी समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

नींव रखने वालों को इतिहास याद रखता है, और शिलान्यास करने वालों को सिर्फ तस्वीरें- पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड:- चौपारण प्रखंड के ग्राम बेला, लोहण्डी, मानगढ़ एवं कोयली के किसानों के लिए प्रस्तावित चेकडेम व लिफ्ट एरिगेशन परियोजना का शिलान्यास आज भले ही वर्तमान विधायक के हाथों हो रहा हो, लेकिन क्षेत्र की जनता को यह जानना चाहिए कि इस योजना की वास्तविक पहल किसने की थी। पूर्व विधायक श्री अकेला ने कहा अपने कार्यकाल के 19/ 06/ 2024 को किसानों की सिंचाई समस्या को गंभीरता से उठाते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से क्षेत्र के लोगों के साथ भेंट कर चेकडेम व लिफ्ट एरिगेशन योजना की मांग की थी। इस संबंध में तत्कालीन मुख्यमंत्री को सौंपा गया अनुशंसा पत्र तथा मुलाकात के फोटो साक्ष्य आज भी उपलब्ध हैं, जो इस परियोजना की शुरुआत में पूर्व विधायक की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रमाणित करते हैं। हमें खुशी है कि किसानों के हित में यह योजना धरातल पर उतर रही

है। विकास कार्यों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि जनता को सच्चाई बताई जाए और जिन लोगों ने इसकी नींव रखी, उनके योगदान को भुलाया न जाए। वर्तमान विधायक को उन योजनाओं का शिलान्यास का अवसर मिल रहा है, जिनकी मांग और संघर्ष की शुरुआत पूर्व विधायक ने की थी। राजनीति में श्रेय लेना आसान है, लेकिन संघर्ष करना कठिन। शिलान्यास व फीता काटने के लिए मंच चाहिए, परंतु योजना स्वीकृत कराने के लिए दूरदृष्टि, मेहनत और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता चाहिए। जनता सब देख रही है और जानती है कि– 'शिलान्यास की तस्वीर आज की हो सकती है, लेकिन इस परियोजना की कहानी कई वर्ष पुरानी है।'

मासूम की जिंदगी पर जहरीले सांप का कहरः चंदवा में 9 माह के बच्चे की दर्दनाक मौत

चंदवा, झारखंड:- चंदवा प्रखंड के नगर ग्राम में सोमवार देर रात एक हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। गांव निवासी पिंटू साहू अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान रात करीब 12 बजे अचानक एक जहरीला सांप घर में घुस आया और सो रहे उनके 9 माह के मासूम बेटे को डस लिया। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे नगर गांव में शोक की लहर फैल गई है। ग्रामीणों ने बताया कि इतनी कम उम्र में बच्चे की मौत से हर कोई स्तब्ध है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है और बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

भक्ति और आस्था से सराबोर हुआ संकट मोचन हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव

●पूजन, हवन और भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पूरे दिन गूंजते रहे जय श्रीराम के जयकारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंड:- मेन रोड स्थित दुबे जी का गोला परिसर में अवस्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे दिन मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण और जय श्रीराम के नारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन, हवन और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान की विधिवत पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलमय जीवन की कामना की।

मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। शाम 6 बजे से आयोजित भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे माहौल में भक्ति एवं सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, दुबे जी का गोला के अध्यक्ष संजय दुबे ने कार्यक्रम में शामिल सभी श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों के सहयोग और सहभागिता से ही इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सफल हो पाते हैं। वार्षिकोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वहीं आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में समिति के सदस्यों ने पूरे दिन सक्रिय भूमिका निभाई। यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देने में सफल रहा।

संक्षिप्त खबरें

बुलेट बाइक की टक्कर से एलआईसी एजेंट घायल

कोंच(जालौन)– तेज रफ्तार बुलेट बाइक की टक्कर से एलआईसी एजेंट गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में उसे उपचार के लिए झांसी रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम भेंपता निवासी एलआईसी एजेंट गंगाप्रसाद पाल (50) मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे गांव के ही युवक चरन सिंह चौधरी के साथ बाइक से कोंच जा रहे थे। रास्ते में स्थित ग्राम सुनाया पर गंगाप्रसाद ने वहां लगे हैंडपंप पर पानी पीने के लिए अपनी बाइक सड़क किनारे रोक दी और बाइक पर से नीचे उतर आए। इसी दौरान आयी तेज रफ्तार बुलेट बाइक के चालक ने बाइक पर से नियंत्रण खो दिया जिसके चलते बाइक ने गंगाप्रसाद को जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल ही डायल-112 सहित चौकी पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पहाड़गांव चौकी इंचार्ज राजकुमार निगम ने घायल गंगाप्रसाद का प्राथमिक सहायता/उपचार कराया और फिर हालत गंभीर होने पर उन्हें बगैर समय गंवाए झांसी भेजने में मदद की। पुलिस दुर्घटना की जांच पड़ताल कर रही है। टक्कर लगने से घायल गंगाप्रसाद के दोनों पैर जख्मी हुए हैं। वहीं बुलेट बाइक पर सवार दोनों युवकों में से एक युवक के भी घायल होने की बात बताई जा रही है।

इंटरमीडियट टॉपर छात्र को किया गया सम्मानित

कोंच(जालौन)– यूपी बोर्ड मेधावी छात्र सम्मान समारोह जिला मुख्यालय उरई में आयोजित किया गया जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के जिले के टॉप टेन मेधावियों को प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि का चेक देकर सम्मानित किया। इनमें दसवीं कक्षा में जिला स्तर पर तीसरी रैंक हासिल करने वाले कोंच के देवराज सिंह को भी सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय आदि ने 10वीं कक्षा की यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में जिले में तीसरी रैंक प्राप्त तथा कोंच में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र देवराज सिंह पुत्र नीरज चंदेल को प्रमाण पत्र, मेडल और 21 हजार की सम्मान राशि का चेक देकर सम्मनित किया। देवराज सिंह ने 566/600 (94.33 प्रतिशत) अंक अर्जित किए हैं।

लेखपाल पर फर्जी रिपोर्ट लगाकर जमीनी मामला निस्तारण करने का आरोप

डीएम को शिकायती पत्र देने पहुंची पीड़िता परिवार संग

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम पुरा पाचौनी में रहने वाली रामप्यारी सहरिया ने जिलाधिकारी को एक पत्र देते हुए जमीन की शांतिपूर्वक पैमाइश न होने तक घंटाघर मैदान पर आमरण अनशन करने की बात कही है। बताया कि वह विगत दो माह से जिला मुख्यालय के चक्कर लगाकर थक चुकी है। न कोई किसी की सुनते वाला है। आरोप है कि लेखपाल झूठी रिपोर्ट प्रेषित कर देते हैं, जिसे आलाधिकारी मान लेते हैं। बताया कि उनके किसी भी खसरा नम्बर में आबादी नहीं है। लेखपाल को अवैध तरीके से सुविधा शुल्क न दे पाने के कारण उसे बता दिया कि 2 एकड़ जमीन में उसके रोड है और बाकी में आबादी है। इसलिए वह चुप रह गयी। यह भी आरोप है कि लेखपाल उसे लज्जित करते हैं और चालीस साल से पैमाइश न कराने की धमकी देते हैं। आरोप है कि फर्जी पुरानी वीडियो डालकर उसके शिकायती पत्र का फर्जी निस्तारण कर दिया जाता है। उन्होंने लेखपाल को तत्काल हटाये जाने की मांग उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करायी जाकर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है। इस दौरान आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष हरदयाल सिंह लोधी एड. ने भी जिला प्रशासन से पूरे प्रकरण को संज्ञान लेकर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

ओलावृष्टि पीड़ित किसानों को अब तक नहीं मिला मुआवजा, एसडीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)– तहसील क्षेत्र के ग्राम जैतपुरा के दर्जनों किसानों ने गत माह हुई ओलावृष्टि से खेतों में नष्ट हुई फसलों के एवज में शासन द्वारा प्रदत्त दैवीय आपदा राहत राशि न मिलने और वितरण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मंगलवार को एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को शिकायती पत्र सौंपा। किसानों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पात्र किसानों को शीघ्र राहत राशि दिलाने की मांग की है।

गांव के किसानों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि गत माह पूर्व हुई ओलावृष्टि से गेहूं आदि की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा था। शासन स्तर से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की घोषणा की गई थी, लेकिन गांव के कई पात्र किसान आज भी सहायता राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि फसल नुकसान का सर्वे होने के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक मदद अब तक नहीं मिली है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि सहायता राशि वितरण के दौरान अनियमितताएं बरती गई हैं।

कुछ अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाया गया, जबकि कई वास्तविक पीड़ित किसान अब भी राहत राशि से वंचित हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ किसानों से कथित रूप से सुविधा शुल्क लेकर मुआवजा राशि दिलाई गई, जिसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। किसानों ने कहा कि फसल नष्ट होने के बाद आर्थिक संकट गहरा गया है और समय पर सहायता राशि न मिलने से खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं, साथ ही परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने एसडीएम से पूरे मामले की गहन जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा सभी पात्र किसानों को सहायता राशि दिलाने की मांग की है। वहीं एसडीएम ने शिकायतकर्ता किसानों को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिलाया है।

आम रास्ते पर पिलर खड़े कर रास्ता बंद करने पर की शिकायत

कोंच(जालौन)– तहसील क्षेत्र के ग्राम लाडूपुरा में आम रास्ते पर पिलर खड़े कर रास्ता अवरुद्ध किए जाने से परेशान ग्रामीणों ने मामले की शिकायत एसडीएम से कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। ग्रामीण हरकिशुन, बलबीर, राजबहादुर, हरीसिंह आदि ने मंगलवार को एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि गांव में सगे दबंग भाइयों ने मिलकर आम रास्ते पर पिलर खड़े कर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है जिससे आवागमन में हम ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। शिकायतकर्ता ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने मामले में जब विरोध किया तो उक्त दबंग भाई गाली गलौच कर लड़ाई झगड़े पर आमादा हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

सार्वजनिक भूमि और कुएं पर कब्जे के प्रयास की ग्रामीणों ने की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात जो लिखेगा, वही टिकेगा www.swatantraprabhat.com ब्रेकिंग न्यूज़

कोंच (जालौन)– तहसील क्षेत्र के ग्राम हिंगुटा के ग्रामीणों ने गांव में सार्वजनिक भूमि और कुएं पर अवैध रूप से कब्जे के प्रयास का आरोप लगाते हुए मंगलवार को एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि गांव में स्थित ग्राम सभा की सार्वजनिक भूमि पर एक पुराना कुआं मौजूद है जिसका उपयोग वर्षों से ग्रामीण पानी भरने के साथ-साथ सामाजिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए करते आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा उक्त सार्वजनिक भूमि और कुएं पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। संबंधित व्यक्ति ने जमीन पर पिलर खड़े कर मकान निर्माण की तैयारी भी शुरू कर दी है। अवैध कब्जे का जब विरोध किया तो उक्त व्यक्ति ग्रामीणों की बात नहीं मान रहा है जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो ग्राम सभा की महत्वपूर्ण संपत्ति पर कब्जा हो जाएगा और ग्रामीणों को सामुदायिक उपयोग के लिए उपलब्ध स्थान से वंचित होना पड़ेगा। ग्रामीणों ने एसडीएम से मांग की है कि मामले की जांच कराकर सार्वजनिक भूमि और कुएं को अवैध कब्जे से मुक्त रखा जाए, साथ ही संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शिकायत करने वाले ग्रामीणों में रणजीत सिंह, लालाराम, भूपेंद्र, अजीत सिंह, प्रभुदयाल, कैलाश, गजराज सिंह, हेमेंद्र कुमार, माखन आदि शामिल रहे।

संदिग्ध परिस्थिति में लटका मिला युवक का शव, परिजनों में मचा कोहराम

● कोन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कचनरवा के वार्ड -13 बरवाटोला का मामला, पुलिस जाँच में जुटि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र– स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कचनरवा के बरवा टोला(रोहिनवादामर) वार्ड -13 निवासिनी सुचिंता पत्नि सखिचन्द चेरो घर में पीपरखाड़ पंचायत टोला घोड़बचवा निवासी मृतक विजय चेरो पुत्र स्व. भूखन चेरो वर्ष लगभग 45 वर्ष का शव संदिग्ध परिस्थिति में सोमवार देर रात दुपट्टा के सहारे बडेर में लटका मिला । सुबह घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान पीपरखाड़ संजय पासवान और परिजन रोते बिलखते बर वा टोला (रोहिनवादामर) पहुंचे जहाँ मृतक का शव बडेर से लटकते देख सन्न रह गये। जिसकी सूचना पाकर कोन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई उदय ने बताया कि घर से दो दिन से गायब थे किसी को पता नहीं था कि कहाँ गये हैं ।जब सुबह पता चला कि उसे मारकर फांसी का रूप दिया गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग किया है कि जो भी दोषी हो उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाय ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। वहीँ घटनास्थल पर मौजूद मकान मालकिन सुचिंता पत्नि सखिचन्द् के द्वारा बताया गया कि सोमवार देर रात लगभग 10 बजे की घटना है और मृतक रिश्ते में भाई लगता है मृतक ने किन परिस्थिति में फांसी लगाया पता नहीं जबकि घटना के समय छोटे छोटे बच्चों के साथ मौके पर उपस्थित थी। आगे उन्होंने बताया कि ठेकेदार व कुछ अन्य लोग घर आये थे उनके साथ ही पति सोमवार की रात में बाहर काम करने गये हैं।सबसे बड़ा सवाल कि उन्होंने मृतक के भाई उदय चेरो को पहचाननें से इंकार किया जो कि मृतक को रिश्ते में भाई बता रही है जो सस्पेंश को और भी बढा दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि देर शाम कुछ लोग आये थे और मुर्गा दारू का कार्यक्रम चला। इस बावत् प्रभारी निरीक्षक कोन अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पी एम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

आधी रात घर में घुसा युवक, विवाहिता से छेड़छाड़ का आरोप

शोर मचाने पर ग्रामीण पहुंचे, आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार

महरौनी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता के घर में देर रात घुसकर छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक गांव निवासी एक विवाहिता ने आरोप लगाया है कि 30 मई की रात करीब 12 बजे वह अपने घर में मौजूद थी। इसी दौरान गांव का ही एक व्यक्ति चुपके से उसके मकान में घुस आया और उसके साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया तथा हाथापाई के दौरान उसके कपड़े भी फट गए। महिला ने जब शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों की आहट मिलने पर आरोपी वहां से भागने लगा। आरोप है कि जाते समय उसने गाली-गलौज की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता ने महरौनी कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने ग्राम बम्हौरी घाट निवासी गन्धर्व सिंह पुत्र भगवत सिंह लोधी के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

पानी संकट के बीच जन सहयोग की बड़ी पहलग्राम प्रधान, समृद्धि जन कल्याण ट्रस्ट ने संभाली कमान

● बीजपुर सब्जी मंडी के पुराने कुएं की कराई सफाई

भीषण गर्मी में बाजार क्षेत्र को मिलेगी राहत की उम्मीद एनटीपीसी की मौजूदगी के बावजूद पानी समस्या पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र– क्षेत्र में लगातार बढ़ते जल संकट और पेयजल समस्या के बीच ग्राम प्रधान एवं समृद्धि जन कल्याण ट्रस्ट की टीम ने जनहित में बड़ा कदम उठाते हुए बीजपुर सब्जी मंडी स्थित पुराने कुएं की साफ-सफाई का अभियान चलाया। महावीर सिंह और मनोज सोनकर के नेतृत्व में संपन्न इस कार्य ने क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता और जनजागरूकता की मिसाल पेश की। कुएं की सफाई के दौरान क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों की सक्रिय मौजूदगी देखने को मिली। गिरजा पांडे, जुगल तिवारी, जय राम शर्मा, गोपाल प्रसाद, राघव, रवीन्द्र गुप्ता, वीरेंद्र और रामेश्वर ने इस अभियान का समर्थन करते हुए इसे जनहित का सराहनीय प्रयास बताया।

श्रमदान कर युवाओं ने दिखाई मिसाल पुराने कुएं को दोबारा उपयोग योग्य बनाने के लिए अंकित, करण, सोहेल, विमलेश, राम बाबू और गबरू ने मेहनत कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों ने उनके प्रयासों की खुलकर सराहना की। स्थानीय लोगों का मानना है कि कुएं की सफाई और पुनः संचालन शुरू होने से बाजार क्षेत्र की बड़ी आबादी को पेयजल समस्या से काफी राहत मिल सकती है। भीषण गर्मी और बढ़ती जल किल्लत के दौर में यह पहल लोगों के लिए राहत और उम्मीद बनकर उभरी है।

चर्चा में एनटीपीसी, सहयोग पर उठे सवाल– क्षेत्र में यह चर्चा भी जोर पकड़ती रही कि एनटीपीसी जैसी महारत्न कंपनी की मौजूदगी के बावजूद बाजार क्षेत्र की पानी समस्या के स्थायी समाधान को लेकर अपेक्षित सहयोग नजर नहीं आ रहा है। इसे लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी और सवाल दोनों देखे गए। ग्राम प्रधान एवं समृद्धि जन कल्याण ट्रस्ट की इस पहल को क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी, जनभागीदारी और जनहित की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम माना जा रहा है।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश– मंगलवार दिनांक 02.06.2026 को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कैलिया पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात जो लिखेगा, वही टिकेगा www.swatantraprabhat.com पुलिस 112 आपात सेवाएं

कोंच(जालौन)– थानाध्यक्ष कैलिया अवनीश कुमार पटेल के नेतृत्व में दरोगा रूपेंद्र पाल सिंह, कांस्टेबल अजीत सिंह व सचिन परमार ने मंगलवार को ग्राम फुलैला स्थित एक घर पर दबिश देकर वारंटी चल रहे अभियुक्त कृष्णकुमार पुत्र मातादीन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा उसे न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार कृष्णकुमार के विरुद्ध गत वर्ष 2023 में धारा 138 एनआई एक्ट में मामला दर्ज कराया गया था। दर्ज मामले में न्यायालय में होने वाली तारीखों से लगातार गैरहाजिर रहने के चलते न्यायालय द्वारा उसे वारंटी घोषित किया गया था।

भौरट बांध से सरकारी लोहा चोरी करने वाले गिरोह पर गैंगस्टर एक्ट

● डीएम से गैंग चार्ट अनुमोदित होने के बाद महरौनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन शातिर अपराधी चिह्नित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। सार्वजनिक संपत्तियों की चोरी कर अवैध लाभ अर्जित करने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ महरौनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जिलाधिकारी ललितपुर से गैंग चार्ट अनुमोदित होने के बाद पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह व सीओ महरौनी के संयुक्त पर्यवेक्षण में महरौनी पुलिस ने उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत कार्रवाई कर गिरोह की आपराधिक गतिविधियों पर शिकंजा कस दिया है। थाना महरौनी प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान जिलाधिकारी कार्यालय से अनुमोदित गैंग चार्ट एवं बीट सूचना की जांच के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि उक्त गिरोह लंबे समय से चोरी जैसी वारदातों को अंजाम देकर आर्थिक लाभ अर्जित कर रहा था तथा क्षेत्र में इनके कारण भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था। मामले का खुलासा उस समय हुआ था जब 24 अगस्त 2025 को भैरा निवासी मथुरा प्रसाद ने भौरट बांध गेट से करीब डेढ़ क्विंटल वजनी सरकारी लोहे की दो प्लेटें चोरी होने की रिपोर्ट थाना महरौनी में दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान 30 अगस्त 2025 को गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई दोनों लोहे की प्लेटें, जिसका वजन लगभग 1.37 क्विंटल था, बरामद कर ली गई थीं। बाद में आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया था, हालांकि वर्तमान में वे जमानत पर बाहर हैं। पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में ग्राम नैनवारा निवासी 23 वर्षीय अनुज राजा पुत्र बलवीर सिंह को गिरोह का सरगना बताया गया है। इसके अलावा ग्राम भैरा निवासी शिवाजी राजा उर्फ कृष्णाधीश पुत्र अर्जुन सिंह (28 वर्ष) तथा जितेन्द्र सिंह

पुलिस की गिरफ्त में आये शातिर गैंगस्टर

पुत्र जगदीश सिंह (25 वर्ष) को गिरोह का सक्रिय सदस्य नामजद किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज रहे हैं और उनकी गतिविधियों से आमजन में भय का वातावरण बना हुआ था। इसी को देखते हुए थाना महरौनी में अपराध संख्या 235/2026 के तहत गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना थाना प्रभारी द्वारा की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई जारी है तथा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सीमांकन के पत्थर उखाड़े, किसान को दी जान से मारने की धमकी

● नाराहट के बमराना गांव में सरकारी पत्थरगड्ढी से छेड़छाड़ का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। तहसील मड़ावरा के ग्राम बमराना में राजस्व विभाग द्वारा कराए गए भूमि सीमांकन के पत्थरों को उखाड़कर फेंकने और किसान को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान की शिकायत पर नाराहट पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बमराना निवासी किसान मथरा पुत्र तिजू ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि मौजा बमराना स्थित उसकी आराजी संख्या 574/1.381 हेक्टेयर भूमि के सीमांकन को लेकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) मड़ावरा न्यायालय द्वारा आदेश जारी किया गया था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 26 मई 2026 को राजस्व विभाग की टीम, जिसमें लेखपाल और कानूनगो शामिल थे, पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर पहुंची और विधिवत सीमांकन कर भूमि पर पत्थर गड्डी कराई गई। पीड़ित के अनुसार सीमांकन की कार्रवाई के अगले ही दिन 27 मई की सुबह गांव के कुछ लोग एकजुट होकर उसके खेत पर पहुंचे और प्रशासन द्वारा लगाए गए सीमांकन पत्थरों को उखाड़ कर फेंक दिया। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की और खेत पर दोबारा आने या खेती करने पर गंभीर परिणाम भुगतने तथा जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपियों ने सरकारी प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कानून को हाथ में लिया और न्यायालय के आदेश का खुला उल्लंघन किया। घटना के बाद उसने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर ग्राम बमराना निवासी राकेश पुत्र भैयालाल, बन्दू पुत्र भैयालाल, बृजभान पुत्र नथुवा तथा सूरजभान पुत्र नथुवा के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 351(3) एवं 326(ई) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

शराब के नशे में पत्नी से मारपीट, मुकदमा दर्ज

तालबेहट। थाना क्षेत्र के ग्राम जबराताल उदगुवां में शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम जबराताल उदगुवां निवासी रविता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 मई की रात करीब 11:30 बजे उसके पति नीरज राजपूत शराब पीकर घर पहुंचे और घरेलू बातों को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपी ने लात-घूंसों तथा लाठी-डंडे से मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान पति ने उसे घर छोड़कर चले जाने तथा जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने बताया कि उसका पति अक्सर शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दस प्रतिशत विद्युत फ्यूल सरचार्ज वापस लेने की मांग

● व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला उद्योग व्यापार मंडल की कोर कमेटी की बैठक जिलाध्यक्ष सुरेश बड़ेरा की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश में बिजली दरों पर लगाए गए 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज का विरोध करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की गई। इस संबंध में एक प्रतिवेदन ऑनलाइन माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ को ईमेल द्वारा भेजा गया, जबकि इसकी प्रतिलिपि प्रांतीय व्यापार मंडल कार्यालय, शास्त्री नगर लखनऊ को भी प्रेषित की गई। जिलाध्यक्ष सुरेश बड़ेरा ने कहा कि हाल ही में एलपीजी गैस, सीएनजी और पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं। इसके साथ ही जून माह से उत्तर प्रदेश विद्युत निगम द्वारा 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज लगाए जाने से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश में पहले से ही बिजली की दरें अधिक हैं, इसलिए अतिरिक्त सरचार्ज लगाना अनुचित है। जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई ने कहा कि बिजली दरों में 10 प्रतिशत वृद्धि से उपभोक्ता स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं और यह आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने जैसा है। उद्योग मंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ ने कहा कि उपभोक्ता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अवधेश वर्मा भी इस वृद्धि का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिजली कंपनियों के पास पहले से ही अधिशेष राशि उपलब्ध है, ऐसे में बिजली दरों में वृद्धि का कोई औचित्य नहीं है। नगर अध्यक्ष पंडित नवनीत किलेदार ने कहा कि सरकार को विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 108 का प्रयोग करते हुए विद्युत निगम को बढ़ी हुई दरें कम करने और 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज तत्काल वापस लेने के निर्देश देने चाहिए। उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना पर भी पुनर्विचार करने तथा पुराने मीटर पुनः लगाए जाने की मांग की। उनका कहना था कि भीषण गर्मी के दौर में बिजली की बढ़ी हुई लागत प्रदेश के करोड़ों उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बनेगी। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर उनकी जनहित की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन को उग्र आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन के लिए विवश होना पड़ेगा। बैठक में जिला अध्यक्ष सुरेश बड़ेरा, जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई, गल्ला मंडी अध्यक्ष जयकुमार महोली, उद्योग मंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू सिंधी, रविन्द्र दिवाकर, डा.संजीव कड़की, नगर अध्यक्ष पंडित नवनीत किलेदार, नगर युवा अध्यक्ष संजय जैन रिंकू, नगर युवा महामंत्री सुमित कछालिया, जिला मंत्री मुरारी सोनी, अनिल मामा भांजा, पवन दाऊ, शिखर जैन, संजीव सोरया, नगर संयोजक मंगू पहलवान, नगर मंत्री मनीष मनपसंद, अमन जैन, भागचंद्रन जैन, डॉ. अनिल जैन, जगदीश कुशवाहा, प्रवेश सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

बोट क्लब के पास युवक पर हमला, एफआईआर दर्ज

ललितपुर। शहर के बोट क्लब क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला तालाबपुरा निवासी मुकेश पुत्र स्व.भगवानदास ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 23 मई 2026 की रात करीब आठ बजे उनका पुत्र मोहित कुशवाहा बोट क्लब के पास तालाब किनारे मौजूद था। इसी दौरान वहां पहुंचे तीन युवकों ने उसे घेर लिया और कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने मोहित के साथ मारपीट शुरू कर दी और लात-घूंसों से उसकी पिटाई कर दी। हमले में युवक को चोटें आईं। घटना के दौरान आसपास लोगों की भीड़ जुटने लगी, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी।

संक्षिप्त खबरें

आरक्षी नागरिक पुलिस परीक्षा - 25 को पारदर्शी व व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर जोन के समस्त जनपद प्रभारी, जिलाधिकारी, नोडल अधिकारी (पुलिस/प्रशासन) व कार्यदायी संस्थाएं (सुरक्षा, गोपनीय एवं संचालन) के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की प्रस्तावित लिखित परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्थाओं, परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता, संवेदनशील बिन्दुओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। समीक्षा गोष्ठी के दौरान कानपुर जोन के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा प्रक्रिया को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाए तथा प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायित्व सुनिश्चित करते हुए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित रखा जाए, जिससे अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही सभी अधिकारियों को संवेदनशील सूचनाओं पर सतत निगरानी रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा गोष्ठी में आकाश कुलहरि, पुलिस महानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी, हरीश चन्दर, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर उपस्थित रहे।

बरामद किए गए 170 गुम मोबाइल फोन बरामद किए गए

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर व अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार भाटी के निर्देशन में प्रभारी सर्विलांस टीम जनपद प्रतापगढ़ व जनपद प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा गुम/खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में जनपद के समस्त थानों की साइबर टीमों एवं सर्विलांस सेल की तकनीकी सहायता से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए कुल 170 अदद गुम मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 33,15,000 रुपए है।बरामद मोबाइल फोनों को मंगलवार को पुलिस लाइन प्रतापगढ़ स्थित साई कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर व अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार भाटी के द्वारा उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया।अपने गुम हुए मोबाइल फोन पुनः प्राप्त कर लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे तथा उन्होंने प्रतापगढ़ पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) को आभार व्यक्त किया।

आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा की PhD प्रवेश परीक्षा इसी महीने, रिसर्च करने के लिए 4000 अभ्यर्थी लेंगे भाग

आगरा। डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 20 जून को होगी। इसके लिए 17 जून को प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। 1400 सीटों के लिए 4000 अभ्यर्थी पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। प्रवेश परीक्षा आप्टिकल मार्क रिकग्निशन (ओएमआर) पर होगी। विश्वविद्यालय में पीएचडी की 1400 सीटें हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन लिए गए। 1400 सीटों के लिए 5500 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों के शिक्षक, जेआरएफ, एमफिल उपाधि धारक और गेट उत्तीर्ण ने भी आवेदन किए हैं। ऐसे करीब 1500 अभ्यर्थी हैं, इन्हें परीक्षा से छूट दी गई है। डीन रिसर्च प्रो. बीपी सिंह के अनुसार, इस बार विदेशी छात्रों के लिए आवेदन की सुविधा स्टडी इंडिया पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। 20 जून को पीएचडी प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित की गई है। 17 जून को प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे, विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

सातवां वेतनमान लटका, सुविधाओं व पेंशन को लाले पड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विभाग के किन्हीं प्रभावशाली अधिकारियों की हठवादिता एवं सुविधाओं के क्रियान्वयन नहीं करने के परिणामस्वरूप विभाग के कर्मचारियों को सुविधाओं का लाभ पाने से वंचित होना पड़ता है और उन्हें इसके लिए दर दर भटकना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला मत्य विभाग के नियंत्रणाधीन 19 जनपदों में संचालित मत्स्य पालक विकास अभिकरण के लगभग सैकड़ों सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अधिकारों व सुविधाओं से वंचित होने पर 30-3 5 वर्ष तक विभागीय सेवा करने के बाद भी उन्हें 2016 से सातवें वेतनमान का लाभ आज तक नसीब नहीं हो पाया है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में कर्मचारियों को ग्रेच्युटी अवकाश नकदीकरण एवं नियमित पेंशन जैसे सेवानिवृत्त लाभ से हाथ धोना पड़ा है। सातवें वेतनमान,पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों से वंचित इन बुजुर्ग कर्मियों की आर्थिक स्थिति ऐसी हो गई है की कई परिवार आ गई आर्थिक संकट और भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। यह संकट प्रतापगढ़ में भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समक्ष है।

बात जानकारी में आई है कि उत्तर प्रदेश शासन, वित्त(वेतन आयोग) अनुभाग -2 के पत्र संख्या 64/2016 वेश्अश - 2645/10-04(एम) दिनांक 16 दिसम्बर 2016 के संकल्प पत्र में अभिकरण कर्मियों को समान वेतनमान का लाभ दिए जाने की संस्तुति की गई थी।

इतना ही नहीं 19 जनपदों की गवर्निंग बॉडी द्वारा भी समय समय पर सातवें वेतनमान के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर निदेशालय को भेजा गया था,लेकिन फिर भी मामला निरंतर लंबित बना रहा। सेवानिवृत्त कार्मिको का आरोप है कि तत्कालीन मत्स्य निदेशक एसके सिंह के कार्यकाल में इस मामले में प्रसंगत निर्णय नहीं लिया गया। शासन स्तर पर उक्त मामले में जानकारी मांगे जाने पर निदेशालय द्वारा कार्यालय पत्रांक 1099/स्थापना शा./संविलीन दिनांक 21 मई 2020 जारी कर 19 जनपदों में कार्यरत विभागों में सेवारत कर्मचारियों को सातवां वेतनमान लागू होने पर आने वाले व्यय भार की जानकारी मांगे जाने के बावजूद व्यय भार की जानकारी नहीं दी गई। सूत्रों के अनुसार वित्त अनुभाग और वित्त नियंत्रक स्तर पर आवश्यक प्रकिया पूरी कर ली गई है। अन्य चाही गई जानकारी को देने में विभागीय हीलाहवाली एवं मामले को लटकाये रहने से इस संबंध में निर्णय खटाई में लटका है। बहरहाल सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने कई वर्षो से लंबित मामले के साथ सौ से अधिक परिवारों को सातवें वेतनमान, पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों को पाने का इंतजार है और भुखमरी की कगार पर खड़े कई परिवार मामले को शीघ्र निस्तारित करने हेतु आस बैठे हैं।

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए नागरिक भी सहयोग करें- डीसीपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 2.06.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से वाहन स्वामियों/चालकों को सूचित करते हुए अपने वाहनों को तत्काल नो पार्किंग क्षेत्र से हटाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन नहीं हटाए गए, उनके वाहनों को क्रेन के माध्यम से कुल 13 चार पहिया वाहनों को सम्बन्धित थाने में भेजा गया। वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु अंतिम चेतावनी देते हुए नियमानुसार उनके वाहन सुपुर्द किए गए। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें । यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

आगरा में बस यात्रियों को लगानी पड़ रही दौड़, ISBT की बजाय सेटेलाइट बस अड्डे से चल रहीं अब इस रूट की बसें

आगरा। चंदौसी निवासी सत्यवीर गुजरात में परिवार के साथ मजदूरी करते हैं। वह गुजरात से लौटे थे। चंदौसी की बस पकड़ने के लिए एक जून की दोपहर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आइएसबीटी) पहुंचे तो पता चला कि मुरादाबाद रूट पर चलने वाली बसें अब फाउंड्री नगर स्थित सेटेलाइट बस अड्डे से मिलेंगी। सत्यवीर ने बताया कि आइएसबीटी से फाउंड्री नगर तक आने के लिए ई-रिक्शा को 150 रुयपे भाड़ा देना पड़ा। दोनों डिपो के पूछताछ केंद्र पर यात्रियों की भीड़ लगी रही। वह बसों के नहीं आने-जाने का कारण पूछते रहे। एक जून को अलीगढ, मुरादाबाद और मेरठ आदि रूट पर जाने वाले अधिकांश यात्रियों की स्थित सत्यवीर की तरह रही। किसी को सेटेलाइट बस अड्डे पहुंचने को फाउंड्री नगर तक दौड़ लगानी पड़ी, किसी को कमला नगर आने के लिए सेटेलाइट बस अड्डे पर उतरने के बाद सिटी बस पकड़नी पड़ी।

काला नमक धान की खेती करने से किसान प्राप्त कर सकते हैं अधिक लाभ- जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0 एन0 की अध्यक्षता में कालानमक चावल (बुद्धा राइस) किसान सम्मेलन का आयोजन विकास खण्ड बर्डपुर के सभागार में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0 एन0 ने उपस्थित कालानमक चावल के क्षेत्र में कार्य करने वाले एफपीओ, किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनपद का कालानमक चावल को एक जनपद एक उत्पाद में चयन किया गया है।

जनपद के बर्डपुर में सबसे अधिक व सबसे अच्छा कालानमक चावल का उत्पादन होता है। कालानमक चावल को महात्मा बुद्ध के प्रसाद के रूप में जाना जाता है। कालानमक चावल का थाईलैंड,, सिंगापुर व अन्य देशों में मांग अधिक है। कालानमक चावल के प्रोसेसिंग के लिए जनपद के खेसरहा में सीएफसी स्थापित किया गया है जिससे जनपद के किसानों को जोड़ा जायेगा, उनको उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि कालानमक की खेती करने से सामान्य धान की अपेक्षा अधिक आय प्राप्त होगा। कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा कालानमक धान की खेती, बीज, रोग प्रबन्धन, हारवेस्टिग तथा निर्यात के बारे में जानकारी दिया गया है। कालानमक धान में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग न कर जैविक उर्वरक का प्रयोग करें,जिससे कालानमक चावल की गुणवत्ता ठीक रहेगा। जनपद में कालानमक धान की खेती बढ़ा है। उन्होंने किसानों से अपील किया कि सभी लोग कालानमक धान की खेती अधिक से अधिक करें।

कालानमक चावल की गुणवत्ता ठीक रखने के लिए उसमें मिलावट न करें। जिलाधिकारी द्वारा कालानमक चावल के उत्पादन, विपणन, ब्रांडिंग व पैकेजिंग पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कालानमक चावल के निर्यात के लिए अच्छी ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग करें तथा उस पर कालानमक में उपलब्ध पोषक तत्वों एवं लाभ के बारे में अंकित करें। कृषि विभाग द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराया जायेगा। किसानों को जो भी आवश्यक्ता होगी जिला प्रशासन व कृषि विभाग पूरी मदद करेगा। जिलाधिकारी द्वारा अशरफी लाल, दिनेश चौधरी, गंगाराम, चन्द्र मोहन, सूर्यप्रकाश को कालानमक धान की बीज वितरित किया गया।

किसान सम्मेलन में डॉ0 सर्वजीत एवं डॉ0 मार्कण्डेय सिंह कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र सोहना द्वारा किसानों को कालानमक धान की खेती के लिए बीज शोधन, नर्सरी तैयार करने, रोग से बचाव, पोषक तत्व प्रबन्धन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय, जिला उद्यान अधिकारी, डीसी एनआरएलएम, खण्ड विकास अधिकारी बर्डपुर ओम प्रकाश सिंह यादव व अन्य अधिकारी, एफपीओ, स्वयं सहायता समूह की महिलायें तथा किसान उपस्थित रहे।

जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद न्यायाधीश राजीव कमल पाण्डेय, जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का व्यापक रूप से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार परिसर, विभिन्न बैरकों, पाकशाला, पुस्तकालय, चिकित्सालय, आंवला प्रसंस्करण केंद्र, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। संयुक्त निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंदियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था का भी गहन परीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला बैरक के निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने महिला बंदियों से उनके स्वास्थ्य, खान-पान, चिकित्सा सुविधाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को पोषाहार सामग्री भेंट कर उनके स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की। किशोर बैरक में अधिकारियों ने किशोर बंदियों से बातचीत कर उन्हें शिक्षा और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुपरवाइजर्स के गणना कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं अपर जिला अधिकारी आदित्य प्रजापति के निर्देशन में तहसील सदर में आने वाले सभी सुपरवाइजर की बैठक संपन्न हुई। उप जिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा ने सुपरवाइजर्स की समीक्षा बैठक में कहा कि सभी सुपरवाइजर फील्ड में भ्रमण कर प्रगड़क के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा करें और उनके द्वारा किए गए कार्यों का पोर्टल पर प्रतिदिन सिंक करें इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।तहसीलदार सदर अनिल कुमार ने कहा की फील्ड में जाकर पूरे ईमानदारी एवं कार्य कुशलता से भवन गणना का कार्य संपन्न करे। सुपरवाइजर धर्मेंद्र ओझा, शशांक कुमार, द्वारा सुपरवाइजर द्वारा जो भी कठिनाइयां बताई गई उसका समाधान करने में अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कानूनगो तुलसीराम यादव, प्रियंका, कमल, अरविंद चौधरी, सुभाष आदि मौजूद रहे।

एससी-एसटी प्रशिक्षण योजना के दूसरे चरण के लिए आज होंगे साक्षात्कार

ललितपुर। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित एससी-एसटी प्रशिक्षण योजना के दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत मार्च माह में एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में उद्यमिता विकास तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 150 से अधिक युवक-युवतियों ने भाग लिया था। योजना के दूसरे चरण के तहत 2 जून 2026 को सुबह 12 बजे से सायं 5 बजे तक साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार के माध्यम से प्रथम चरण में शामिल हुए लाभार्थियों में से 50 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित लाभार्थियों को दो अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यातायात पुलिस द्वारा ओवर स्पीड वाहनों पर कड़ी कार्यवाही, 341 वाहनों के चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 08 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 03 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

आज दिनांक 2.06.2026 में को तेजगति से चलने वाले वाहनों पर कड़ी कार्यवाही की गई। राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 73 ट्रक, 2 बस, 93 चार पहिया / दो पहिया 168 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 04 बस, 109 चार पहिया/ दो पहिया 113 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 60 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें, ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें, यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें, शराब पीकर वाहन न चलायें। नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

समाजवादी विचारक हाजी मुश्ताक सोलंकी की पुण्यतिथि पर विचार गोष्टी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी के नेता तथा पूर्व विधायक का पूर्ण दायित्व निभाकर समाजवाद के विचारक हाजी मुश्ताक सोलंकी की पुण्यतिथि पर आज सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में पीडीए कार्यकर्ताओं की विचार गोष्टी सपा कार्यालय पर मनाई गई। परिचर्चा गोष्ठी का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि मरहूम हाजी मुश्ताक सोलंकी जी समाजवादी विचारक थे महानगर में गरीबों के रहनुमा थे उन्होंने हजारों लोगों के परिवारों के दुख दर्द में भागीदार रहे और नए वर्ष में गरीबों का भोज कानपुर के एक बड़े होटल में कराते थे और उसमें मंदिरों मस्जिदों के बाहर बैठे गरीबों को निमंत्रण पत्र छपवाकर आमांत्रित करते थे तथा उनको सम्मान के साथ भोज तथा अंग वस्त्र भेट करते थे जिसे सभी प्रमुख अखबारों में राष्ट्रीय स्तर तक स्थान देकर व्यापक सराहा गया था।

महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने आगे कहा कि विधायक रहते हुए रात में फुटपाथों पर रात बिताने वालों को गर्म वस्त्र के साथ उनके कष्टो में मददगार रहे इसके अलावा छात्रों की शिक्षा में भी सहयोगी बने रहे आज युवा पीढ़ी उनकी नीतियों पर चलकर जन सेवा में जुटे तभी परिवर्तन की ओर आगे बढ़ेंगे।

विचार गोष्ठी में महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,पूर्व मंत्री शिवकुमार बेरिया, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू,नंदलाल जयसवाल, सत्यनारायण गहरवार, आंनद शुक्ला, फखरे आलम, महेन्द्र सिह, रजत मिश्रा, दीपा यादव, कीर्ती अग्निहोत्री, सुलेखा यादव, दीपक खोटे, राजेश गोंड कश्यप, सुधांशु मिश्रा, आबिद रजा, असद सिद्दीकी, मेराज अहमद, इशरत इराकी, राजेंद्र जयसवाल, जस्वेंद्र निषाद आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भटके नर हिरण को आवारा कुत्तों ने किया काटकर लहूलुहान, बकरी चरवाहों ने बचाई जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के भरभर साथा गांव के पश्चिम स्थित सीवान के परासी नाले के पास कुछ ग्रामीण बच्चें बकरी चरा रहे थे,कि अचानक उन सभी की नज़र आवारा कुत्तों के झुंड से घिरा एक हिरण दिखाई दिया, बकरी चरवाहों ने दौड़ कर कुत्तों से ज़ख्मी हिरण की जान बचाई, काफी देर तक चरवाहों ने हिरण को घेर रखा था, ताकि कुत्तों से ज़ख्मी हिरण शिकार न हो जाए, चरवाहों ने इस घटना की सूचना गांव के अन्य लोगों ने दी, ग्रामीणों ने वन विभाग को घटना की सूचना देकर बुलाया, तब तक बुरी तरह से घायल नर हिरण जान बचाने के लिए पास के परासी नाले में कूद गई, नाले में पानी कम कीचड़ ज्यादा था, वहीं पर जाकर कराह रही थी, हिरण पूरी तरह भयभीत और थक गई थी, वन विभाग के लोग घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे घायल हिरण को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से परासी नाले से सुरक्षित ज़ख्मी हालत में बाहर निकाला, और थ्री व्हीलर टैंपो मगवाकर हिरण को मिठौवा बीट इटवा रेंज तक वन कर्मियों द्वारा ले जाया गया।

वन विभाग के वन दरोगा मनीष पांडेय वन रक्षक सुधीर कुमार, बलराम चौहान, विजय नाथ के साथ गांव के हिरण के मददगार ग्रामीण रामजीत, बुधाई, राजेश कुमार, हेरावन, सालिक, नियाज़ उर्फ बुद्धू, पुजारी आदि लोग मौजूद रहे। वन दरोगा मनीष पांडेय ने बताया कि सीवान में आवारा कुत्तों के झुंड ने टहलते हिरण को अपना शिकार बनाया, मौके पर बकरी चरवाहों सहित अन्य ग्रामीणों की मदद से ज़ख्मी हिरण की जान बच गई है, कुत्तों ने हिरण के पीछे के हिस्से कूल्हे के पास का मांस नोच डाला है, पीठ व पैर में भी थोड़ा बहुत ज़ख्म है, इटवा रेंज पर इलाज़ होना है, पूर्ण रूप से ठीक हो जाने पर ज़ख्मी नर हिरण सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया जायेगा, तब कि पूरी तरह स्वस्थ न हो जाए उसका इलाज जारी रहेगा।

सिद्धार्थनगर: विवाहिता ने कमरे के छत की कुंडी के सहारे साड़ी का फंदा लगाकर दी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के पड़रिया में मंगलवार को एक विवाहिता ने कमरे के छत की कुंडी के सहारे साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थानाक्षेत्र ग्राम पड़रिया में मंगलवार को दोपहर से पहले एक विवाहिता ने किन्हीं कारण घर के दूसरे तल पर एक कमरे में छत की कुंडी के सहारे साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कुंडी से नीचे उतार पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका खुशबू यादव (23 वर्ष) पत्नी दिनेश यादव ग्राम पड़रिया की रहने वाली थी। मृतका को दो वर्ष का एक बेटा भी है। मृतका के पति दिनेश यादव खेती के कार्य से घर से बाहर गये हुए थे। दिनेश की मां जब कमरे के पास गई, तो देखा बहू खुशबू यादव छत की कुंडी से लटक हुई मिली। वह खुशबू को लटके देख रोने चिल्लाने लगी। रोने की आवाज सून लोगों की भीड़ इकठ्ठा हो गई। पति को जानकारी होते ही वह भी रोते हुए खेत से घर वापस पहुंचा। उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी। मृतका का मायका बलरामपुर जिले के पचपेड़वा थाना ग्राम सेहरी है। मायका पक्ष वालों ने दहेज हत्या का उत्पीड़न की तहरीर पुलिस को दी है।आरोप लगाया है कि बेटी को मारकर लटका दिया गया है। मायके वालों ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। थाना शोहरतगढ़ प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने कहा कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिली है। जांचकर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

नाबालिग से अप्राकृतिक दुष्कर्म, आरोपी बाल अपचारी पुलिस संरक्षण में, पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

भिटौली , महराजगंज ब्यूरो। स्थानीय पुलिस ने अप्राकृतिक यौन संबंध और POCSO एक्ट के गंभीर मामले में फरार चल रहे बाल अपचारी को संरक्षण में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ BNS 137(2) और POCSO एक्ट 3/4(2) के तहत केस दर्ज था। बताते चले कि थाना भिटौली में मु 0अ0सं0 106/2026 दर्ज था। आरोप है कि बाल अपचारी ने नाबालिग पीड़ित के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने धारा 137(2) BNS अपहरण और POCSO एक्ट की धारा 3/4(2) पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट में केस दर्ज किया था। जिसके बाद एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के 'वांछित गिरफ्तारी अभियान' के तहत भिटौली पुलिस आरोपी की तलाश में थी । 02 जून को प्रभारी निरीक्षक *लसत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में टीम ने विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए बाल अपचारी को संरक्षण में लिया। टीम में कां0 अंकित यादव, रि0 कां0 कुलदीप मिश्रा और रि0 म0कां0 खुश्बू कुमारी शामिल थीं। बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया है। बोर्ड तय करेगा कि केस जुवेनाइल कोर्ट चलेगा या सेशन कोर्ट ट्रांसफर होगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय: विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप समयबद्ध अध्ययन-अध्यापन, परीक्षा, मूल्यांकन तथा परीक्षा परिणामों की घोषणा सुनिश्चित कर रहा है। इसी के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक एवं परीक्षा संबंधी गतिविधियों के सफल एवं समयबद्ध संचालन में निरंतर अग्रणी बना हुआ है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शैक्षणिक कैलेंडर के अनुरूप सभी प्रक्रियाओं का संचालन कर रहा है।

परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न स्नातकोत्तर एवं स्नातक पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम निरंतर घोषित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज विज्ञान संकाय के अंतर्गत एमएससी वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, प्राणी विज्ञान तथा एमएससी गणित चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त एम.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर एवं एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम भी घोषित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कला संकाय के अंतर्गत एमए इतिहास, प्राचीन इतिहास, मनोविज्ञान, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू, हिन्दी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान, राजनीति विज्ञान तथा दृश्य कला विषयों के चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम भी आज घोषित किए जा रहे हैं।

संबंधित विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। दीनानाथ यादव ने यह भी बताया कि जिन विद्यार्थियों ने अभी तक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी आईडी) में पंजीकरण नहीं कराया है, उनका परीक्षा परिणाम प्रदर्शित नहीं किया जा सकेगा। ऐसे विद्यार्थी एबीसी आईडी में पंजीकरण कराने के उपरांत अपना परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 5 से 21 जून तक चलेगा जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान

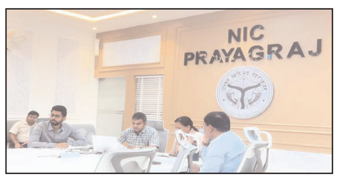

प्रयागराज। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद प्रयागराज में 5 जून से 21 जून 2026 तक समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी विकास खंडों, नगर निगम एवं नगर निकाय क्षेत्रों में विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन कर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की रूपरेखा, कार्यक्रमों की तिथियों और व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सेवा, संस्कार, सुशासन और सम्मान के मूल मंत्र के अनुरूप कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के दायित्व निर्धारित किए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चलेगा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने बताया कि अभियान की शुरुआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर होगी। प्रधानमंत्री की अपील के अनुरूप जिले के सभी विकास खंडों और नगर निकायों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण किया जाएगा।

14 से 16 जून तक लगेंगे त्रिदिवसीय जनकल्याण मेले

अभियान के तहत 14 से 16 जून तक जिले के सभी विकास खंडों में तीन दिवसीय जनकल्याण मेलों का आयोजन किया जाएगा। इन मेलों में विभिन्न विभाग अपने-अपने स्टॉल लगाकर नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र एवं इच्छुक लाभार्थियों का पंजीकरण भी करेंगे। मेले में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, कौशल विकास सहित अन्य विभागों की योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही लोगों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का भी प्रयास किया जाएगा। विकास प्रदर्शनी, प्राकृतिक खेती कार्यशाला और रात्रि चौपाल भी होंगी सीएमओ. ए.के. तिवारी, जिला विकास अधिकारी जी.पी. कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता विकास सेवा संस्थान एवं श्री राम यूथ फाउंडेशन द्वारा राहगीरों श्रमिकों को शरबत वितरण

कानपुर। नौ तपा की भीषण गर्मी के बीच जनता विकास सेवा संस्थान एवं श्री राम यूथ फाउंडेशन द्वारा राहगीरों श्रमिकों को शरबत वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक विधायक अभिजीत सिंह सांगा , अध्यक्ष जितेंद्र सविता व सहयोगी मिंटू सिंह , राघवेंद्र सिंह,विक्रांत शुक्ला, जितेंद्र नंदवंशी, अनिकेत, निशात, विनोद, हर्ष, अभय, अनिमेश कुशवाहा, हरिओम, राजन, छेदा लाल, रुद्र, आशीष, शुभम,मोहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ता हितों की प्रभावी पैरवी से चैंबर आवंटन की दरों एवं सुरक्षा निधि में ऐतिहासिक संशोधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय परिसर में नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबरों के आवंटन से संबंधित शुल्क एवं सुरक्षा निधि के विषय में अधिवक्ताओं की न्यायोचित चिंताओं को गंभीरता से उठाते हुए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा, अधिवक्ता के नेतृत्व में अधिवक्ता हितों की सशक्त एवं सकारात्मक पैरवी के परिणामस्वरूप चैंबर आवंटन की पूर्व निर्धारित दरों में महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। मुख्य न्यायाधीश एवं चैंबर आवंटन समिति के अध्यक्ष के साथ हुई विस्तृत विचार-विमर्श बैठक तथा बार एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत तथ्यों, सुझावों एवं अधिवक्ता समुदाय की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए मासिक किराया एवं सुरक्षा निधि की राशि में उल्लेखनीय कमी किए जाने का निर्णय लिया गया है। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, पूर्व में निर्धारित 2500 एवं 5000 प्रतिमाह के किराए को घटाकर अधिकांश श्रेणियों में 1500 प्रतिमाह कर दिया गया है। इसी प्रकार सुरक्षा निधि की राशि में भी व्यापक राहत प्रदान करते हुए निर्धारित धनराशि को पर्याप्त रूप से कम किया गया है, जिससे युवा एवं नवोदित अधिवक्ताओं सहित समस्त अधिवक्ता वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। यह निर्णय न केवल अधिवक्ताओं के आर्थिक हितों की रक्षा करेगा, बल्कि न्यायिक कार्य से जुड़े अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। बार एसोसिएशन ने प्रारंभ से ही यह स्पष्ट किया था कि चैंबर आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायसंगत एवं अधिवक्ता हितैषी होनी चाहिए तथा किसी भी अधिवक्ता पर अनावश्यक आर्थिक भार नहीं डाला जाना चाहिए। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद अधिवक्ता समुदाय के अधिकारों, सम्मान एवं कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हुए विश्वास व्यक्त करता है कि यह निर्णय न्यायालय एवं बार के मध्य सकारात्मक संवाद और समन्वय की उत्कृष्ट परंपरा को और सुदृढ़ करेगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार द्विवेदी (के.के. द्विवेदी), उपाध्यक्षगण, संयुक्त सचिवगण, कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की सक्रिय सहभागिता एवं सुझावों ने भी इस महत्वपूर्ण पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बार एसोसिएशन ने इस निर्णय हेतु मुख्य न्यायाधीश एवं चैंबर आवंटन समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे अधिवक्ता एकता, संवाद और लोकतांत्रिक प्रयासों की सार्थक सफलता बताया है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला: प्री-कास्ट तकनीक से बनेंगे नाले

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हर साल मानसून के दौरान होने वाले गंभीर जलभराव से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने तैयारी शुरू की है। लंबे समय के लिए काम आने के लिए नालों का निर्माण काम शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में पिछले वर्ष घोषित किए गए नए ड्रेनेज मास्टर प्लान को अब युद्धस्तर पर जमीन पर उतारने की तैयारी है। इस योजना के तहत नालों के निर्माण और रीमॉडलिंग कार्य में लगने वाले समय को कम करने के लिए सरकार ने आधुनिक प्री-कास्ट तकनीक को अपनाने का फैसला किया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने राजधानी के विभिन्न चिन्हित और संवेदनशील जलभराव वाले इलाकों के लिए इस तकनीक से नालों के निर्माण हेतु आधिकारिक तौर पर निविदाएं (टेंडर) जारी कर दी हैं। पारंपरिक निर्माण पद्धतियों (कास्ट -इन-सीटू) को पीछे छोड़ते हुए इस आधुनिक तकनीक के तहत नालों के आकार के कंक्रीट बाक्स पहले ही फैक्टरी या यार्ड में तैयार कर लिए जाते हैं। इसके बाद निर्माण स्थल पर केवल जमीन की खुदाई करके इन बाक्सों को आपस में क्रेन की मदद से जोड़ (अलाइन) दिया जाता है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह तकनीक न केवल बेहद टिकाऊ और मजबूत है, बल्कि इससे पानी की निकासी की क्षमता भी बेहतर होती है।

पेंशन सत्यापन में लापरवाही पर 3 अधिकारियों का वेतन रोका गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मंगलवार को बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने विकास भवन सभागार में कल्याणकारी विभागों की पाक्षिक समीक्षा बैठक की। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण काम करने के सख्त निर्देश दिए।

किन अधिकारियों पर हुई कार्रवाई– पेंशन सत्यापन में लापरवाही मिलने पर तीन अधिकारियों का वेतन रोकने का आदेश दिया गया: 1. रमेश कुमार - जिला समाज कल्याण अधिकारी 2. राजन कुमार - जिला दिव्यांगजन अधिकारी 3. डॉ. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन - जिला प्रोबेशन अधिकारी

बैठक की मुख्य बातें– समाज कल्याण विभाग: डीएम ने पेंशन सत्यापन और छात्रवृत्ति योजनाओं में तेजी लाने को कहा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में टेंडर प्रक्रिया में देरी पर नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग: जिला दिव्यांगजन अधिकारी को सभी पेंशनधारकों का ब्लॉकवार डेटा तैयार करने का निर्देश। अगली बैठक में कुल दिव्यांग पेंशनधारक और पेंशन से वंचित पात्र लोगों की पूरी जानकारी मांगी गई। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग: मदरसों का 100% सत्यापन जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रोबेशन विभाग: पेंशन सत्यापन की धीमी गति पर डीएम नाराज हुए। साफ कहा कि पेंशन से जुड़ा कोई भी आवेदन 45 दिन से ज्यादा लंबित न रहे। देरी पर संबंधित तहसीलों से स्पष्टीकरण मांगा जाए। पिछड़ा वर्ग कल्याण: शादी अनुदान योजना में आवेदन संख्या, स्वीकृत केस और लक्ष्य की प्रगति रिपोर्ट अगली बैठक में देने को कहा गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने दो टूक कहा कि पात्र लाभार्थियों को हर हाल में समय पर योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

हरियाणा से पानी मिलने के बावजूद दिल्ली में जल संकट

दिल्ली। हरियाणा से अधिक पानी मिलने के बाद भी दिल्ली में पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। वजीराबाद जलाशय का जलस्तर सामान्य से लगभग साढ़े पांच फीट नीचे चला गया है। इस जलाशय से वजीराबाद और चंद्रावल जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) को कच्चा पानी मिलता है। इसमें कमी आने से दोनों संयंत्र क्षमता के अनुसार नहीं चल रहे हैं। इस समय राजधानी में लगभग 100 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम पानी की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा भी पिछले कुछ दिनों से पानी की कमी की बात स्वीकार करते हैं। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि लगभग 12 विधानसभा क्षेत्रों से जल आपूर्ति की शिकायत मिल रही है। दिल्ली में लगभग एक हजार एमजीडी पेयजल उपलब्ध होता है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इसमें कमी आई है। यमुना में पानी की कमी के कारण वजीराबाद जलाशय का जलस्तर 674.15 की जगह 668 फीट रह गया है। वजीराबाद और चंद्रावल डब्ल्यूटीपी के लिए यमुना से लगभग 135 एमजीडी पानी लिया जाता था। जलाशय का जलस्तर कम होने से इसकी जगह इस समय 50 एमजीडी से भी कम पानी मिल रहा है। इस कारण समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा से कैरियर लिंक कैनाल (सीएलसी) और दिल्ली सब ब्रांच (डीएसबी) नहरों के माध्यम से 920 क्यूसेक पानी मिलता था।

बलिया: बेल्थरा रोड पर किराए के मकान में महिला पर जानलेवा हमला, ईंट से सिर पर वार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेल्थरा रोड, बलिया – वार्ड नंबर 7 में सोमवार दोपहर एक किराए के मकान में अकेली रह रही महिला पर जानलेवा हमला हुआ। हमलावरों ने घर में घुसकर महिला के सिर पर ईंट से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना का विवरण– पीड़िता की पहचान बिंदु देवी पत्नी प्रणव कुमार यादव के रूप में हुई है। बिंदु देवी ने बताया कि सोमवार दोपहर वह अपने कमरे में अकेली थीं। इसी दौरान एक महिला चार-पांच युवकों के साथ उनके कमरे में घुस आई और बिना किसी बातचीत के हमला कर दिया। हमलावर महिला ने ईंट से उनके सिर पर लगातार वार किए। बिंदु देवी के शोर मचाने पर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी हुई। मकान मालिक दया शंकर गुप्ता के मौके पर पहुंचने तक सभी हमलावर फरार हो चुके थे।

इलाज और स्थिति– घटना के तुरंत बाद मकान मालिक और मालकिन घायल बिंदु देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, महिला के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल उनका इलाज जारी है। पीड़िता ने अपना मूल निवास भेंड़कुल, सुल्तानपुर बताया है। वह बेल्थरा रोड पर किराए के मकान में रह रही थीं।

स्थानीय लोगों में आक्रोश– दिनदहाड़े हुई इस वारदात से वार्ड नंबर 7 और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने घटना पर आक्रोश जताया है। लोगों की मांग है कि पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करे और हमले के कारणों का खुलासा करे।

जांच जारी– फिलहाल हमले के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच की जा रही है। हमलावर महिला और युवकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

पेपर लीक, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ सपा का हल्ला बोल, कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन

● युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का लगाया आरोप, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी (सपा) ने मंगलवार को कथित पेपर लीक, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न तथा पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और बाद में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता हाथों में बैनर, पोस्टर और पार्टी के झंडे लेकर एकत्र हुए। इसके बाद जुलूस की शक्ल में जिलाधिकारी कार्यालय की ओर कूच किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए युवाओं, किसानों, महिलाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र और प्रदेश सरकार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा पत्र लीक होने से लाखों छात्रों और अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। युवा वर्षों तक मेहनत करने के बावजूद भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता न होने के कारण निराश और हताश हैं। सपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय केवल घोषणाएं करने में व्यस्त है। इसके अलावा बढ़ती महंगाई के कारण आम जनता का जीवन कठिन होता जा रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन, खाद्य पदार्थों और दैनिक जरूरतों की वस्तुओं पर पड़ रहा है, जिससे लोगों की आर्थिक परेशानियां बढ़ गई हैं। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सपा नेताओं ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों के खिलाफ अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में काफी देर तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इसके बाद सपा प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने, महंगाई नियंत्रित करने, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्येष्ठ मास के पांचवें मंगलवार पर बड़े हनुमान मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

● मंगला आरती, अभिषेक और भव्य श्रृंगार के बाद श्रद्धालुओं ने किए दर्शन; शाम को लगेगा छप्पन भोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में ज्येष्ठ मास के पांचवें मंगलवार को बंधवा स्थित प्रसिद्ध लेटे हुए बड़े हनुमान मंदिर में आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। तड़के भोर से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। बजरंगबली के दर्शन और पूजन के लिए प्रयागराज सहित आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे दिन मंदिर परिसर भक्तिरस, भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान रहा। मंगलवार सुबह मंगला आरती से पूर्व मंदिर के महंत बलबीर गिरी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बड़े हनुमान जी का विधि-विधान से अभिषेक कराया। अभिषेक में गंगाजल, दूध, शहद, हल्दी तथा अन्य पवित्र सामग्री का उपयोग किया गया। इसके बाद भगवान को विशेष वस्त्र, पुष्प, फल, मेवा और सुगंधित सामग्री अर्पित कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। अभिषेक और श्रृंगार के पश्चात घंट-घड़ियाल, शंख और नगाड़ों की मंगल ध्वनि के बीच मंगला आरती संपन्न हुई। आरती के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिसने श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित किया।

भोर से ही लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

ज्येष्ठ मास के विशेष मंगलवार को लेकर भक्तों में भारी उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा दर्शन-पूजन की व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बड़े हनुमान जी के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि तथा मंगल कामनाओं के लिए प्रार्थना की।

ज्येष्ठ मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले मंगलवार भगवान हनुमान की आराधना के लिए अत्यंत पुण्यदायी माने जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करने से भय, रोग, संकट तथा नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है। भक्तों का विश्वास है कि बड़े हनुमान जी के दर्शन से आरोग्य, सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ से गूंजा परिसर

मंदिर परिसर में सुबह से ही हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ का आयोजन निरंतर चलता रहा। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पाठ में भाग लिया और बजरंगबली के चरणों में मत्था टेककर अपने परिवार की खुशहाली, निरोग जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

शाम को लगेगा विशेष छप्पन भोग

मंदिर प्रशासन के अनुसार दर्शन-पूजन का क्रम देर रात तक जारी रहेगा। शाम को बड़े हनुमान जी को विशेष छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद महाआरती का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। ज्येष्ठ मास के पांचवें मंगलवार पर बड़े हनुमान मंदिर में उमड़ी श्रद्धा और भक्ति की यह अद्भुत छटा प्रयागराज की धार्मिक परंपराओं और सनातन आस्था की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करती रही। पूरे दिन मंदिर परिसर 'जय श्रीराम' और 'बोलो पवनपुत्र हनुमान की जय' के जयकारों से गूंजता रहा।

IPL 2026 के मैचों से लखनऊ पुलिस को मिला 7.25 करोड़ राजस्व, अब आयोजकों से वसूला जाएगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वर्ष 2026 में हुए साथ आईपीएल मैच से लखनऊ पुलिस को 7.25 करोड़ रुपये मिले हैं। यह शुल्क नए नियम के हिसाब से लिए गए हैं। ऐसे तो हर प्राइवेट कार्यक्रम में तैनात प्रति पुलिसकर्मी का शुल्क जोड़कर लिया जाता था, लेकिन शासन की तरफ से सभी मैच के फीस तय कर दी है। इकाना स्टेडियम में आयोजित होने वाले टी-20, आईपीएल और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए नया बंदोबस्त शुल्क निर्धारित कर दिया गया है। अब इन मैचों के दौरान स्टेडियम के भीतर और बाहर तैनात किए जाने वाले पुलिस, पीएसी और होमगार्ड बल पर होने वाला खर्च आयोजकों से लिया जाएगा। गृह विभाग की तरफ से जारी निर्देशों के अनुसार टी-20 अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल मैचों के लिए प्रति मैच 25 लाख रुपये का बंदोबस्त शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए यह शुल्क 50 लाख रुपये तय किया गया है। यह राशि सुरक्षा व्यवस्था पर होने वाले व्यय के मद्देनजर वसूली जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित शुल्क में स्टेडियम की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा दोनों शामिल रहेंगी। मैच के दौरान किसी विशेष खतरे या सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त शुल्क भी लगाया जा सकेगा। हालांकि यह अतिरिक्त शुल्क मूल पुलिस निपटान शुल्क के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। इसके साथ ही अतिरिक्त शुल्क लगाने से पहले पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल विशेष परिस्थितियों में ही अतिरिक्त वित्तीय भार लगाया जाए। यही नहीं मैचों से प्राप्त होने वाला बंदोबस्त शुल्क को जमा कराया जाएगा। आदेश में लखनऊ के अलावा कानपुर और वाराणसी को भी शामिल किया गया है। वहां के पुलिस आयुक्तों को निर्देशित किया गया है कि भविष्य में आयोजित होने वाले टी-20, आईपीएल और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए निर्धारित शुल्क नियमानुसार वसूल कर संबंधित लेखाशीर्ष में जमा कराना सुनिश्चित करें।

दो जून की रोटी : संघर्ष, सम्मान और समाज की जिम्मेदारी - सरस सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 'दो जून की रोटी '– यह केवल एक मुहावरा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन का सबसे बड़ा सच है। जब कोई व्यक्ति कहता है कि उसे 'दो जून की रोटी' कमानी है, तो उसके पीछे सिर्फ भोजन की जरूरत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के अस्तित्व, सम्मान और भविष्य की चिंता छिपी होती है। भारत गांवों का देश है। यहां खेतों में पसीना बहाने वाला किसान, सड़क किनारे रिक्शा चलाने वाला मजदूर, ईंट-भट्ठों पर काम करने वाली महिलाएं, निर्माण स्थलों पर दिन-रात मेहनत करने वाले श्रमिक और छोटे दुकानदार सभी का संघर्ष कहीं न कहीं दो जून की रोटी से जुड़ा है। सुबह सूरज निकलने से पहले घर से निकलना और शाम को थके कदमों से लौटना, उनके जीवन की रोजमर्रा की कहानी है। आज विज्ञान और तकनीक के इस आधुनिक युग में जहां एक ओर देश चांद और मंगल तक पहुंच रहा है, वहीं दूसरी ओर समाज का एक बड़ा वर्ग अभी भी पेट भरने की जद्दोजहद में लगा हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और संसाधनों की असमानता ने गरीब और मध्यम वर्ग की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। कई परिवार ऐसे हैं जिनके लिए दो वक्त का भोजन जुटाना भी किसी युद्ध जीतने से कम नहीं। दो जून की रोटी केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। जब कोई बच्चा भूखे पेट सोता है, तो यह केवल उसके परिवार की विफलता नहीं होती, बल्कि पूरे समाज और व्यवस्था के लिए चिंता का विषय होता है। भूख इंसान की सबसे बड़ी मजबूरी है और जब पेट खाली होता है तो सपने, शिक्षा और विकास की बातें पीछे छूट जाती हैं। हालांकि सरकारों द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। राशन वितरण, मनरेगा, गरीब कल्याण योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम लाखों लोगों को राहत पहुंचा रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि जब तक हर व्यक्ति को सम्मानजनक रोजगार और पर्याप्त आय उपलब्ध नहीं होगी, तब तक दो जून की रोटी का संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकेगा। समाज के सक्षम वर्ग की भी जिम्मेदारी है कि

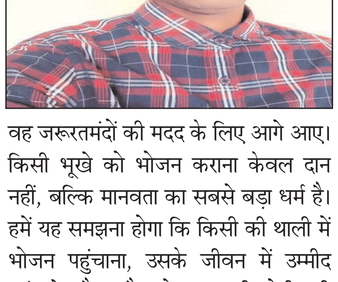

वह जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए। किसी भूखे को भोजन कराना केवल दान नहीं, बल्कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। हमें यह समझना होगा कि किसी की थाली में भोजन पहुंचाना, उसके जीवन में उम्मीद पहुंचाने जैसा है। दो जून की रोटी की अहमियत वही समझ सकता है जिसने भूख की पीड़ा महसूस की हो। जिन लोगों के घरों में भोजन आसानी से उपलब्ध है, उन्हें कभी उन हाथों को भी देखना चाहिए जो दिनभर मेहनत करके भी अपने परिवार के लिए पर्याप्त भोजन नहीं जुटा पाते। यह संवेदनशीलता ही एक बेहतर समाज की पहचान है। अंततः, दो जून की रोटी केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि इंसान के सम्मान, आत्मनिर्भरता और जीवन के अधिकार का प्रतीक है।

साउथ मलाका में एक ही परिवार के चार शव मिलने से सनसनी

● बंद मकान से उठी दुर्गंध ने खोला मौत का राज, हत्या की आशंका; पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कोतवाली थाना क्षेत्र के साउथ मलाका इलाके में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव उनके बंद मकान से बरामद होने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। कई दिनों से घर से आ रही तेज दुर्गंध के बाद पड़ोसियों द्वारा दी गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलग-अलग कमरों में चार शव पड़े मिले। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय व्यवसायी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता वैश्य (65 वर्ष), पुत्री मीनाक्षी वैश्य (45 वर्ष) तथा पुत्र अभिषेक वैश्य के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में शव लगभग तीन दिन पुराने बताए जा रहे हैं।

दुर्गंध से हुई अनहोनी की आशंका

स्थानीय लोगों के अनुसार परिवार पिछले कुछ दिनों से दिखाई नहीं दे रहा था। मंगलवार को मकान से तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मकान का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा तोड़कर जब पुलिस अंदर पहुंची तो चारों ओर सन्नाटा पसरा था और परिवार के चारों सदस्य मृत अवस्था में मिले।

शवों पर चोट के निशान, हत्या की आशंका

पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतकों के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। घटनास्थल की स्थिति और मिले साक्ष्यों को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। घर के भीतर और आसपास के क्षेत्र की भी जांच की गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि घटना से जुड़े किसी सुराग तक पहुंचा जा सके।

इलाके में दहशत और चर्चा का माहौल

एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर फैलते ही साउथ मलाका समेत पूरे शहर में चर्चा का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल के बाहर एकत्र हो गए। लोगों में घटना को लेकर भय और चिंता का माहौल है।

पुलिस ने कहा—हर बिंदु पर हो रही जांच

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है। हत्या, पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद अथवा अन्य कारणों को लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के निष्कर्ष आने के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच जारी है। यह हृदयविदारक घटना पूरे प्रयागराज में चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रयागराज निवासियों का कहना है कि एक परिवार के सभी चार लोगों की हत्या से प्रयागराज की पुलिस व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहा है। पुलिश रात में पेट्रोलिंग कहा करती है गश्त कहा लगती है अधिकारियों का रात में कहा और किस क्षेत्र में आवा गमन रहता है तमाम ऐसे सवाल खड़े हो रहे है जो पुलिश की पुलिसिंग व्यवस्था पर प्रश्न उठ रहा है। जब की प्रयागराज पुलि स कमिश्नरेट व्यवस्था के अंतर्गत आता है जहां सभी अधिकारी ips रैंक के तैनात है और तेजतर्रआक माने जाते है।